SHARMA HARDWARE
Sharma Gali, SJ Road
Athgaon, Guwahati-01
98648-02947
70025-06581

E-Paper : www.goodluckpublications.com, • www.vbslive.in
हिंदी दैनिक
गुवाहाटी, नई दिल्ली, शिमला और जम्मू से एकसाथ प्रकाशित
राष्ट्र निर्माण में प्रयत्नशील

विकसित भारत समाचार

वर्ष : 10 | अंक : 69 | गुवाहाटी | बुधवार, 4 अक्तूबर, 2023 | मूल्य : 10 रुपए | पृष्ठ : 12 | VIKSIT BHARAT SAMACHAR | Regd. RNI No. ASSHIN/2014/56526

बाल विवाह के खिलाफ विभिन्न हिस्सों में छापेमारी शुरू — पेज 3
देश का गरीब ही सबसे बड़ी जाति : प्रधानमंत्री — पेज 4
भारत और भारतीयता के लिए समर्पित रहा महंत अवेद्यनाथ का जीवन : योगी — पेज 5
हाउसिंग बोर्ड में निकाली गई 258 पदों पर भर्ती के लिए परीक्षा का परिणाम जारी — पेज 8

अल्फा (स्वा.) ने लाचित हजारिका और बर्णाली को फांसी दी

गुवाहाटी। प्रतिबंधित अल्फा (स्वा.) संगठन ने मंगलवार को शीर्ष अल्फा (स्वा.) नेता लाचित हजारिका उर्फ ब्रिगेडियर सलीम असम और कैडर बर्णाली को फांसी देने की जिम्मेदारी ली। सूत्रों के अनुसार, सलीम असम अल्फा (स्वा.) प्रमुख परेश बरुआ का करीबी था और 1990 के दशक में संगठन में शामिल हुआ था। जबकि बर्णाली साल 2021 में संगठन में शामिल हुई थीं। शीर्ष अल्फा (स्वा.) नेता लाचित हजारिका उर्फ ब्रिगेडियर सलीम असम को 20 सितंबर को म्यांमार के सागैन क्षेत्र के हाची शिविर में मृत्युदंड की सजा सुनाई गई थी। जबकि तिनसुकिया के एक मुक्केबाज और प्रतिबंधित संगठन के सदस्य बर्णाली को भी मौत की सजा दी गई है। विद्रोही संगठन ने एक ईमेल में कहा कि लाचित हजारिका और बर्णाली असम उर्फ नयनमणि चेतिया ने भारतीय खुफिया बलों के साथ सहयोग करके संगठन के संविधान और नीतियों का पूरी तरह से उल्लंघन किया और साथियों को ब्लैकमेल कर उन्हें हथियारों के साथ दुश्मन के सामने आत्मसमर्पण करने के लिए मजबूर किया। इसके अलावा, एक प्रेस बयान में आरोप लगाया गया कि दोनों ने शिविर से भागे सदस्यों की गिरफ्तारी के बारे में बताने के बजाय, बिना मुकदमा चलाए और अदालत में पेश हुए बिना गिरफ्तारी स्थल पर ही उनकी हत्या कर दी और उच्च अधिकारियों को गलत जानकारी देकर संगठन को गुमराह किया। अधिकारियों का कहना है कि वे असम पुलिस की तरह फर्जी मुठभेड़ों में मारे गए। विज्ञप्ति में कहा गया है कि चेतिया और देउरी, जो असम के शीर्ष पुलिस अधीक्षक स्तर के अधिकारियों और भारतीय सेना के अधिकारियों से -शेष पृष्ठ दो पर

मौत की सजा से डीजीपी चिंतित

गुवाहाटी (हि.स.)। अल्फा (स्वा.) के दो कैडरों को संगठन विरोधी गतिविधियों में शामिल होने के आरोप में प्रतिबंधित संगठन ने मौत की सजा सुनाई गई है। पुलिस महानिदेशक जीपी सिंह ने घटना पर प्रतिक्रिया व्यक्त की। सोशल मीडिया पर प्रतिक्रिया देते हुए उन्होंने कहा कि जंगल से खिलंजिया (स्थानीय) युवाओं की मौत की दिल दहला देने वाली खबर ने हर किसी को चिंतित कर दिया है। असम के युवाओं से मेरा अनुरोध है कि उस व्यक्ति और संगठन के लिए अपना जीवन बर्बाद न करें जिसके लिए आपका जीवन महत्वपूर्ण नहीं है। उल्लेखनीय है कि परेश बरुवा ने जासूसी के आरोप में दो कैडरों को मौत की सजा सुनाई है। मौत की सजा पाने वाले दो कैडरों की पहचान लाचित हजारिका उर्फ सलीम अली और बर्णाली असम उर्फ नयनमणि चेतिया के रूप में हुई है।

बाल विवाह के 800 से अधिक आरोपी गिरफ्तार

गुवाहाटी (हि.स.)। असम पुलिस ने बाल विवाह के खिलाफ बड़े पैमाने पर कार्रवाई करते हुए एक विशेष अभियान में 800 से अधिक आरोपीं को गिरफ्तार किया है। मुख्यमंत्री डॉ हिमंत विश्व शर्मा ने कहा है कि गिरफ्तार लोगों की संख्या में और वृद्धि हो सकती है। ज्ञात हो कि पुलिस ने राज्य में फिर से बाल विवाह विरोधी अभियान शुरू किया। पिछले महीनों में भी बाल विवाह के आरोप में बड़ी संख्या में लोगों को गिरफ्तार किया गया था। बीच में यह गिरफ्तारी बंद थी। इस दौरान पुलिस बाल विवाह करनेवालों का पता लगाने में जुटी हुई थी। सोमवार की रात से पुलिस का गिरफ्तारी अभियान शुरू हो गया है। जानकारी के अनुसार पुलिस ने सोमवार रात धुबड़ी के चापर में बाल विवाह के खिलाफ अभियान चलाया। अकेले धुबड़ी जिले में रात भर 185 लोगों को हिरासत में लिया गया। खबरों के मुताबिक धुबड़ी सदर थाना क्षेत्र से 35, गोलकगंज थाना क्षेत्र से 42, आगमणि पुलिस ने सात, तमारहाट पुलिस ने 12, गौरीपुर में 42, बिलासीपारा से 30, सापटग्राम से 11, चापर पुलिस से छह लोगों को गिरफ्तार किया है। गिरफ्तार लोगों की पहचान सलेमन अली, नुरुल अमीन, इमदादुल हक, अब्दुल समाद, मसलेम हक और सैफुल के रूप में हुई है। इन सभी को छापेमारी टीम ने चापर में विभिन्न स्थानों पर छापेमारी के दौरान गिरफ्तार किया। इसी बीच पुलिस ने गोलाघाट के कमरबंधा थाना अंतर्गत बामुनगांव में छापेमारी की। कमरबंधा पुलिस ने छापेमारी में ऋतुराज सैकिया नामक एक शख्स को गिरफ्तार किया। इसी तरह नगरबेड़ा में विभिन्न स्थानों पर की गई छापेमारी -शेष पृष्ठ दो पर

गौरव गोगोई का काफिला दुर्घटनाग्रस्त

कछार (हि.स.)। सांसद गौरव गोगोई का काफिला कछार जिला मुख्यालय शहर सिलचर में हादसे का शिकार हो गया। हादसा उस वक्त हुआ जब तेज रफ्तार काफिले ने एक के बाद एक वाहनों में टक्कर मार दी। इस हादसे में पूर्व मंत्री अजीत सिंह के वाहन समेत करीब 10 वाहन क्षतिग्रस्त हो गए। इस घटना में महिलाओं सहित सात से अधिक कांग्रेस कार्यकर्ता घायल हो गए। यह दुर्घटना सिलचर एयरपोर्ट रोड पर मयनारबंद पुल पर उस समय हुई, जब सैकड़ों वाहन सांसद गौरव गोगोई को सिलचर के कुंभीरग्राम हवाई अड्डे से कांग्रेस भवन ले जा रहे थे। रैली में शामिल लग्जरी वाहन जब तेज रफ्तार में चल रहे थे, तभी अचानक एक वाहन ने सामने वाले दूसरे -शेष पृष्ठ दो पर

स्वदेशी मुसलमानों के उत्थान के लिए सरकार बनाएगी योजनाएं : सीएम

गुवाहाटी। असम सरकार ने मंगलवार को कहा है कि वह राज्य के पांच स्वदेशी मुस्लिम समुदायों की आर्थिक-सामाजिक स्थिति का मूल्यांकन कराएगी ताकि उनके उत्थान के लिए सरकारी योजनाएं बनाई जा सकें। मुख्यमंत्री हिमंत विश्व शर्मा ने सचिवालय में वरिष्ठ अधिकारियों के साथ इसे लेकर बैठक भी की। असम के मुख्यमंत्री कार्यालय ने सोशल मीडिया पर साझा की एक पोस्ट में लिखा कि जनता भवन में एक बैठक -शेष पृष्ठ दो पर

पूर्वांञ्चल केশৰী
(असमीया दैनिक)
PURVANCHAL KESARI
(ASSAMESE DAILY)
GOOD LUCK PUBLICATIONS
House No. 30, D. Neog Path,
ABC, Guwahati - 781005
Mob: 94350 14771, 97070 14771

अरुणाचल सीमा पर भारत के खिलाफ चीन की साजिश

इस्लामाबाद। भारत के अरुणाचल प्रदेश की सीमा के करीब चीन 4-5 अक्तूबर को अंतर्राष्ट्रीय सहयोग के लिए तीसरे ट्रांस-हिमालयन फोरम की बैठक करने के लिए तैयार है जिसमें उसका दोस्त पाकिस्तान भी शामिल होगा। पाकिस्तान के अंतरिम विदेश मंत्री जलील अब्बास जिलानी तिब्बत में आयोजित होने वाले इस तीसरे ट्रांस-हिमालय फोरम फॉर इंटरनेशनल कोऑपरेशन में भाग लेने के लिए चीन की यात्रा करेंगे। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक फोरम की बैठक -शेष पृष्ठ दो पर

डिब्रूगढ़ जेल में अमृतपाल की भूख हड़ताल को लेकर बाहर पत्नी ने भी छोड़ा खाना

अमृतसर। खालिस्तान समर्थक अमृतपाल सिंह ने असम की डिब्रूगढ़ जेल में अनिश्चितकालीन भूख हड़ताल शुरू कर दी है। अमृतपाल के साथ उसके 9 साथी भी शामिल हैं। वहीं अमृतपाल की पत्नी किरणदीप कौर भी पति के समर्थन में जेल के पास भूख हड़ताल शुरू कर रही है। उसका कहना है कि उसे उसके चुने हुए वकील को मिलने नहीं दिया जा रहा है। अमृतपाल को नेशनल सिक्योरिटी एक्ट (एनएसए) में पंजाब से गिरफ्तार किया गया था। जिसके बाद असम जेल भेज दिया गया। किरणदीप कौर ने बताया कि अमृतपाल और उनके साथियों को उनके वकील राजदेव सिंह से नहीं मिलने दिया जा रहा है, जबकि उन्हें इसका पूरा हक है। 5 दिन से इस मामले का कोई हल नहीं निकला है। अमृतपाल ने 28 सितंबर को अमृतसर के डीसी को लेकर एक पेज का लेटर लिखा था। डिब्रूगढ़ जेल के सुपरिटेंडेंट को लिखे इस लेटर में अमृतपाल ने कहा कि अमृतसर डीसी अपनी शक्तियों का गलत प्रयोग कर रहे हैं। उनके वकील राजदेव सिंह खालसा को उन्हें मिलने आने की परमिशन नहीं दे रहे। जबकि उनके वकील की और से सारी शर्तें पूरी की जा रही हैं। उनके संवैधानिक अधिकारों का हनन किया जा रहा है। अमृतसर के डीसी अमित तलवाड़ ने कहा कि बंदियों को उनकी इच्छा के -शेष पृष्ठ दो पर

संभाजीनगर : एक दिन में 18 की मौत

मुंबई। महाराष्ट्र के छत्रपति संभाजीनगर के सरकारी मेडिकल कॉलेज एवं अस्पताल (जीएमसीएच) से एक बड़ी खबर सामने आई है। नादेड़ के बाद यहां के अस्पताल में मंगलवार सुबह आठ बजे तक 24 घंटे के भीतर कम से कम 18 लोगों की मौत हो गई हैं। अधिकारियों के अनुसार, मराठवाड़ा के ही नांदेड़ के डॉ. शंकरराव चव्हाण सरकारी मेडिकल कॉलेज एवं अस्पताल में 30 सितंबर से एक अक्तूबर के बीच 24 घंटे में 12 शिशुओं सहित 24 मौतें हुई हैं, जबकि एक से दो -शेष पृष्ठ दो पर

door graph Premium Quality Hinges
S.S. Traders
Suppliers in : All kinds of Door Fittings Modular Kitchen & Accessories, etc.
D. Neog Path, Near Dona Planet ABC, G.S. Road, Guwahati - 05
97079-99344

नेपाल में चार बार भूकंप के तेज झटके, कई इमारतों में आई दरारें

नई दिल्ली। दिल्ली-एनसीआर समेत उत्तर भारत के कई इलाकों में भूकंप के तेज झटके महसूस किए गए। जिसके बाद से ही लोगों में डर का माहौल बना हुआ है। नेशनल सेंटर फॉर सिस्मॉलोजी के आंकड़ों के मुताबिक, भूकंप की तीव्रता 6.2 मापी गई। जिसका केंद्र नेपाल के दिपायल के निकट बताया जा रहा है। इस दौरान नेपाल से सटे भारत के कई इलाकों में भी भूकंप के झटकों को महसूस किया गया। दिल्ली-एनसीआर समेत इलाकों में दूसरे भूकंप के बाद तेज झटके महसूस किए गए। साथ ही चंडीगढ़, जयपुर और उत्तर भारत के अन्य हिस्सों में भी झटकों को महसूस किया गया। इस भूकंप का केंद्र नेपाल रहा। 6.2 तीव्रता वाले इस भूकंप के बाद -शेष पृष्ठ दो पर

गुजरात : स्कूल में हिंदू छात्रों से पढ़वाई नमाज

अहमदाबाद। गुजरात के अहमदाबाद में एक निजी स्कूल में जागरुकता कार्यक्रम के तहत हिंदू छात्रों को कथित तौर पर नमाज पढ़ने के लिए कहे जाने के बाद हिंदू दक्षिणपंथी कार्यकर्ताओं ने मंगलवार को विरोध प्रदर्शन किया। राज्य सरकार ने मामले में जांच का आदेश दिया है। प्रदर्शन के वीडियो में एक शिक्षक को पीटते हुए देखा जा सकता है। राज्य सरकार ने शहर के घाटलोडिया क्षेत्र में स्थित कैरोलेक्स फ्यूचर स्कूल -शेष पृष्ठ दो पर

भौतिक विज्ञान में पियरे एगोस्टिनी, फेरेंक क्रॉस्ज और ऐनी एल हुइलियर को मिला नोबेल पुरस्कार

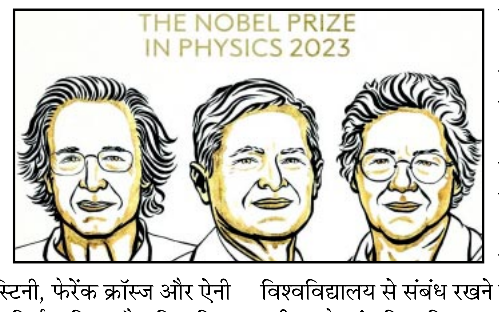

नई दिल्ली। साल 2023 के लिए नोबेल पुरस्कारों का एलान कर दिया गया है। भौतिक विज्ञान (फिजिक्स) के क्षेत्र में तीन लोगों को नोबेल पुरस्कार दिया जाएगा। रॉयल स्वीडिश एकेडमी ऑफ साइंसेज ने भौतिक विज्ञान में 2023 का नोबेल पुरस्कार पियरे एगोस्टिनी, फेरेंक क्रॉस्ज और ऐनी एल हुइलियर को देने का निर्णय लिया है। विभाजित सेकंड के सबसे छोटे हिस्से में परमाणुओं को देखने के लिए तीनों वैज्ञानिकों को भौतिकी में नोबल पुरुस्कार दिया गया है। पियरे एगोस्टिनी अमेरिका की ओहियो स्टेट यूनिवर्सिटी, जर्मनी में मैक्स प्लैंक इंस्टीट्यूट ऑफ क्वांटम ऑप्टिक्स और म्यूनिख के लुडविग मैक्सिमिलियन विश्वविद्यालय से संबंध रखने वाले के फेरेंक क्रॉस्ज और स्वीडन के लुंड विश्वविद्यालय की ऐनी एल हुइलियर को यह पुरस्कार दिया जाएगा। इससे -शेष पृष्ठ दो पर

सुप्रभात
अपने हित से पहले, समाज और देश के हित को देखना एक विवेक युक्त सच्चे नागरिक का धर्म होता है।
– ईश्वर चंद्र विद्यासागर

न्यूज गैलरी

स्वस्तिका तपस्या की निरंतरता का प्रतीक : भागवत

कोलकाता (हि.स.)। राष्ट्रवाद और हिंदुत्व के विचारधारा को पोषित करने वाली मशहूर पत्रिका स्वस्तिका के 75वें स्थापना दिवस के मौके पर राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) के सर संघ चालक मोहन भागवत शामिल हुए। कोलकाता से सटे हावड़ा के मशहूर बेलूर मठ में आयोजित कार्यक्रम में संघ प्रमुख ने कहा कि तपस्या की निरंतरता ही कार्य की सिद्धि लाती है। स्वस्तिका इसका उदाहरण है। मां भारती की आजादी के साथ ही स्वस्तिका की स्थापना महज -शेष पृष्ठ दो पर

चीन सीमा पर बनेंगी 200 बॉर्डर इंटेलिजेंस पोस्ट

नई दिल्ली (हि.स.)। चीन सीमा पर लगभग 200 बॉर्डर *इंटेलिजेंस* पोस्ट (बीआईपी) स्थापित होंगी जिसकी मंजूरी केंद्र सरकार ने दे दी है। वास्तविक नियंत्रण रेखा (एलएसी) पर इन चौकियों का संचालन भारतीय खुफिया एजेंसियां करेंगी, जिनमें रिसर्च एंड एनालिसिस विंग (रॉ), इंटेलिजेंस ब्यूरो और भारत की तकनीकी खुफिया एजेंसी नेशनल टेक्निकल रिसर्च ऑर्गेनाइजेशन (एनटीआरओ) के अधिकारी शामिल होंगे। इन नई चौकियों को स्थापित करने का मकसद चीन सीमा की सुरक्षा-व्यवस्था को और ज्यादा चौकस बनाना है। रक्षा मंत्रालय के एक वरिष्ठ अधिकारी का कहना है कि बॉर्डर इंटेलिजेंस पोस्ट (बीआईपी) में सेना और भारत-तिब्बत सीमा पुलिस (आईटीबीपी) के अलावा राष्ट्रीय तकनीकी अनुसंधान संगठन (एनटीआरओ), इंटेलिजेंस ब्यूरो, रिसर्च एंड एनालिसिस विंग (रॉ) जैसी एजेंसियों के खुफिया अधिकारी तैनात होंगे। इनका मुख्य कार्य एलएसी से इनपुट इकट्ठा करने के अलावा चीनी पीपुल्स लिबरेशन आर्मी (पीएलए) की किसी भी असामान्य गतिविधि पर नजर रखना होगा। केंद्र सरकार ने अपने सैन्य और हथियारों के निर्माण सहित चीन की गतिविधियों के साथ ही घुसपैठ के प्रयासों पर नजर रखने के लिए इन सीमा खुफिया चौकियों को मंजूरी दी है, लेकिन इसके बजट का खुलासा नहीं किया गया है। इन खुफिया चौकियों -शेष पृष्ठ दो पर

भारत और बांग्लादेश की सेनाओं ने मेघालय में शुरू किया संयुक्त अभ्यास संप्रीति

नई दिल्ली (हि.स.)। भारत और बांग्लादेश की सेनाओं ने मंगलवार को मेघालय के उमरोई में वार्षिक संयुक्त सैन्य अभ्यास संप्रीति का 11वां संस्करण शुरू किया। इस अभ्यास की शुरुआत 2009 में असम के जोरहाट से हुई थी। इसके बाद दोनों देश बारी-बारी से 2022 तक दस सफल अभ्यास कर चुके हैं, जो भारत और बांग्लादेश की सेनाओं के बीच मजबूत द्विपक्षीय रक्षा सहयोग पहल का प्रतीक है। सैन्य प्रवक्ता के अनुसार, 14 दिनों के इस अभ्यास *संप्रीति* में दोनों सेनाओं के लगभग 350 जवान शामिल हो रहे हैं। यह अभ्यास दोनों सेनाओं के बीच मिलकर काम करने की क्षमता बढ़ाने, सामरिक अभ्यास साझा करने और सर्वोत्तम कार्य प्रणालियों को बढ़ावा देने के महत्व -शेष पृष्ठ दो पर

CLASSIFIED

For all kinds of classified advertisements please contact

97070-14771
86382-00107

MURTI AVAILABLE

Available all kinds of Marble & White Metal Murties, Ganesh Laxmi, Radha Krishna, Bishnu-Laxmi, Hanuman, Maa Durga, Saraswati, Shivling, Nandi etc.
ARTCLE WORLD, S-29, 2nd Floor, Shoppers Point, Fancy Bazar, Guwahati-01,
Ph. : 94350-48866, 94018-06952

महिलाओं के नेतृत्व में विकास का मार्ग प्रशस्त करेगा नारी शक्ति वंदन कानून : बिरला

नई दिल्ली (हि.स.)। लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला ने मंगलवार को डोमिनिकन गणराज्य की उपराष्ट्रपति रक्वेल पेना रोड्रिग्ज के नेतृत्व में भारत की आधिकारिक यात्रा पर आए प्रतिनिधिमंडल को संसद भवन में संबोधित करते हुए कहा कि भारत में हाल ही में यहां नारी शक्ति वंदन विधेयक पारित किया गया है। इस कानून से भारत में महिलाओं के नेतृत्व में विकास का मार्ग प्रशस्त होगा। उन्होंने नई दिल्ली में संपन्न हुए जी-20 शिखर सम्मेलन के बारे में भी प्रतिनिधि मंडल को अवगत कराया। नवनिर्मित संसद भवन के बारे में अवगत कराते हुए बिरला ने कहा कि यह भवन भारत की विविधता और लोकतांत्रिक यात्रा का प्रतीक है। बिरला ने प्रतिनिधिमंडल को यह भी बताया कि नवनिर्मित संसद भवन में देश के सभी भागों की संस्कृति, डिजाइन और सामग्री का समावेश किया गया है। दोनों देशों के बीच राजनयिक संबंधों के 25 वर्ष पूरे होने पर पेना रोड्रिग्ज को बधाई देते हुए बिरला ने इस बात का उल्लेख किया कि दोनों देश के घनिष्ठ संबंध परस्पर मैत्री, लोकतंत्र के साझा मूल्यों और वैश्विक मुद्दों पर समान विचारों की मजबूत नींव पर आधारित हैं। यह टिप्पणी करते हुए कि भारत और डोमिनिकन गणराज्य दोनों में सशक्त संसदीय प्रणालियां हैं और साझा लोकतांत्रिक मूल्य हैं, बिरला ने कहा कि दोनों देशों को लोकतंत्र को बढ़ावा देने के लिए संसदीय आदान-प्रदान को और अधिक बढ़ाया जाना चाहिए। इस बात पर जोर देते हुए कि भारत में कई संसद सदस्य विशेष रूप से प्रौद्योगिकी, आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस, डिजिटलीकरण, प्रत्यक्ष लाभ हस्तांतरण, समावेशी विकास और सामाजिक सशक्तिकरण को लेकर उत्साहित हैं, बिरला ने कहा कि दोनों संसद आपसी सहयोग के माध्यम से इन क्षेत्रों में आगे प्रगति कर सकती हैं। उन्होंने कमजोर वर्गों के सशक्तिकरण और आपदा प्रबंधन आदि जैसे मुद्दों पर दोनों देशों की सरकारों और संसदों के बीच व्यापक सहयोग का आग्रह भी किया। भारत और डोमिनिकन गणराज्य के बीच पर्यटन क्षेत्र में विकास की अपार संभावनाओं का उल्लेख करते हुए बिरला ने कहा कि दोनों देशों में ऐतिहासिक और सुरम्य पर्यटन स्थल हैं और इस क्षेत्र में सहयोग बढ़ाने के लिए एक साझा दृष्टिकोण विकसित किया जा सकता है। बिरला ने यह उम्मीद भी जताई कि आने वाले समय में भारत और डोमिनिकन गणराज्य के आर्थिक और व्यापारिक संबंध और मजबूत होंगे। बिरला ने यह भी कहा कि भारत इस संबंध में सहयोग करने के लिए तैयार है। इस मुलाकात के दौरान पेना रोड्रिग्ज ने बिरला को उनके आतिथ्य के लिए धन्यवाद दिया और *वैक्सीन मैत्री* के अंतर्गत भारत की ओर से समय पर कोविड टीकों की आपूर्ति किए जाने के लिए भी आभार व्यक्त किया, जिससे महामारी के दौरान उनके देश को काफी मदद मिली। उन्होंने नारी शक्ति वंदन विधेयक के पारित होने की सराहना की और आशा व्यक्त की कि भारत और डोमिनिकन गणराज्य अपने व्यापार को बढ़ाएंगे और इसमें विविधता लाने के साथ ही साइबर सुरक्षा और आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस जैसे क्षेत्रों में सहयोग करेंगे। उल्लेखनीय है कि डोमिनिकन गणराज्य प्रतिनिधिमंडल की यह यात्रा नवनिर्मित संसद भवन में पहली उच्च स्तरीय राजनयिक यात्रा है। इससे पहले ऐसे कार्यक्रमों का आयोजन संविधान सदन में किया जाता था।

14 साल के लड़के ने मॉल में कर दी अंधाधुंध गोलीबारी

बैंकॉक। थाईलैंड की राजधानी बैंकॉक के लक्जरी मॉल में गोलीबारी हुई है। इसमें तीन लोगों की मौत हो गई, जबकि तीन लोग गंभीर रूप से घायल हो गए है। पुलिस ने मंगलवार को कहा कि थाईलैंड के बैंकॉक में एक लक्जरी मॉल में गोलीबारी में कम से कम तीन लोग मारे गए और तीन घायल हो गए। एक 14 वर्षीय संदिग्ध बंदूकधारी को गिरफ्तार कर लिया गया है और उससे घटना के बारे में पूछताछ की जा रही है। मेट्रोपॉलिटन पुलिस डिटेक्टिव डिपार्टमेंट ने फेसबुक पर सियाम पैरागॉन मॉल में गिरफ्तारी की घोषणा की। इससे पहले केंद्रीय जांच ब्यूरो ने अपने फेसबुक पेज पर एक व्यक्ति की धुंधली तस्वीर पोस्ट की थी, जो खाकी कार्गो पैंट और बेसबॉल टोपी पहने हुए था। सोशल मीडिया पर असत्यापित वीडियो में अराजकता के दृश्य दिखाई दे रहे हैं, बच्चों सहित लोग मॉल के दरवाजे से बाहर भाग रहे हैं जबकि सुरक्षा गार्डों ने उन्हें परिसर से बाहर जाने में मदद की है। घटना पर चिंता व्यक्त करते हुए प्रधानमंत्री श्रेथा थाविसिन ने माइक्रोब्लॉगिंग वेबसाइट पर पोस्ट किया कि मुझे सियाम पैरागॉन में गोलीबारी की घटना की जानकारी है और मैंने पुलिस को जांच के आदेश दिए हैं।

प्रदेश भाजपा मुख्यालय में बौद्धिक चर्चा आयोजित

गुवाहाटी (हिंस)। प्रदेश भाजपा के मीडिया विभाग ने आज राजधानी के वशिष्ठ स्थित पार्टी मुख्यालय में बौद्धिक चर्चा का आयोजन किया। इस अवसर पर, पार्टी प्रवक्ताओं और पैनलिस्टों ने पदाधिकारियों को लाभान्वित करने के लिए सामाजिक-आर्थिक, वर्तमान राजनीतिक आदि जैसे विभिन्न मुद्दों पर बात की और विचारों का आदान-प्रदान किया। इस अवसर पर प्रदेश भाजपा अध्यक्ष भवेश कलिता, संगठन महामंत्री आर रवींद्र राजू, महासचिव एवं सांसद पल्लब लोचन दास, प्रमुख मुखपात्र मनोज बरुवा, वरिष्ठ प्रवक्ता रूपम गोस्वामी, विधायक दिगंत कलिता, भुवन पेगू, रूपक शर्मा, समाचार विभाग के संयोजक देवान ध्रुव ज्योति मोरल और पार्टी के सभी प्रवक्ता एवं पैनलिस्ट मौजूद थे।

मोरीगांव के पुलिस अधीक्षक निलंबित

मोरीगांव (हिंस)। असम पुलिस के अधिकारी तथा मोरीगांव जिला के पुलिस अधीक्षक (बॉर्डर) जयंत कुमार दास को निलंबित कर दिया गया है। उल्लेखनीय है कि पुलिस अधिकारी जयंत दास के विरुद्ध भ्रष्टाचार संबंधी आरोप लगे थे। आरोपों की जांच के दौरान प्रथम दृष्टया अधिकारी को दोषी पाते हुए जांच के निष्पक्षता बरकरार रखने के लिए उन्हें निलंबित कर दिया गया है। असम पुलिस मामले की जांच कर रही है। जांच की रिपोर्ट आने के बाद इस मामले में आगे की कार्रवाई की जाएगी।

सीआरपीएफ जवान ने की आत्महत्या

करीमगंज (हिंस)। करीमगंज के राताबारी में एक सीआरपीएफ के जवान द्वारा कथित आत्महत्या कर लिए जाने की सूचना है। जवान ने अपनी सर्विस राइफल से खुद को गोली मारकर आत्महत्या कर ली। यह घटना सोमवार रात राताबाड़ी स्थित चीनी मिल के सी/10 कैंप में हुई। आत्महत्या करने वाले जवान की पहचान एएसआई अजय कुमार सिंह के रूप में हुई है। शहादत के समय जवान की उम्र 53 साल की थी। मृतक जवान बिहार के लखीसराय जिले के इंदुपुर गांव का रहने वाला था। आत्महत्या के कारणों का अभी पता नहीं चल पाया है। इस सिलसिले में आगे की प्रक्रिया शुरू की गई है।

अज्ञात व्यक्ति का शव

गुवाहाटी। एक अज्ञात व्यक्ति का शव जीएमसीएच के मुरदा घर में है। वह व्यक्ति बीते 28 सीतंबर को साढ़े बारह बजे भर्ती हुआ था और उसकी मृत्यु बीते 30 सितंबर को साढ़े छह बजे सुबह हो गई, जिसकी उम्र लगभघ 47 वर्ष है। इसकी सूचना भंगागढ़ थाने को दे दी गई है। जिससे उससे संबंधित अभिभावक या संबंधी का पता चलने पर शव सौंपा जा सके।

चॉकलेट खाते ही चली गई महिला की जान

रिओ डी जेनेरिओ। अक्सर लोग अपना भविष्य जानने के लिए उत्सुक रहते हैं। कई बार भविष्य के बारे में जानना रोमांच से भर देता है। लेकिन कभी-कभी इसके विपरीत ये जानलेवा भी साबित हो सकता है। ऐसा ही भविष्यवाणी और मौत जुड़ा एक मामला ब्राजील में सामने आया है। यहां एक हाथ देखकर भविष्य बताने वाली बुजुर्ग महिला की भविष्यवाणी के बाद फर्नांडा वालोज (27) नामक महिला की मौत हो गई। बुजुर्ग महिला ने भविष्यवाणी करने के बाद फर्नांडा को एक चॉकलेट गिफ्ट दी थी जिसे खाने के बाद उसकी मौत हो गई। फर्नांडा वालोज पिंटो एक बच्चे की मां थी और 3 अगस्त को ब्राजील के मैसियो क्षेत्र में घूम रही थी। यह इलाका हाथ देखकर भविष्य बताने वालों की बड़ी संख्या में मौजूदगी के लिए जाना जाता है। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक घूमते हुए पिंटो एक बुजुर्ग महिला के पास आई और उसकी हथेली पढ़ने का अनुरोध किया। बुजुर्ग महिला ने हाथ पढ़ने के बाद पिंटो को कहा कि अगले कुछ दिनों में उसकी मृत्यु हो जाएगी और उपहार के रूप में पिंटो को एक चॉकलेट भी दी। फर्नांडा की कजन क्रिस्टीना ने मीडिया को बताया कि पिंटो ने बिना किसी शक के चॉकलेट खा ली क्योंकि चॉकलेट पूरी तरह से पैक थी, इसलिए उसे इस बात का अंदाजा नहीं था कि इसे खाने से खतरा हो सकता है। क्रिस्टीना के अनुसार चॉकलेट खाने के कुछ घंटों बाद पिंटो गंभीर रूप से बीमार पड़ गई उन्हें चक्कर आने लगे और उल्टियां भी लग गई। अपने परिवार को भेजे गए टेक्स्ट संदेशों में उसने अपनी बिगड़ती हालत का वर्णन करते हुए कहा कि मेरा दिल तेजी से धड़क रहा है। मैंने उल्टी कर दी है, लेकिन मेरे मुंह में बहुत कड़वा स्वाद है, मुझे धुंधला दिखाई दे रहा है और मैं बहुत कमजोर महसूस कर रही हूं। मैसेज में पिंटो ने आगे लिखा मेरा मरना लगभग तय है, मुझे नहीं पता ऐसा क्यों महसूस हो रहा है। शुरुआत में परिवार ने इस स्थिति के लिए उसकी पहले से मौजूद स्वास्थ्य समस्याओं को जिम्मेदार ठहराया, लेकिन शक तब हुआ जब पिंटो ने उस बुजुर्ग महिला के साथ अपनी मुलाकात के बारे में बताया। अपनी मृत्यु से पहले भेजे गए एक संदेश में पिंटो ने कहा कि मैंने सिटी सेंटर में पॉम रीडर द्वारा उपहार दी चॉकलेट खाई और उसके बाद मैं बीमार महसूस करने लगी। अस्पताल पहुंचते-पहुंचते पिंटो की नाक से खून बहने लगा और मुंह में झाग निकलने लगा और अगले दिन उनकी मौत हो गई। रिपोर्ट के अनुसार पोस्टमार्टम रिपोर्ट में पता चला कि चॉकलेट में काफी अधिक मात्रा में सल्फोटेप और टेरबुफोस मिलाया गया था, जो एक कीटनाशकों का प्रकार है। विशेष रूप से ये रसायन पिछले पांच वर्षों में मरने वाले व्यक्तियों में नहीं पाया गया। पुलिस अब इस बुजुर्ग महिला की तलाश कर रही है और पता लगाना चाहती है कि आखिर क्यों इस महिला ने पिंटो को जहर वाली चॉकलेट भेंट की।

पृष्ठ एक का शेष

अल्फा (स्वा.) ने लाचित...

प्रभावित थे, ने जानबूझकर संगठन के हथियारों और रेडियो को निष्क्रिय करने और नष्ट करने की साजिश रची। अल्फा (स्वा.) ने यह भी आरोप लगाया कि दोनों ने दुश्मन को संगठन द्वारा इस्तेमाल किए जाने वाले गुप्त मार्ग की जानकारी प्रदान की और नए सदस्यों को गुप्त मार्ग और अन्य सुविधाएं प्रदान करके भागने के लिए प्रोत्साहित किया। विज्ञप्ति में यह भी दावा किया गया कि पूछताछ के दौरान बर्णाली असम ने खुद असम पुलिस और सेना के साथ घनिष्ठ संबंध होने की बात स्वीकार की और 2023 में अपराध की सच्चाई साबित हुई इसलिए मौत की सजा जारी की गई। गौरतलब है कि, सलीम असम को विभिन्न दुष्कर्मों के लिए एक साल के कठोर कारावास की सजा सुनाए जाने के बाद देश के मुख्यालय में पदावनत कर दिया गया था, हालांकि, यूनाइटेड लिबरेशन फोर्सेज ऑफ असम (आई) की जनरल बेंच ने 20 सितंबर 2023 को उन्हें सजा सुनाई थी। बार-बार संगठन विरोधी गतिविधियों में शामिल होने पर मौत।

बाल विवाह के 800...

में पांच गिरफ्तार किए गए। हिरासत में लिए गए लोगों की पहचान महबूब इस्लाम, मोहिरुद्दीन, शरीफ अली, शाहजहां अली और मोफिजुल हक के रूप में हुई है। पुलिस ने कोकराझाड़ जिले में 24 लोगों को हिरासत में लिया है। रंगिया के तुलसीबाड़ी, हाटबजाली से भी पांच लोगों को गिरफ्तार किया गया। जबकि, बाइहाटा चारिआली से तीन, चांगसारी में एक और कमलपुर में एक व्यक्ति को हिरासत में लिया गया। इस प्रकार से राज्य के प्रत्येक जिले और तकरीबन प्रत्येक थाना छात्रों से बाल विवाह करने वालों की गिरफ्तारी हुई है। कल रात तथा आज सुबह गिरफ्तार किए गए लोगों को विभिन्न जिलों की अदालतों में पेश किया गया। जहां से उन्हें न्यायिक हिरासत में भेज दिया गया। पुलिस सूत्रों ने बताया कि यह कार्रवाई लगातार जारी रहेगी।

गौरव गोगोई का ...

वाहन को टक्कर मार दी और इसके बाद एक के बाद एक वाहन ने सामने वाले वाहन को टक्कर मार दी। इस घटना में करीब 10 लग्जरी वाहन क्षतिग्रस्त हो गए। दुर्घटना में महिलाओं सहित सात से अधिक कांग्रेस कार्यकर्ता घायल हो गए। सूचना पाकर मौके पर पुलिस पहुंची और दुर्घटनाग्रस्त वाहनों को बरामद किया। हालांकि, सांसद गौरव गोगोई की गाड़ी को कोई नुकसान नहीं पहुंचा है।

स्वदेशी मुसलमानों के ...

में सीएम हिमंत विश्व शर्मा ने अधिकारियों को निर्देश दिया है कि वह असम के स्वदेशी मुस्लिम सुमदायों (गोरिया, मोरिया, देशी, सैयद और जोल्हा) की आर्थिक और सामाजिक स्थिति को लेकर सर्वेक्षण करें। असम के मुख्यमंत्री कार्यालय का कहना है कि मूल्यांकन के निष्कर्ष के आधार पर राज्य सरकार स्वदेशी अल्पसंख्यकों के सामाजिक-आर्थिक और शैक्षिक उत्थान के लिए सरकारी योजनाएं बनाएगी। बता दें कि असम सरकार का यह कदम ऐसे समय सामने आया है, जब बिहार में जातीय सर्वे के नतीजे जारी हुए हैं और इसमें पता चला है कि राज्य की कुल आबादी में 63 प्रतिशत अन्य पिछड़ा वर्ग के लोग हैं। गौरतलब है कि रविवार को ही अपने एक बयान में कहा था कि भाजपा को चार के मियां लोगों का अगले 10 सालों तक वोट नहीं चाहिए। जब तक वह बाल विवाह जैसी कुप्रथाओं को बंद नहीं कर देते। बता दें कि चार के मियां लोगों से सीएम का मतलब बंगाली बोलने वाले मुस्लिम समुदाय से था। हालांकि हिमंत विश्व शर्मा ने ये भी कहा कि मियां लोग उनका और भाजपा का समर्थन करते हैं।

अरुणाचल सीमा पर...

तिब्बत स्वायत्त क्षेत्र के ल्हासा से 400 किलोमीटर पूर्व में स्थित निंगची में आयोजित होने वाली है। यह स्थान अरुणाचल प्रदेश के ऊपरी सियांग जिले के उत्तर में, और बहुत करीब स्थित है। पाकिस्तान की सरकारी समाचार एजेंसी ने सोमवार को विदेश कार्यालय के हवाले से बताया कि विदेश मंत्री चीन के विदेश मंत्री वांग यी के विशेष आमंत्रण पर यह यात्रा कर रहे हैं। खबर में कहा गया है कि ट्रांस-हिमालय फोरम की शुरुआत 2018 में भौगोलिक संपर्क, पर्यावरण संरक्षण, पारिस्थितिकी संरक्षण और सांस्कृतिक संबंधों को बढ़ाने सहित विभिन्न विषयों पर क्षेत्र के देशों के बीच व्यावहारिक सहयोग मजबूत करने के लिए की गई थी। अरुणाचल सीमा के करीब यह बैठक ऐसे समय में हो रही है जब चीन और भारत के बीच तनावपूर्ण संबंध हैं। दोनों देशों के बीच लद्दाख में वास्तविक नियंत्रण रेखा पर गतिरोध बना हुआ है। माना जा रहा है कि चीन इस बैठक में पाकिस्तान के साथ मिलकर भारत विरोधी साजिश बना सकता है। भारत के विदेश मंत्री एस जयशंकर ने अपने हालिया सार्वजनिक बयानों में कहा है कि जून 2020 में गलवान घाटी में झड़प के बाद से भारत-चीन संबंध *असामान्य* रहे हैं, जिसमें 20 भारतीय सैनिकों की जान चली गई थी। फोरम के सदस्य देशों के प्रतिनिधियों की उपस्थिति में आखिरी बैठक 2019 में चीन में कोविड-19 महामारी फैलने और दुनिया भर में लॉकडाउन लगने से पहले आयोजित की गई थी। इस वर्ष फोरम का विषय *पारिस्थितिक सभ्यता और पर्यावरण संरक्षण* है। पाकिस्तान के विदेश कार्यालय ने एक बयान में कहा कि विदेश मंत्री जिलानी ट्रांस-हिमालय फोरम के उद्घाटन समारोह को संबोधित करेंगे। इस मौके पर वह मंगोलिया के उप प्रधानमंत्री, चीन के विदेश मंत्री और अफगानिस्तान के अंतरिम विदेश मंत्री सहित क्षेत्र के कई गणमान्य व्यक्तियों से मुलाकात करेंगे।

डिब्रूगढ़ जेल में ...

वकील से मिलने की पूरी परमिशन है। अमृतपाल पहले एडवोकेट नवकिरन सिंह से मिल चुके हैं। अब वह राजदेव सिंह खालसा से मिलने की परमिशन मांग रहे हैं। जबकि पहले ही नवकिरन सिंह को परमिशन दी जा चुकी है। नए वकील से मिलने को लेकर पूरा मामला होम सेक्रेटरी को भेजा गया है। उनसे इस बारे में गाइडेंस और क्लेरिफिकेशन मांगा गया है। खालिस्तान समर्थक अमृतपाल सिंह और उसके साथियों का डिब्रूगढ़ जेल में यह दूसरी हड़ताल है। कुछ महीने पूर्व उसने जेल में भूख हड़ताल की थी। तब उसका आरोप था कि जानबूझ कर उन्हें खाने में तंबाकू मिलाकर दिया जा रहा है। उसके बाद उनकी सारी मांगें मान ली गई थीं। वारिस पंजाब दे का प्रमुख अमृतपाल सिंह को पंजाब पुलिस ने 36 दिन की फरारी के बाद 23 अप्रैल को मोगा जिले में रोडे गांव के गुरुद्वारे से अरेस्ट किया था। इन 36 दिनों में अमृतपाल सिंह कभी नेपाल बॉर्डर, कभी उत्तराखंड और कभी होशियारपुर के गांवों में दिखाई देता रहा। उसकी फरारी में मदद करने वाले कई लोगों को भी पुलिस ने पकड़ा था। 23 अप्रैल को पंजाब पुलिस उसे बठिंडा के एयरफोर्स स्टेशन ले गई थी और वहां से उसे असम ले जाया गया। तब से लेकर अमृतपाल सिंह 9 साथियों के साथ डिब्रूगढ़ जेल में ही बंद है।

संभाजीनगर : एक ...

अक्तूबर के बीच सात लोगों की जान गई थी। इससे मरने वालों की कुल संख्या 31 हो गई है। एक वरिष्ठ डॉक्टर के मुताबिक, 24 बिस्तरों की क्षमता के बावजूद 65 मरीजों का इलाज चल रहा था। 30 सितंबर से 1 अक्तूबर के बीच एनआईसीयू में 11 शिशुओं की मौत हो गई। राज्य स्वास्थ्य विभाग के अधिकारियों ने कहा था कि 30 सितंबर से 1 अक्तूबर के बीच 24 घंटों में नांदेड़ के डॉ. शंकरराव चव्हाण सरकारी मेडिकल कॉलेज और अस्पताल में 12 शिशुओं सहित 24 मौतें हुईं। बाल चिकित्सा गहन चिकित्सा इकाई (पीआईसीयू) में एक और शिशु की मौत हो गई। अस्पताल के चिकित्सा अधीक्षक ने बताया कि छत्रपति संभाजीनगर के सरकारी अस्पताल में दो अक्तूबर को सुबह आठ बजे से तीन अक्तूबर को सुबह आठ बजे तक 18 मौतें हुई हैं। उन्होंने कहा कि अस्पताल में पहले से ही चार मरे हुए लोगों को लाया गया था। उन्होंने कहा कि 18 में से दो मरीजों की दिल का दौरा पड़ने से मौत हुई। वहीं, दो की निमोनिया के चलते मौत हुई। इसके अलावा तीन मरीजों के गुर्दों ने काम करना बंद कर दिया था। वहीं शेष मरीजों की सड़क दुर्घटना, जहर खाने या अन्य वजहों से जान गई। उन्होंने बताया कि अस्पताल में दो और तीन अक्तूबर के बीच, समय से पहले जन्मे दो बच्चों की मौत हो गई थी। इन दोनों का वजन केवल 1,300 ग्राम था। अस्पाल के अधिकारी ने कहा कि दवाओं की कमी नहीं है। उन्होंने कहा कि हम यह पता लगा रहे हैं कि 18 मौतों में से अंतिम समय में अस्पताल में रेफर किए गए कौन से मामले हैं। उन्होंने कहा कि अस्पताल में महज 1,177 बिस्तर हैं, लेकिन भर्ती मरीजों के संख्या हमेशा ही 16 सौ अधिक रहती है। उन्होंने कहा कि यह एक तृतीयक देखभाल यूनिट है, इसलिए पिछले महीने यहां करीब 28 हजार मरीज भर्ती हुए थे। इनमें से 419 मौतें सितंबर में दर्ज की गई थीं। बता दें, मराठवाड़ा क्षेत्र के विभिन्न जिलों और उत्तरी महाराष्ट्र के शहरों से मरीज यहां इलाज कराने के लिए आते हैं।

नेपाल में चार बार ...

से ही नेपाल में खासा नुकसान की खबरें सामने आने लगी है। नेपाल के बझांग जिले की कुछ इमारतों में बड़ी-बड़ी दरारें देखी गई। राष्ट्रीय भूकंप विज्ञान केंद्र के मुताबिक, मंगलवार दोपहर को नेपाल के पश्चिमी इलाकों में चार लगातार भूकंप के झटके महसूस किए गए। एनसीएस के एक अधिकारी ने कहा कि 4.6 तीव्रता का पहला भूकंप दोपहर 2:25 बजे पश्चिम नेपाल में 10 किलोमीटर की गहराई पर आया। दोपहर 2:51 बजे 6.2 तीव्रता का दूसरा झटका महसूस किया गया। तीसरा भूकंप का झटका दोपहर 3:06 बजे और चौथा दोपहर 3:19 बजे महसूस किया गया। 2015 के अप्रैल माह में नेपाल 7.8 तीव्रता का विनाशकारी भूकंप झेल चुका है। जिसमें नौ हजार से अधिक लोगों की मौत हो गई थी। तकरीबन आठ लाख से अधिक घरों और स्कूलों को खासा नुकसान पहुंचा था। गौरतलब है कि नेपाल की भौगोलिक स्थिति दुनिया के सबसे सक्रिय टेक्टोनिक इलाकों में है, यह भूकंप की दृष्टि से एक अतिसंवेदनशील क्षेत्र है।

गुजरात : स्कूल में ...

में 29 सितंबर को आयोजित कार्यक्रम की जांच का आदेश दिया है। स्कूल ने माफी मांगते हुए कहा कि उक्त कार्यक्रम आयोजित करने का मकसद विभिन्न धर्मों की प्रथाओं से छात्रों को अवगत कराना था और किसी छात्र से नमाज अदा करने के लिए जबरदस्ती नहीं की गई। कार्यक्रम का एक वीडियो स्कूल के फेसबुक पेज पर डाला गया था, जिसमें प्राथमिक कक्षा के एक छात्र को नमाज पढ़ते हुए देखा जा सकता है। इसके बाद चार अन्य छात्र भी उसके साथ *लब पे आती है दुआ* गाते हैं। इस वीडियो को बाद में स्कूल के फेसबुक पेज से हटा लिया गया। अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद, बजरंग दल और अन्य दक्षिणपंथी संगठनों ने विद्यालय के परिसर में विरोध प्रदर्शन किया। प्राथमिक, माध्यमिक और वयस्क शिक्षा राज्य मंत्री प्रफुल्ल पनशेरिया ने कहा कि ऐसा प्रतीत होता है कि स्कूलों में ऐसे कार्यक्रम आयोजित करके कुछ लोग राज्य का शांतिपूर्ण माहौल खराब करना चाहते हैं। कार्यक्रम में हिस्सा लेने वाले छात्रों को यह सही से पता तक नहीं था कि वे क्या कर रहे हैं। यह कतई स्वीकार्य नहीं हैं। मंत्री ने कहा कि हम इस तरह के कार्यक्रम के आयोजन के पीछे की मानसिकता और मंशा का पता लगाने के लिए जांच करेंगे और फिर उचित कार्रवाई की जाएगी। हम उन लोगों को नहीं छोड़ेंगे जिन्होंने कुछ भी गलत किया है। अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद (एबीवीपी) के मीडिया समन्वयक मीत भावसार ने कहा कि हमें एक वीडियो मिला जिसमें दिख रहा था कि इस स्कूल के हिंदू छात्रों को एक गतिविधि के दौरान नमाज पढ़ने के लिए मजबूर किया गया। हमारे विरोध-प्रदर्शन के बाद, स्कूल प्रबंधन ने माफी मांगी है और यह आश्वासन भी दिया है कि भविष्य में ऐसी गतिविधियां नहीं होंगी। यहां केवल हिंदू छात्र ही प्रवेश लेते हैं। कार्यक्रम के वीडियो में वाद्य यंत्र बजाते हुए दिख रहे एक शिक्षक को मंगलवार को विरोध प्रदर्शन के दौरान कार्यकर्ताओं और गुस्साए अभिभावकों ने पीट दिया। इस संबंध में अभी प्राथमिकी दर्ज नहीं की गई है। स्कूल प्रबंधन ने लिखित माफी मांगते हुए कहा कि वे अगली बार सावधानी बरतेंगे। स्कूल की प्रिंसिपल निराली दगली ने कहा कि त्योहारों से पहले छात्रों को विभिन्न धर्मों और धार्मिक प्रथाओं के बारे में बताना स्कूल की परंपरा है। उन्होंने पत्रकारों से कहा कि ईद के मद्देनजर, हमने दूसरी कक्षा के छात्रों को त्योहार के बारे में जानकारी देने के लिए इस कार्यक्रम का आयोजन किया था। हम संवत्सरी और गणेश चतुर्थी समेत सभी धर्मों के त्योहारों से पहले ऐसी गतिविधियां करते हैं। किसी भी छात्र को नमाज पढ़ने के लिए मजबूर नहीं किया गया था। उन्होंने कहा कि यह सिर्फ दो मिनट की गतिविधि थी और इसमें भाग लेने वाले छात्रों ने अपने माता-पिता से सहमति ली थी।

भौतिक विज्ञान में ...

पहले चिकित्सा के क्षेत्र में कैटालिन कारिको और ड्रयू वीसमैन को 2023 का नोबेल पुरस्कार मिला है। दोनों वैज्ञानिकों को ये पुरस्कार कोविड-19 के खिलाफ उनकी खोज के लिए दिया गया है। रॉयल स्वीडिश एकेडमी ऑफ साइंसेज के महासचिव हंस एलेग्रेन ने मंगलवार को स्टॉकहोम में पुरस्कार की घोषणा की। नोबेल पुरस्कार में 11 मिलियन स्वीडिश क्रोनर (1 मिलियन डॉलर) का नकद पुरस्कार दिया जाता है। यह धनराशि पुरस्कार के निर्माता, स्वीडिश आविष्कारक अल्फ्रेड नोबेल द्वारा छोड़ी गई वसीयत से दी जाती है। अल्फ्रेड नोबेल की मृत्यु साल 1896 में हो गई थी। वहीं, पिछले साल तीन वैज्ञानिकों ने संयुक्त रूप से नोबेल पुरस्कार जीता था, जिसमें उन्होंने यह साबित किया था कि छोटे कण अलग होने पर भी एक दूसरे के साथ संबंध बनाए रख सकते हैं। बता दें कि बुधवार को रसायन विज्ञान (कैमेस्ट्रि) और गुरुवार को साहित्य (लिटरेचर) के लिए नोबेल पुरस्कार की घोषणा की जाएगी। वहीं, नोबेल के लिए शांति पुरस्कार की घोषणा शुक्रवार और अर्थशास्त्र (इकॉनोमिक्स) पुरस्कार की घोषणा 9 अक्तूबर को की जाएगी।

चीन सीमा पर बनेंगी...

को आईटीबीपी की सीमा चौकियों (बीओपी) के साथ बनाया जाएगा, जिसमें 4-5 खुफिया अधिकारी नवीनतम निगरानी उपकरण के साथ तैनात होंगे। वे किसी भी असामान्य गतिविधि के संबंध में सरकार को रिपोर्ट सौंपेंगे। मौजूदा समय में लद्दाख से अरुणाचल प्रदेश तक भारत-चीन सीमा पर आईटीबीपी की 180 से अधिक बीओपी हैं। सरकार ने इस साल की शुरुआत में एलएसी पर 47 अतिरिक्त सीमा चौकियों और सीमा सुरक्षा बल के 12 स्टेजिंग शिविरों को भी मंजूरी दी थी, जिन्हें *हिमवीर* भी कहा जाता है। इसके लिए 9,400 कर्मियों को पहले ही मंजूरी दी जा चुकी है।

भारत और बांग्लादेश ...

को रेखांकित करता है। बांग्लादेश की टुकड़ी में 170 जवान हैं, जिनका नेतृत्व 52 बांग्लादेश इन्फेंट्री ब्रिगेड के कमांडर ब्रिगेडियर जनरल मोहम्मद मफिजुल इस्लाम राशेद कर रहे हैं। बांग्लादेश सेना की ओर से प्रमुख इकाई 27 बांग्लादेश इन्फेंट्री रेजिमेंट है। भारतीय दल में मुख्य रूप से राजपूत रेजिमेंट की एक बटालियन के सैनिक शामिल हैं। माउंटेन ब्रिगेड के कमांडर ब्रिगेडियर एसके आनंद भारतीय दल का नेतृत्व कर रहे हैं। इस अभ्यास में दोनों पक्षों की विभिन्न इकाइयों जैसे तोपखाने, इंजीनियरों और अन्य सहायक हथियारों और सेवाओं के कर्मी भी भाग लेंगे। यह अभ्यास एक कमांड पोस्ट एक्सरसाइज (सीपीएक्स) और एक फील्ड ट्रेनिंग एक्सरसाइज (एफटीएक्स) के साथ खत्म होगा। सीपीएक्स में प्रत्येक दल से 20 अधिकारी भाग लेंगे और गहन विचार-विमर्श के बाद निर्णय लेने पर ध्यान केंद्रित करेंगे। इसके बाद एफटीएक्स होगा, जिसमें जमीनी स्तर के संचालन को मान्य किया जाएगा। एफटीएक्स में आतंकवाद विरोधी अभियानों के लिए संयुक्त सामरिक अभ्यासों की एक श्रृंखला शामिल होगी जैसे बंधकों को छुड़ाना, भीड़ नियंत्रण उपाय और आतंकवाद विरोधी अभियानों में हेलीकॉप्टरों का उपयोग। सत्यापन अभ्यास 14 और 15 अक्तूबर को दारांग फील्ड फायरिंग रेंज, असम में होगा। अभ्यास के दौरान प्रतिभागियों को *आत्मनिर्भर भारत* की ताकत भी देखने को मिलेगी।

स्वस्तिका तपस्या ...

चंद दिनों बाद ही कर दी गई थी। इसकी 75वीं वर्षगांठ को आजादी के अमृत महोत्सव से जोड़ते हुए भागवत ने कहा कि एक तरफ देश जहां आजादी का अमृत महोत्सव मना रहा है, वहीं स्वस्तिक का भी अमृत महोत्सव है। इसे 75 सालों से निरंतर तपस्या के साथ चलाया जा रहा है जो फलीभूत हो रहा है और आगे भी यह तपस्या होती रहनी चाहिए। मोहन भागवत ने कहा कि देश की स्वतंत्रता के लिए लड़ने वालों ने स्वतंत्रता की पूर्णता के बारे में सोचा था। अब उसी पर काम हो रहा है। उन्होंने जी-20 की अपार सफलता को लेकर भी खुशी जाहिर करते हुए कहा कि भारत ने जी-20 के मंच से अपनी सनातन परंपरा वसुंधरा कुटुंबकम का मंत्र पूरी दुनिया को दिया है। उन्होंने कहा कि हम सारे लोग सांस्कृतिक परंपराओं के दास हैं। भारतीय परंपराओं पर संकट लंबे समय तक चला है। हमेशा से जब-जब धर्म की स्थापना की जरूरत पड़ी है तो ईश्वर ने अपने अवतार के लिए भारत भूमि को ही चुना। दुनिया ने दो हजार सालों से भारत के रास्ते को चुना लेकिन हम अपने ही देश में मनीषियों के दिखाए रास्ते पर नहीं चल पा रहे हैं। उन्होंने कहा कि देश के हर तबके तक भारतीय मनीषियों के दिखाएं रास्ते को पहुंचाने के लिए हम काम करते रहेंगे।

तापमान
अधिकतम 32°
न्यूनतम 25°

बुधवार, 4 अक्तूबर, 2023

बाल विवाह के खिलाफ विभिन्न हिस्सों में छापेमारी शुरू

कोकराझाड़ से 24, नगरबेड़ा से 20 पति समेत माता-पिता, करीमगंज से 25 और रंगिया से पांच लोग पुलिस हिरासत में

कोकराझाड़/मोरिगांव/नगरबेड़ा/रंगिया (हिंस/विभास)। असम सरकार ने राज्य में बाल विवाह की प्रथा को समाप्त करने के संकल्प के साथ बाल विवाह करने वालों के खिलाब बड़ा कदम उठाया है। मुख्यमंत्री डॉ. हिमंत विश्व शर्मा नेतृत्वाधीन सरकार के निर्देश पर बीती रात से असम पुलिस राज्य के विभिन्न जिलों में बाल विवाह के विरुद्ध लगातार अभियान शुरू किया हुआ है। पुलिस सूत्रों ने आज बताया है कि कोकराझाड़ जिले में कुल 24 लोगों को बाल विवाह के आरोप में हिरासत में लिया गया है। जिसमें से कोकराझाड़ थाने में 4, फकीराग्राम थाने में 3, गोसाईगांव थाने में 8, सरफानगुड़ी थाने में 2, कचुगांव थाने में 2 और बगरीबारी थाना क्षेत्र से 2 लोगों को हिरासत में लिया गया है। ज्ञात हो कि गत 2 फरवरी को कोकराझाड़ में पुलिस ने अभियान चलाते हुए बाल विवाह के आरोप में 96 लोगों को हिरासत में लिया था। पुलिस ने एक बार फिर से अभियान शुरू किया है। **नगरबेड़ा (विभास)।** राज्य के मुख्यमंत्री डॉ. हिमंत विश्व शर्मा के निर्देशों के बाद असम पुलिस ने एक बार फिर राज्य में बाल विवाह के खिलाफ कदम उठाया है। राज्य के विभिन्न हिस्सों के साथ-साथ कामरूप जिले के बोको निर्वाचन क्षेत्र के नगरबेरा पुलिस स्टेशन के तहत आने वाले नाइटर, चेनीमारा (शांतिपुर) भखुरदिया (मोहिष्खुटी) गांव में पुलिस ने बाल विवाह के खिलाफ अभियान चलाया और बाल विवाह में शामिल तीन अवैध पतियों, एक अभिभावक और एक मुंशी और जोनाब को पकड़ने में कामयाबी हासिल की। हिरासत में लिए गए लोगों की पहचान गांव निवासी महबुल इस्लाम पुत्र मोहिरउद्दीन, मुस्लिम उद्दीन के पुत्र मोहिरउद्दीन, शरीफ अली मुंशी पुत्र मुजफ्फर अली, स्वाहजहां अली पुत्र राशिद अली निवासी चेनीमारा (शांतिपुर) और मोफिजुल हक पुत्र अबू तालेब अहमद निवासी भखुरड़िया (मोहिशखुटी) गांव के रूप में हुई है। इस बीच, बरपेटा जिले के बाघबर निर्वाचन क्षेत्र के आलोपति चर पुलिस स्टेशन के तहत आने वाले थाना नंबर 1, बाघमारा, नंबर 3, आलोपति (मंडलपाड़ा) के खिलाफ पुलिस ने अभियान चलाया। पुलिस ने बाल विवाह के खिलाफ अभियान चलाकर बाल विवाह के आरोप में बहार उद्दीन मंडल, फरीजुल हक, ऐनुद्दीन शेख, रहमान अली, मोननाफ अली को गिरफ्तार कर लिया। चेंगा के काछुमारा थाने में हिरासत में लिए गए लोगों की पहचान शरीफ इस्लाम, सनीदुल, रशीदुल इस्लाम, सुरूज जमाल, महिबुर रहमान, अजीजुल हक, रबियाल हक, स्वा जमाल हक रज्जाक अली और जबान अली के रूप में हुई है। **करीगंज (हिंस)।** राज्य में बाल विवाह के खिलाफ पुलिस की कार्रवाई एक बार फिर जोरदार तरीके से शुरू हो गई है। इस सिलसिले में आज से राज्य भर में गिरफ्तारियां शुरू हो गई है। असम पुलिस द्वारा आज दी गई आधिकारिक जानकारी के अनुसार राज्य के करीमगंज जिले में बाल विवाह के आरोप में 49 लोगों को गिरफ्तार किया गया है। गिरफ्तार आरोपितों के विरुद्ध आवश्यक कानूनी कार्रवाई शुरू की गई है। उल्लेखनीय है कि मुख्यमंत्री डॉ. हिमंत विश्व शर्मा ने कहा था कि अक्तूबर माह से फिर बाल विवाह करने वालों की गिरफ्तारी शुरू हो जाएगी। वैसा ही हुआ है। गांधी जयंती समाप्त होने के बाद आज से राज्य भर में यह कार्रवाई शुरू हो गई है। ज्ञात हो कि पिछले महीनों में राज्य में बड़े पैमाने पर बाल विवाह करने वालों को गिरफ्तार किया जा चुका है। बीच में कुछ समय के लिए अभियान को रोक दिया गया था, जिसे फिर से शुरू किया गया है। **रंगिया (विभास)।** असम में बाल विवाह के खिलाफ राज्य सरकार लगातार सख्त कार्रवाई कर रही है। इसी कड़ी में रंगिया पुलिस द्वारा सोमवार को दो अलग-अलग अभियान में पांच लोगों को गिरफ्तार किया गया है। रंगिया पुलिस ने तुलसीबारी और बरहमपुर हाट बजाली में यह अभियान चलाया और तुलसीबारी से अमजद अली, हामिद अली और फजलुद्दीन अली को गिरफ्तार करने के अलावा बरहमपुर हाट बजाली से जियारूल रहमान और कादिर अली को बाल विवाह के आरोप में गिरफ्तार किया गया है। प्राप्त जानकारी के अनुसार मंगलवार को रंगिया पुलिस द्वारा उन्हें अदालत में पेश किया गया।

रिश्वत लेते रंगे हाथों गिरफ्तार पुलिस सब-इंस्पेक्टर

हैलाकंदी (हिंस)। सतर्कता और भ्रष्टाचार निरोधक निदेशालय की एक टीम ने आज एक पुलिस सब इंस्पेक्टर को रिश्वत लेते हुए रंगे हाथों गिरफ्तार कर लिया। आधिकारिक सूत्रों ने आज बताया कि निदेशालय में एक शिकायत प्राप्त हुई थी, जिसमें आरोप लगाया गया था कि हैलाकांदी जिले के लाला थानान्तर्गत अब्दुल्लापुर पुलिस गश्ती चौकी के सहायक पुलिस उप निरीक्षक (यूबी) हितुश नाथ ने दो पक्षों के बीच विवाद को सौहार्दपूर्ण ढंग से सुलझाने के लिए शिकायतकर्ता से रिश्वत के रूप में 30 हजार रुपए मांगे थे। बाद में, मांगी गई रिश्वत को घटाकर 20 हजार रुपए कर दिया गया। रिश्वत देने के लिए तैयार नहीं, शिकायतकर्ता ने उपर्युक्त लोक सेवक के खिलाफ आवश्यक कानूनी कार्रवाई करने के लिए निदेशालय से संपर्क किया। शिकायत के अनुसार आज, सतर्कता और भ्रष्टाचार निरोधक, असम के एक दल द्वारा अब्दुल्लापुर पुलिस गश्ती चौकी में एक जाल बिछाया गया। एएसआई हितुश नाथ को स्वतंत्र गवाहों की उपस्थिति में दोपहर 2.45 बजे शिकायतकर्ता से मांगी गई रिश्वत के हिस्से के रूप में 10 हजार रुपए स्वीकार करने के तुरंत बाद रंगे हाथों पकड़ लिया गया। रिश्वत की दागी राशि उसके कब्जे से बरामद कर ली गई है और स्वतंत्र गवाहों की उपस्थिति में उसे जब्त कर लिया गया। उपरोक्त लोक सेवक के खिलाफ पर्याप्त सबूत पाते हुए, उसे सतर्कता और भ्रष्टाचार निरोधक निदेशालय की टीम द्वारा गिरफ्तार कर लिया गया। इस संबंध में एसीबी पुलिस थाने में एसीबी पीएस केस नंबर 75/2023 के संबद्ध भ्रष्टाचार निवारण अधिनियम, 1988 (2018 में संशोधित) की धारा 7 (ए) के तहत मामला दर्ज किया गया है। आवश्यक कानूनी कार्रवाई चल रही है।

बिलासीपाड़ा में मेगा ब्लड डोनेशन कैंप का आयोजन

कोकराझाड़ (विभास)। अखिल भारतीय तेरापंथ युवक परिषद के तत्वावधान में संपूर्ण भारत में मेगा ब्लड डोनेशन कैंप का आयोजन किया गया। इसी कड़ी में स्थानीय तेरापंथ भवन में तेरापंथ युवक परिषद बिलासीपाड़ा शाखा एवं मारवाड़ी युवा मंच ने संयुक्त रूप से ब्लड डोनेशन कैंप का आयोजन किया। जिसका शुभारंभ तेरापंथ सभा के मंत्री श्री नरेंद्र सेठिया द्वारा किया गया। रक्तदान शिविर का सफल संचालन धुबड़ी सिविल अस्पताल की टीम ने किया। सर्वप्रथम धुबड़ी सिविल अस्पताल की टीम का फुलाम गामोछा द्वारा अभिनंदन किया गया। इस शिविर में कुल 49 यूनिट रक्त संग्रह किया गया। जिसमें समाज के सभी वर्गों का सहयोग सराहनीय रहा एवं मानवता के इस नेक कार्य में महिलाओं ने भी बढ़-चढ़कर हिस्सा लिया। कार्यक्रम के अंत में तेरापंथ युवक परिषद के अध्यक्ष राकेश कोचर, सचिव पंकज कोचर एवं मारवाड़ी युवा मंच के अध्यक्ष विजय लुनावत ने सभी सहयोग कर्ताओं को धन्यवाद ज्ञापित किया।

नगरबेड़ा के जमलाई में महिला रहस्यमय तरीके से लापता

नगरबेड़ा (विभास)। कामरूप जिले के बोको विधानसभा क्षेत्र के नगरबेड़ा थाना अंतर्गत जमलाई गांव की एक महिला के रहस्यमय तरीके से लापता होने से इलाके में हड़कंप मच गया है। पता चला है कि संबंधित थाना क्षेत्र के जमलाई गांव के इकबाल हुसैन की पत्नी और एक बच्चे की मां कलमजान नेसा 28 सितंबर को जमलाई के चेनीमारा स्थित अपनी मां के घर जाने की बात कहकर घर से निकली थी। चूंकि महिला का पति भूटान में काम के सिलसिले में है। इसलिए पति के परिवार के सदस्य उसे विभिन्न स्थानों पर खोजने के बाद भी नहीं मिले और आखिरकार आज स्थानीय नगरबेड़ा पुलिस स्टेशन में लापता होने के संबंध में मामला संख्या एम, एम, आर 16/23 दर्ज किया। परिजनों ने विनम्रतापूर्वक अनुरोध किया है कि किसी भी प्रकार के व्यक्ति को कुछ भी मिलने पर 6000504085, 9365603545, 7080486453 के फोन नंबर पर कॉल कर सूचित करें।

होजाई पुलिस ने स्थानीय लोगों की मदद से तीन ड्रग्स तस्कर को पकड़ा

होजाइ (होसं)। होजाई शहर में युवा के बीच ड्रग्स बेचने वाले गिरोह का आए दिन खबरे चर्चा में बनी हुई है। इसी कड़ी में कल शाम होजाई शहर के मस्जिद रोड पांचाली से तीन ड्रग्स तस्कर को स्थानीय लोगों ने धर दबोचा। साथ ही तत्काल इसकी सुचना होजाई पुलिस थाने में सुचना दि गई। मौके पर पहुंची पुलिस की टीम ने तीनों ड्रग्स तस्करों अपने कब्जे में लेकर थाने ले आई। बाद में तीनों तस्करों को जेल भेज दिया। इन तीनो ड्रग्स तस्करों के पास से ड्रग्स के साथ ड्रग्स सीरिंज और अन्य आपत्तिजनक सामग्रियां बरामद किए गए। सूत्रों से मिली जानकारी के अनुसार ये तीनों लंबे समय से ड्रग्स तस्करों के कारोबार में लिप्त होने का आरोप है। इन तनों की पहचान गुरु नामक युवक होजाई एक नंबर रेलवे गेट इलाके का रहने वाला है। दूसरा कृष्णनगर इलाके के निवासी देबाशीष दे और तीसरा होजाई के कृष्णनगर इलाके के चिरजुद्दीन के रूप में पहचान की गई।

अणुव्रत उद्बोधन दिवस का दूसरा दिवस अहिंसा दिवस के रूप में मनाया गया

बरपेटारोड। अनुव्रत उद्बोधन सप्ताह के अंतर्गत द्वितीय दिवस अहिंसा दिवस के अवसर पर अणुव्रत समिति बरपेटा रोड के द्वारा बरपेटा रोड के सेंट जोसेफ स्कूल में मनाया गया। राष्ट्रपिता महात्मा गांधी के जन्म जयंती के अवसर पर आयोजित इस कार्यक्रम में लगभग 200 छात्र-छात्राओं व 15 शिक्षकों ने भाग लिया। मंत्री अनिल बैंगानी ने गांधी को अहिंसा का पुजारी बताया। उन्होंने कहा कि सत्य की प्राप्ति अहिंसा से ही हो सकती है। अनिल बैंगानी द्वारा सभी छात्र-छात्राओं को अहिंसा के नियमों का संकल्प कराया गया। शिक्षकों से भी अणुव्रत संकल्प पत्र भरवाए गए। सभी ने अणुव्रत के कार्यों को बहुत सराहा। अंत में स्कूल के प्रधानाध्यापक द्वारा आभार ज्ञापन के साथ कार्यक्रम का समापन किया गया।

राज्य के 35, 770 छात्रों को स्कूटी देगी असम सरकार

गुवाहाटी (हिंस)। राज्य सरकार एचएसएसएलसी परीक्षा 2023 के मेधावी 30 हजार 203 छात्राओं और 5 हजार 567 छात्रों को स्कूटी वितरित करेगी। सरकार 35 हजार 770 छात्र-छात्राओं को स्कूटी वितरित करने पर 269 करोड़ रुपए खर्च करेगी। दरअसल, असम सरकार ने पिछले वर्ष कैबिनेट की बैठक में एचएसएसएलसी परीक्षा 2023 में प्रथम श्रेणी प्राप्त करने वाली छात्राओं और 75 प्रतिशत या उससे अधिक अंक प्राप्त करने वाले छात्रों को प्रज्ञान भारती योजना के तहत डॉ. बाणीकांत काकोती मेरिट अवार्ड के रूप में स्कूटी वितरित करने का निर्णय लिया गया है। असम सरकार लड़कियों को शिक्षा को बढ़ावा देने और छात्रों में प्रतिस्पर्धा बढ़ाने के उद्देश्य से एचएसएसएलसी परीक्षा 2023 में प्रथम श्रेणी हासिल करने वाले छात्रों को स्कूटर वितरित करेगी।

रंगिया : नगर राजभाषा कार्यान्वयन समिति की बैठक व पुरस्कार वितरण समारोह आयोजित

रंगिया (विभास)। रंगिया नगर राजभाषा कार्यान्वयन समिति की बैठक मंडल रेल प्रबंधक नीरज गुप्ता की अध्यक्षता में मंगलवार को आयोजित की गई। मंडल कार्यालय, रंगिया के सभाकक्ष में आयोजित इस बैठक में सदस्य कार्यालयों से आए अधिकारीगण, समिति के उपाध्यक्ष आर. एस. बडोले, रंगिया के अपर मुख्य राजभाषा अधिकारी गणेश प्रसाद, सदस्य सचिव एवं राजभाषा अधिकारी तथा रंगिया मंडल के शाखा अधिकारियों के बीच, वृहत्तर रंगिया क्षेत्र में राजभाषा हिंदी की वर्तमान स्थिति एवं इसके प्रयोग-प्रसार बढ़ाने के उपायों पर विस्तार से चर्चा की गई। इस अवसर पर मंडल रेल प्रबंधक तथा अपरमुराधि. एवं रंगिया के अपर मंडल रेल प्रबंधक के कर कमलों से मंडल की हिंदी पत्रिका रंगिया दर्पण का विमोचन भी किया गया और राजभाषा पखवाड़ा 2023 के दौरान आयोजित अधिकारियों एवं कर्मचारियों के लिए आयोजित विभिन्न प्रतियोगिताओं में विजयी प्रतिभागियों को पुरस्कार एवं प्रमाणपत्र प्रदान किया गया।

शिशु निकेतन एचएस स्कूल में मनाई गई गांधी व शास्त्री जयंती

गुवाहाटी (विभास)। नारायण नगर स्थित शिशु निकेतन हायर सेकेंडरी स्कूल परिसर में आज गांधी जयंती व लाल बहादुर शास्त्री की जयंती मनाई गई। इस अवसर पर शिक्षकों द्वारा इन विभूतियों की शिक्षाओं पर प्रकाश डालते हुए भाषण दिए गए। कार्यक्रम का शुभारंभ दीप प्रज्ज्वलन के साथ किया गया। तत्पश्चात स्कूल की वाइस प्रिंसिपल श्रीमती सरवरी दास द्वारा शपथ पाठ पढ़ा गया। इस अवसर पर विद्यार्थियों एवं शिक्षकों द्वारा गीत भी प्रस्तुत किए गए। स्कूल परिसर के अंदर और बाहर सफाई अभियान भी चलाया गया। 1 अक्तूबर को विद्यालय के छात्र-छात्राओं एवं शिक्षकों द्वारा भूतनाथ बाजार में स्वच्छता ही सेवा कार्यक्रम के तहत अभियान चलाया गया।

आचुत्य रेसीडेंसी, नगांव में श्री श्याम बाबा के दरबार में भजन कार्यक्रम का आयोजन

नगांव (निसं)। शहर के हैबरगांव धिंग रोड स्थित आचुत्य रेसीडेंसी में रविवार को कॉलोनी के निवासियो ने मिलकर खाटू नरेश श्री श्याम बाबा का दरबार सजाया। श्री श्याम बाबा के साथ में श्री गणेश जी व श्री हनुमान जी की फोटो दरबार में लगाई गई और उक्त दरबार का फुलों से मनमोहक श्रृंगार किया गया। विशेष पूजा अर्चना के बाद श्री श्याम बाबा की ज्योति प्रज्ज्वलित की गई और आने वाले भक्तों ने ज्योति में आहूति प्रदान कर श्रद्धा की हाजरी लगाई। भजन कार्यक्रम के लिए बगाईगांव से आमंत्रित उदीयमान भजन गायक नवीन अग्रवाल ने एक से बढ़कर एक भजन प्रस्तुत कर माहौल को भक्तिमय बना दिया। श्री अग्रवाल ने श्री श्याम बाबा के अलावा अन्य देवी देवताओ के भजन प्रस्तुत कर समां बांधे रखी। आमंत्रित कलाकार का फुलाम गोमछा से आयोजन समिति की ओर से देवदत्त झुनझुनवाला ने स्वागत किया। अभिनंदन कार्यक्रम का संचालन पत्रकार अजित माहेश्वरी ने किया। चार घण्टे चले भजन कार्यक्रम में उपस्थित भक्तगण झुमते नजर आए। जिसमे बच्चे, बुढे, जवान

और महिलाएं थी। भजन कार्यक्रम में स्थानीय प्रसिद्ध गायिका निर्मला आलमपुरिया व नगांव श्री श्याम धाम के पंडित खेम प्रकाश खनाल ने भी भजन प्रस्तुत किए। आचुत्य रेसीडेंसी के अध्यक्ष जगदीश प्रसाद दरक ने बताया कि कार्यक्रम को सफल बनाने में सचिव करण अग्रवाल, नरेंद्र सुराणा, मनोज ढाणीवाल, निकुंज आलमपुरिया, राकेश झुंझुनवाल, सुरेश ढाणीवाल, मनोज पोद्दार, सुनील आलमपुरिया सहित अन्य रेसीडेंसी सदस्यों का सराहनीय योगदान रहा। कार्यक्रम के समापन पर भंडारा का प्रसाद सभी उपस्थित भक्तों ने ग्रहण किया।

रोटरी स्मार्ट सिटी का निःशुल्क दंत जांच शिविर

गुवाहाटी (हिंस)। रोटरी क्लब गुवाहाटी स्मार्ट सिटी के तत्वावधान में भरलुमुख स्थित सोनाराम एचएस स्कूल में नि:शुल्क दंत चिकित्सा जांच शिविर का आयोजन किया गया। इस मौके पर रीजनल डेंटल कॉलेज के पूर्व प्राचार्य तथा वरिष्ठ डेंटल सर्जन, डॉ. एसी भुयान व उनकी टीम द्वारा जांच की गई। स्कूल परिसर में कुल 107 विद्यार्थियों व शिक्षकों का दंत चिकित्सा परीक्षण नि:शुल्क कर उन्हें उचित परामर्श दिया गया। स्कूल की प्राचार्य मंजू नाथ ने क्लब के प्रति आभार व्यक्त किया और भविष्य में भी इस तरह के शिविर आयोजित करने का आग्रह किया। क्लब के अध्यक्ष रवि अग्रवाल ने प्राचार्य के आग्रह को स्वीकार करते हुए अगला नेत्र जांच शिविर 7 अक्तूबर को करने की घोषणा की, जिसमें शंकरदेव नेत्रालय, गुवाहाटी के विशेषज्ञ टीम उपस्थित रहेगी। क्लब के अध्यक्ष रवि अग्रवाल, सचिव अभिषेक जैन, कार्यक्रम संयोजक डॉ. बीपी तोदी, सह-संयोजक मानस मजूमदार आदि सदस्य मौजूद थे।

कामरूप जिला सड़क सुरक्षा समिति की बैठक

रंगिया (विभास)। कामरूप जिला सड़क सुरक्षा समिति की एक बैठक आज एकीकृत आयुक्त कार्यालय के बैठक कक्ष में जिला आयुक्त और जिला सड़क सुरक्षा समिति की अध्यक्ष कीर्ति जल्ली की अध्यक्षता में आयोजित की गई। बैठक में पिछले जुलाई महीने में हुई सड़क सुरक्षा समिति की बैठक में जारी दिशा-निर्देशों के क्रियान्वयन की समीक्षा की गई। बैठक में राष्ट्रीय राजमार्ग प्राधिकरण, लोक निर्माण (सड़क) के सभी समण्डल, स्वास्थ्य, परिवहन, न्यू इंडिया इंश्योरेंस कंपनी, लोक निर्माण (एनएच) आदि विभागों के प्रतिनिधियों और जिला सड़क सुरक्षा समिति के सभी सदस्यों के प्रतिनिधियों ने भाग लिया। बैठक में सभी राजस्व अधिकारी के इलाकों में लोक निर्माण विभाग की सड़कों में दुर्घटना संभावित सड़कों के उठाए गए सुधारात्मक उपायों की भी समीक्षा की गई।

आंगनबाड़ी केंद्रों और स्कूलों के बीच शिक्षण सामग्री वितरित

रंगिया (विभास)। जिला आपदा प्रशमन विभाग के सौजन्य से मंगलवार को कामरूप जिले के आंगनबाड़ी केंद्रों के बीच शिक्षण सामग्री वितरित की गई। जिला आयुक्त कीर्ति जल्ली ने एकीकृत आयुक्त कार्यालय के बैठक कक्ष में आयोजित इस समारोह में लोगों के सहयोग से एकत्र किए गए व्हाइट बोर्ड वितरित किए। आपदा प्रबंधन प्राधिकरण ने जिले के आंगनबाड़ी केंद्रों और स्कूलों को एक कदम आगे ले जाने के लिए जिला आयुक्त के आह्वान पर यह विशेष कार्यक्रम शुरू किया है। आयुक्त द्वारा की गई अपील के प्रति सम्मान जताते हुए विभिन्न सामाजिक और व्यावसायिक संस्थानों और व्यक्तियों ने अपनी सामाजिक जिम्मेदारी के तहत चार क्षेत्रों के स्कूलों में आंगनबाड़ी केंद्रों के लिए व्हाइट बोर्ड, चॉक पेंसिल और चर अंचल के विद्यालयों के लिए डेक्स और बेंच प्रदान किए। जिला आयुक्त ने आधिकारिक तौर पर कामरूप जिले के आंगनबाड़ी केंद्रों और स्कूलों के बीच इन वस्तुओं का वितरण करते हुए व्यक्तियों और

संस्थानों को उनके सहयोग के लिए धन्यवाद दिया। इस मौके पर अपने भाषण में, जिला आयुक्त कीर्ति जल्ली ने लोगों के सहयोग के लिए आभार व्यक्त किया और सरकारी कर्मचारियों/एनजीओ और आम जनता से आंगनबाड़ी केंद्रों और स्कूलों को और अधिक गतिशील बनाने के लिए सहयोग करने का आग्रह किया। उल्लेखनीय है कि कामरूप जिला प्रशासन के सौजन्य से और कामरूप जिला महिला एवं बाल विकास विभाग के महिला केंद्र द्वारा तैयार किया गया पोस्टर *बेटी बचाओ बेटी पढ़ाओ* जिला आयुक्त कीर्ति जल्ली द्वारा लांच किया गया और आधिकारिक तौर पर सरकारी विभागों और गैर-सरकारी संस्थानों के बीच वितरित किया गया। इस मौके पर उन्होंने इसके व्यापक प्रचार का आह्वान किया। जिला के अतिरिक्त आयुक्त तथा जिला आपदा प्रबंधन प्राधिकरण के मुख्य कार्यवाहक अधिकारी प्राणजीत कुमार देव द्वारा इस कार्यक्रम में स्वागत भाषण प्रदान किया गया। कार्यक्रम में कामरूप जिले की अतिरिक्त आयुक्त सुजाता गोगोई, जिला समाज कल्याण अधिकारी भूपेन भट्टाचार्य, जिला परिवहन अधिकारी रूपज्योति कलिता, जिला आपदा प्रबंधन प्राधिकरण के परियोजना अधिकारी राजीव दत्त चौधुरी सहित विभिन्न विभागों के अधिकारी और कर्मचारी, एकीकृत बाल विकास परियोजना अधिकारी, आंगनबाड़ी पर्यवेक्षक, आंगनबाड़ी केंद्र सहायक और कर्मी सहित कामरूप जिला मोटर परिवहन संस्था के प्रतिनिधि और विभिन्न गैर सरकारी संगठनों के प्रतिनिधियों ने भाग लिया।

देश का गरीब ही सबसे बड़ी जाति : प्रधानमंत्री

- अपराध को लेकर छत्तीसगढ़ और राजस्थान में चल रही है स्पर्धा
- कांग्रेस ने 'लोकतंत्र' को 'लूटतंत्र' व 'प्रजातंत्र' को 'परिवारतंत्र' बनाया

जगदलपुर/नई दिल्ली, (हि.स.)। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने मंगलवार को कांग्रेस पर देश को जाति के आधार पर बांटने का आरोप लगाया। उन्होंने कहा कि भाजपा के लिए देश का गरीब ही सबसे बड़ी जाति है और उसके कल्याण के लिए काम करना ही उद्देश्य। कांग्रेस के नेता कहते हैं कि जितनी आबादी, उतना हक। मैं कहता हूं इस देश में अगर कोई सबसे बड़ी आबादी है तो वह गरीब है। इसलिए मेरे लिए गरीब ही सबसे बड़ी आबादी है और गरीब का कल्याण ही मेरा मकसद। छत्तीसगढ़ के एक दिवसीय दौरे पर जगदलपुर पहुंचे प्रधानमंत्री ने यहां भाजपा की परिवर्तन संकल्प रैली को संबोधित किया। प्रधानमंत्री मोदी ने पूर्व प्रधानमंत्री मनमोहन सिंह के देश के संसाधनों पर पहला अधिकार अल्पसंख्यकों का होने संबंधी बयान को दोहराते हुए कहा कि अब कांग्रेस कह रही है कि समुदाय की आबादी तय करेगी कि देश के संसाधनों पर पहला अधिकार किसका होगा। प्रधानमंत्री ने सवालिया लहजे में कहा कि तो अब क्या वे (कांग्रेस) अल्पसंख्यकों के अधिकारों को कम करना चाहते हैं? क्या वे अल्पसंख्यकों को हटाना चाहते हैं? इसका अर्थ यह हुआ कि हिंदुओं का ही हक है, मुसलमान का कोई हक नहीं है क्योंकि वह अल्पसंख्यक हैं। मोदी ने कहा कि आज कांग्रेस को उसके नेता नहीं बल्कि वे लोग चला रहे हैं जो देश विरोधी ताकतों से मिले हुए हैं। कांग्रेस के बड़े नेता मुंह पर ताला लगा कर बैठे हैं और परदे के पीछे बैठे लोग देश विरोधी ताकतों से मिले हुए हैं। इनका मकसद हिंदुओं को सता कर देश को तबाह करना है। उन्होंने कहा कि गरीबों में

आत्मविश्वास जगाने की केंद्र की योजनाएं बनाई गई। देश के गरीबों का भला ही देश का भला है। कांग्रेस ने आजतक नहीं बताया कि उसने दूसरे देश के साथ क्या गुप्त समझौता किया। कांग्रेस को देश की बुराई करने में ज्यादा मजा आता है। असल में उसका भारत प्रेम कम हो गया है। हमें कांग्रेस और उसके सहयोगियों की नई साजिश से सतर्क रहना चाहिए। प्रधानमंत्री ने कहा कि दलित, पिछड़ा, आदिवासी या सामान्य वर्ग से से भी कोई गरीब हो तो उसकी चिंता करना उनकी सरकार का काम है और इसी से देश बदलेगा। कांग्रेस जातियों के बीच बैर बढ़ाना चाहती है। प्रधानमंत्री ने भ्रष्टाचार और अपराध को लेकर कांग्रेस पर जमकर निशाना साधा। उन्होंने कहा कि छत्तीसगढ़ में भ्रष्टाचार और अपराध चरम पर है। राज्य इन दो मोर्चों पर राजस्थान से प्रतिस्पर्धा कर रहा है। मोदी ने कहा कि कांग्रेस का छत्तीसगढ़ के प्राकृतिक संसाधनों को लूटने का ट्रैक रिकॉर्ड रहा है। कांग्रेस ने 'लोकतंत्र' को 'लूटतंत्र' और 'प्रजातंत्र' को 'परिवारतंत्र' बना दिया है। भाजपा सरकार बनते ही पीसीएस घोटाले की जांच होगी। उन्होंने कहा, कांग्रेस ने सिर्फ पांच वर्षों में छत्तीसगढ़ की जो हालत कर दी है, उसे पूरा देश देख रहा है। कांग्रेस के विधायक और मंत्रियों ने जो कारनामे यहां किए हैं, उससे हर कोई त्रस्त है। चारों तरफ भ्रष्टाचार का बोलबाला है। छत्तीसगढ़ में अपराध चरम पर है, हत्याओं के मामले में छत्तीसगढ़ अग्रणी राज्यों में पहुंच चुका है। प्रधानमंत्री ने कहा, कभी-कभी लगता है कि छत्तीसगढ़ और राजस्थान में स्पर्धा चल रही है कि कहां सबसे ज्यादा हत्याएं होती है, कहां सबसे ज्यादा लूट होती है, कहां सबसे ज्यादा महिलाओं पर अत्याचार होते हैं। उन्होंने कहा कि छत्तीसगढ़ में विकास या तो पोस्टरों और बैनरों में दिखता है, या तो कांग्रेस नेताओं की तिजोरी में दिखता है। कांग्रेस ने छत्तीसगढ़ को सिर्फ झूठा प्रचार और घोटालेबाज सरकार दी है। इसलिए आज छत्तीसगढ़ के कोने-कोने से एक ही आवाज आ रही है, अउ नइ सहिबो बदल के रहिबो। प्रधानमंत्री ने कांग्रेस पर बस्तर की उपेक्षा का आरोप लगाते हुए कहा कि दशकों तक इस क्षेत्र की उपेक्षा की गई। मोदी ने कहा कि ये कांग्रेसी स्टील प्लांट को अपने बच्चों और रिश्तेदारों की तिजोरियां भरने का माध्यम बनाना चाहते हैं। लेकिन मोदी ऐसा नहीं होने देगा क्योंकि स्टील प्लांट के मालिक बस्तर के लोग हैं। मैं किसी भी कांग्रेसी नेता को इस इस्पात संयंत्र का मालिक नहीं बनने दूंगा। प्रधानमंत्री ने कहा कि अटल बिहारी वाजपेयी के नेतृत्व वाली भाजपा सरकार ने आदिवासियों के लिए अलग मंत्रालय और बजट बनाया। आदिवासी भाई-बहनों की मांग को पूरा करते हुए अटल बिहारी वाजपेयी की सरकार ने छत्तीसगढ़ बनाया। प्रधानमंत्री ने कहा कि "मैंने अपने जीवन के कई साल आदिवासी इलाकों में बिताए हैं और मेरा दिल आपके साथ है। मुझे गर्व है कि भाजपा को भारत की पहली आदिवासी महिला राष्ट्रपति बनाने का सम्मान मिला।" देश के आधुनिकतम स्टील कारखाने के लोकार्पण कार्यक्रम में मुख्यमंत्री के शामिल नहीं होने पर सवाल खड़ा करते हुए प्रधानमंत्री ने कहा कि आज नगरनार में बहुत बड़े और देश के आधुनिकतम स्टील कारखाने का लोकार्पण हुआ है। जिस पर छत्तीसगढ़ की जनता को गर्व हो रहा है लेकिन प्रदेश की कांग्रेस सरकार को नहीं हो रहा है। इतना बड़ा कार्यक्रम अभी हुआ है लेकिन छत्तीसगढ़ के कांग्रेस के न तो मुख्यमंत्री आए न ही उपमुख्यमंत्री। यहां तक कि कांग्रेस का एक भी मंत्री कार्यक्रम में शामिल नहीं हुआ।

डोमिनिकन गणराज्य की उपराष्ट्रपति ने राष्ट्रपति से मुलाकात की

अजय त्यागी

नई दिल्ली। डोमिनिकन गणराज्य की उपराष्ट्रपति रकेल पेना रोड्रिग्ज ने मंगलवार को राष्ट्रपति भवन में राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू से मुलाकात की। इस दौरान भारत और डोमिनिकन गणराज्य के बीच निरंतर आदान-प्रदान और संपर्क से द्विपक्षीय संबंधों को और मजबूत बनाने पर सहमति हुई। उपराष्ट्रपति रकेल पेना रोड्रिग्ज भारत की तीन दिवसीय यात्रा पर मंगलवार सुबह नई दिल्ली पहुंची हैं। उपराष्ट्रपति रोड्रिग्ज की यह पहली भारत यात्रा है। डोमिनिकन उपराष्ट्रपति रकेल पेना रोड्रिग्ज ने राष्ट्रपति भवन में आज राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू से मुलाकात की। भारत में उनका स्वागत करते हुए राष्ट्रपति मुर्मू ने कहा कि इस यात्रा का समय बहुत उपयुक्त है क्योंकि भारत और डोमिनिकन

गणराज्य अपने राजनयिक संबंधों की 25वीं वर्षगांठ मना रहे हैं। उन्होंने कहा कि दोनों देशों के बीच द्विपक्षीय संबंध मधुर और मैत्रीपूर्ण हैं, जो लोकतंत्र के साझा मूल्यों की मजबूत नींव और वैश्विक मुद्दों पर विचारों के व्यापक मेल पर आधारित हैं। राष्ट्रपति ने कहा कि डोमिनिकन गणराज्य लैटिन अमेरिका में भारत का 8वां सबसे बड़ा व्यापारिक भागीदार है। उन्होंने विश्वास व्यक्त किया कि व्यापार बास्केट में और विविधता लाने की संभावना है। मुर्मू ने कहा कि फार्मास्युटिकल उत्पादों, समुद्री विज्ञान, मौसम विज्ञान, आपदा प्रतिरोधी बुनियादी ढांचे और डिजिटल भुगतान प्रौद्योगिकियों जैसे क्षेत्रों में एक साथ काम करने और हमारे अनुभव एवं विशेषज्ञता के आदान-प्रदान की गुंजाइश है। राष्ट्रपति ने कहा कि क्षमता निर्माण भारत-डोमिनिकन गणराज्य सहयोग के केंद्रीय स्तंभों में से एक है। उन्हें यह जानकर खुशी हुई कि हाल ही में भारत ने साइबर सुरक्षा और रिमोट सेंसिंग के महत्वपूर्ण क्षेत्रों में डोमिनिकन गणराज्य के अधिकारियों के लिए दो विशेष आ-ईटीईसी प्रशिक्षण पाठ्यक्रम आयोजित किए हैं।

विक्रम लैंडर और प्रज्ञान रोवर से नहीं हो पा रहा संपर्क, अंतिम दौर में पहुंचा मिशन चंद्रयान-3

नई दिल्ली (ईएमएस)। भारत का मिशन चंद्रयान-3 अब अंतिम दौर में माना जा रहा हालांकि वैज्ञानिक लगातार विक्रम लैंडर और प्रज्ञान रोवर से संपर्क करने का प्रयास कर रहे है। बीते माह सिंतबर में कई बार इसरो के वैज्ञानिकों ने विक्रम लैंडर और प्रज्ञान रोवर से संपर्क करने की कोशिश की थी लेकिन सफलता नहीं मिल पाई थी। अब चूंकि तीन-चार दिन के भीतर शिव शक्ति प्वाइंट पर अंधेरा छा जाएगा और संपर्क होने की संभावना पूरी तरह खत्म हो जाएगी। माना जा रहा है कि दो या तीन दिन की अवधि में यदि संपर्क होता है तो ठीक है नहीं तो यह मिशन का आखिरी पड़ाव ही रहेगा। इसका मतलब यह नहीं है कि चंद्रमा से जुड़ी जानकारी नहीं मिलेगी। अभी चंद्रयान-3 के प्रोपल्शन मॉड्यूल से इसरो की आस बनी रहेगी। प्रोपल्शन मॉड्यूल में इसरो के वैज्ञानिकों द्वारा शेप नाम

का एक उपकरण लगाया गया है जिससे अंतरिक्ष में छोटे ग्रहों के साथ-साथ एक्सोप्लैनेट्स की खोज चलती रहेगी।

चंद्रयान-3 के प्रोपल्शन मॉड्यूल का काम शुरूआत में केवल विक्रम लैंडर को चांद की नजदीकी कक्षा में पहुंचाकर चांद का चक्कर लगाना था। प्रोपल्शन मॉड्यूल ने यह काम बेहद अच्छे से किया और अब इसरो प्रोपल्शन मॉड्यूल में लगे शेप का पूरा फायदा उठा रहा है। यह अभी कम से कम चार से पांच महीने तक काम करेगा। बता दें कि भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन (इसरो) द्वारा लॉन्च किए गए चंद्रयान -3 मिशन ने 23 अगस्त को चंद्रमा के दक्षिणी ध्रुवीय क्षेत्र के पास सफलतापूर्वक उतरकर इतिहास रच दिया था। जिसके कारण भारत दुनिया का पहले ऐसा देश बना जिसने चांद की दक्षिणी ध्रुव में सफल लैंडिंग की।

कांग्रेस ने हिमाचल प्रदेश को बर्बाद कर दिया : भाजपा

शिमला (ईएमएस)। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) ने हिमाचल प्रदेश की कांग्रेस सरकार और मुख्यमंत्री सुखविंदर सिंह सुक्खू पर राज्य की वित्तीय हालत को खस्ता करने का आरोप लगाते हुए कहा है कि कांग्रेस ने हिमाचल प्रदेश को बर्बाद कर दिया है। भाजपा आईटी सेल के हेड अमित मालवीय ने शहरी स्थानीय निकायों से 50 प्रतिशत अनुदान सहायता वापस लेने के हिमाचल सरकार के आदेश से जुड़ी खबर को शेयर करते हुए एक्स पर पोस्ट कर कहा कि वित्तीय रूप से तंगी का सामना कर रहे हिमाचल ने अपने 60 शहरी स्थानीय निकायों से 50 प्रतिशत अनुदान सहायता वापस लेने के आदेश जारी किए हैं, जो कुल 143.8 करोड़ है। मालवीय ने बड़ा आरोप

लगाते हुए आगे कहा कि यह अनुदान सहायता इस दलील पर वापस लेने के आदेश जारी किए गए हैं कि यह वार्षिक वित्त पोषण के बजाय, मासिक अनुदान जारी किया जाएगा।

दिल्ली-एनसीआर में भूकंप के तेज झटके, कुछ सेकंड तक कांपती रही धरती, 6.2 मापी गई तीव्रता

अजय कुमार

नई दिल्ली। दिल्ली-एनसीआर में भूकंप के जोरदार झटके महसूस किए गए हैं। मंगलवार दोपहर को 2.51 पर आए भूकंप के झटकों के बाद दहशत में लोग दफ्तर और घरों से बाहर निकल गए। नेशनल सेंटर फॉर सिस्मॉलोजी के मुताबिक, भूकंप की तीव्रता 6.2 मापी गई। जिसका केंद्र नेपाल के दिपायल से 38 किलोमीटर दूर जमीन से पांच किलोमीटर गहराई में था। झटके यूपी-दिल्ली समेतर कई राज्यों में महसूस किए गए। इससे पहले दोपहर 2 बजकर 25 मिनट पर भी भूकंप के झटके महसूस हुए थे। इसका केंद्र भी नेपाल था। उस वक्त

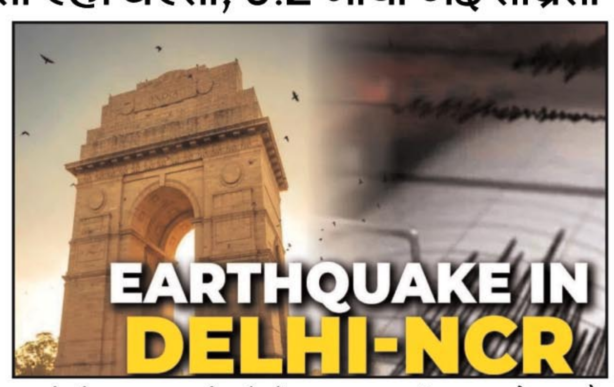

इसकी तीव्रता 4.6 मापी गई थी। इसके झटके उत्तराखंड और यूपी के कुछ हिस्सों में महसूस किए गए थे। अचानक ही धरती कांपने से लोग दहशत में आ गए। दिल्ली के अलावा गाजियाबाद, नोएडा और फरीदाबाद में भी भूकंक के झटके महसूस किए गए। भूकंप आने के बाद सोसाइटी के बाहर निकले लोगों में दहशत का माहौल नजर आया।

दिल्ली में जंतर-मंतर पर टीएमसी कार्यकर्ताओं का केंद्र सरकार के खिलाफ प्रदर्शन

राकेश शर्मा

नई दिल्ली। आगामी लोकसभा चुनाव से पहले तृणमूल कांग्रेस पूरी तरह से भाजपा सरकार को घेरने में लग गई है। इसी क्रम में दिल्ली के जंतर मंतर पर मंगलवार को टीएमसी के कार्यकताओं ने भाजपा सरकार के खिलाफ जमकर प्रदर्शन किया। जंतर मंतर पर टीएमसी के कार्यकर्ता और नेता भारी तादाद में जुटे हुए हैं। सभी अपने हाथों में पोस्टर बैनर लेकर जंतर-मंतर पर पहुंचे हैं। टीएमसी ने केंद्र सरकार पर आरोप लगाया कि केंद्र उन्हें मनरेगा फंड नहीं दे रही है। पश्चिम बंगाल के अलग-अलग जिलों से 2 दिन पहले ही टीएमसी के

कार्यकताओं और नेताओं का दिल्ली में पहुंचने का सिलसिला शुरू हो गया था। सोमवार को टीएमसी के नेता अभिषेक बनर्जी की अगुवाई में सांसद और विधायक राजघाट स्थित गांधी समाधि स्थल पर पुष्प अर्जित करने पहुंचे थे। वहीं जंतर-मंतर पर बंगाल से पहुंचे टीएमसी कार्यकताओं का कहना है कि दिल्ली पहुंचने के लिए उन्हें बीच रास्ते में कई बार चेकिंग से गुजरना पड़ा। कई बसें रोक दी गई और वह ट्रेन से आए हैं। ट्रेन में भी चेकिंग की जा रही है, ताकि टीएमसी के कार्यकर्ता दिल्ली न पहुंच पाए, लेकिन टीएमसी के कार्यकर्ता डरने वाले नहीं है। केंद्र सरकार के खिलाफ हम लोग जंतर-मंतर पर पहुंचे हैं। बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी बंगाल में सभी वर्ग के लिए काम करते हैं, लेकिन जब से भाजपा की बंगाल चुनाव में हार हुई है, तब से भाजपा पार्टी के लोग बोखला गए है और बंगाल के साथ गलत व्यवहार कर रही है। गरीबों के पैसे को केंद्र सरकार रोक रही है।

महाराष्ट्र के नांदेड़ में 24 मरीजों की मृत्यु पर कांग्रेस ने जताया दुख

नई दिल्ली, (हि.स.)। महाराष्ट्र के नांदेड़ में एक सरकारी अस्पताल में 12 नवजात शिशुओं सहित 24 मरीजों की मौत का मामला सामने आया। इस घटना पर कांग्रेस ने दुख प्रकट किया है और मामले की न्यायिक जांच की मांग की है। कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे ने मंगलवार को एक्स पर लिखा कि महाराष्ट्र के नांदेड़ में एक सिविल अस्पताल में 12 शिशुओं समेत, 24 मरीजों की मृत्यु की खबर बेहद पीड़ादायक, गंभीर व चिंताजनक है। कहा जा रहा है कि इन मरीजों ने दवाइयों व इलाज की कमी से दम तोड़ दिया है। ऐसी ही घटना अगस्त 2023 में ठाणे के एक सरकारी अस्पताल में हुई थी। जिसमें

18 मरीजों की जान गई थी। खड़गे ने कहा कि पीड़ितों के परिवारजनों के प्रति वह संवेदना प्रकट करते हैं। उन्होंने कहा कि लगातार ऐसे हादसों ने राज्य सरकार की स्वास्थ्य व्यवस्था के पर प्रश्न चिन्ह खड़ा कर दिया है। कांग्रेस मामले की विस्तृत जांच की मांग करती है, जिससे इस लापरवाही के मुजरिमों को न्यायपालिका से कठोर सजा मिल सके।

न्यायपालिका में भ्रष्टाचार को लेकर दिए बयान पर राजस्थान के सीएम ने मांगी माफी, सुनवाई 7 नवंबर को

जयपुर, (हि.स.)। न्यायपालिका में भ्रष्टाचार को लेकर बयानबाजी करने के मामले में मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने राजस्थान हाई कोर्ट में अपना जवाब दाखिल किया है। इसे रिकॉर्ड पर लेते हुए अदालत ने मामले की सुनवाई सात नवंबर को तय की है। मुख्य न्यायाधीश एजी मसीह और जस्टिस एमएम श्रीवास्तव की खंडपीठ ने यह आदेश पूर्व न्यायिक अधिकारी शिवचरण गुप्ता की जनहित याचिका पर दिए।

सीएम की ओर से अधिवक्ता प्रतीक कासलीवाल ने जवाब पेश कर कहा कि कई पूर्व न्यायाधीशों ने कई बार न्यायपालिका में भ्रष्टाचार की बात कही है और उन्होंने भी इस आधार पर ही यह बात कही थी। यह उनके स्वयं के विचार नहीं है। वह न्यायपालिका के प्रति पूरा सम्मान रखते हैं। इसके बावजूद उनके बयान से न्यायपालिका को ठेस पहुंची तो वे इसके लिए बिना शर्त माफी

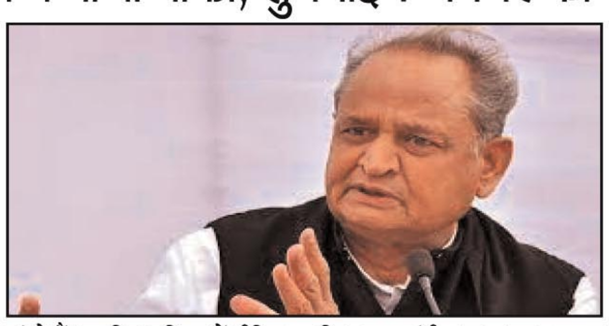

मांगते हैं। जनहित याचिका में मीडिया रिपोर्ट्स का हवाला देते हुए कहा गया कि मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने न्यायपालिका के खिलाफ बयानबाजी की है। सीएम गहलोत ने न्यायपालिका में गंभीर भ्रष्टाचार का आरोप लगाते हुए कहा कि उन्होंने सुना है कि कोर्ट के फैसले तक वकील लिखते हैं और वे जो लिखकर लाते हैं, वहीं फैसला आता है। चाहे निचली न्यायपालिका हो या उच्च, हालात गंभीर हैं। देशवासियों को इस संबंध में सोचना चाहिए। जनहित याचिका में कहा गया कि मुख्यमंत्री का यह बयान न्यायपालिका की गरिमा को ठेस पहुंचाने वाला और प्रतिष्ठा को गिराने वाला है। याचिका में कहा गया है कि गहलोत ने न सिर्फ न्यायिक अधिकारियों बल्कि वकीलों की प्रतिष्ठा को नीचा दिखाने वाला बयान दिया है। याचिका में गुहार की गई है कि जनहित याचिका पर सुनवाई करते हुए स्वप्रेरणा से अदालती अवमानना को लेकर सीएम अशोक गहलोत के खिलाफ अवमानना की कार्रवाई अमल में लाई जाए।

चंद्रबाबू नायडू पर दर्ज एफआईआर निरस्त करने की मांग पर अब 9 अक्टूबर को सुनवाई

नई दिल्ली। सुप्रीम कोर्ट ने आंध्र प्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री एन. चंद्रबाबू नायडू की कौशल विकास घोटाला मामले में दर्ज एफआईआर को निरस्त करने की मांग करने वाली याचिका पर सुनवाई करते हुए राज्य सरकार को मामले से जुड़े दस्तावेज पेश करने का निर्देश दिया। मामले की अगली सुनवाई नौ अक्टूबर को होगी। इसके पहले 27 सितंबर को जस्टिस एसवीएन भट्टी ने इस मामले की सुनवाई से खुद को अलग कर लिया था।

नायडू ने आंध्र प्रदेश हाई कोर्ट की ओर से एफआईआर निरस्त करने की मांग को खारिज करने को चुनौती दी है। चंद्रबाबू को 10 सितंबर को आंध्र प्रदेश सीबीआई ने गिरफ्तार किया था। उसके बाद से वो हिरासत में हैं। इस मामले में नायडू 37वें आरोपी हैं। नायडू ने हाई कोर्ट में याचिका दायर कर अपने खिलाफ दर्ज एफआईआर को निरस्त करने की मांग की थी। हाई कोर्ट ने 22 सितंबर को उनकी याचिका खारिज कर दी थी। नायडू की ओर से पेश वकील हरीश साल्वे और सिद्धार्थ लूथरा ने कहा था कि भ्रष्टाचार निरोधक कानून की धारा 17ए के मुताबिक एफआईआर दर्ज करने के पहले स्वीकृति जरूरी होती है।

हाई कोर्ट ने कहा था कि दस्तावेजों का फजीर्वाड़ा और पैसों की हेराफेरी आधिकारिक कार्य करना नहीं है, इसलिए धारा 17ए का संरक्षण नहीं दिया जा सकता है। हाई कोर्ट ने कहा था कि एफआईआर दर्ज करने के पहले आंध्र प्रदेश सीआईडी ने 140 से अधिक गवाहों के बयान दर्ज किए थे और चार हजार से ज्यादा दस्तावेजों का परीक्षण किया था। ऐसे में ये नहीं कहा जा सकता है कि एफआईआर दर्ज करने में मेरिट नहीं है।

विदेशी फंडिंग के मामले में न्यूज क्लिक से जुड़े 30 ठिकानों पर दिल्ली पुलिस ने की छापेमारी

आशीष वर्मा

नई दिल्ली। दिल्ली पुलिस की स्पेशल सेल ने न्यूज क्लिक वेबसाइट से जुड़े पत्रकारों के 30 से अधिक ठिकानों पर मंगलवार को छापेमारी कर साक्ष्य जुटाए हैं। यह छापेमारी दिल्ली-एनसीआर में स्थित परिसरों में की गई है। छापेमारी के दौरान इलेक्ट्रॉनिक साक्ष्य समेत कई मोबाइल फोन जब्त किए गए हैं। आरोप है कि न्यूज क्लिक ने विदेशी फंडिंग के जरिए अवैध रूप से पैसे जुटाए हैं। वेबसाइट पर चीन से फंडिंग लेकर खबरों के माध्यम से भारत विरोधी एजेंडा चलाने का आरोप है। इस मामले में केस दर्ज हुआ था। इसे पहले ईडी भी छापेमारी कर चुकी है। सैदुलाजाब 275 वेस्ट एंड मार्ग पर स्थित न्यूज क्लिक के दफ्तर पर लगातार दिल्ली पुलिस की टीम पूछताछ कर रही है। स्पेशल सेल के एक वरिष्ठ अधिकारी ने बताया कि न्यूज क्लिक के खिलाफ केंद्रीय जांच एजेंसी की यह कार्रवाई किसी मीडिया

संगठन पर होने वाली अपनी तरह की पहली कार्रवाई है। इस छापेमारी से पहले, प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने न्यूजक्लिक के खिलाफ मामला दर्ज कर लिया था, जिसमें न्यूज पोर्टल पर विदेशी योगदान विनियमन अधिनियम (एफसीआरए) का उल्लंघन करते हुए विदेशी फंडिंग प्राप्त करने का आरोप लगाया गया था।

न्यूज क्लिक से जुड़ा क्या है मामला

डिजिटल मीडिया प्लेटफॉर्म न्यूज क्लिक के ऊपर विदेशी फंडिंग का केस दर्ज हुआ है। दिल्ली पुलिस की स्पेशल सेल से पहले ईडी भी न्यूज क्लिक के ऑफिस और इससे जुड़े लोगों के यहां छापेमारी कर चुकी है। ईडी ने बताया था न्यूज क्लिक को विदेशों से लगभग 38 करोड़ रुपए की फंडिंग हुई थी। जिसके बाद भाजपा ने आरोप लगाया था कि वर्ष 2005 से 2014 के बीच कांग्रेस को भी चीन से बहुत सारा पैसा मिला है। इतना ही नहीं गत दिनों न्यूयॉर्क टाइम्स की रिपोर्ट में भी बताया गया था कि न्यूज क्लिक को विदेशी फंडिंग से करोड़ों रुपए मिले थे।

वायु सेना प्रमुख ने किया रूसी लड़ाकू 'उड़ता ताबूत' मिग-21 की विदाई का ऐलान

- एयर डिस्प्ले में 120 लड़ाकू और परिवहन विमान एवं हेलीकॉप्टर भाग लेंगे
- पहला फ्रांसीसी सी-295 परिवहन विमान भी एयर डिस्प्ले का हिस्सा बनेगा

नई दिल्ली, (हि.स.)। भारतीय वायु सेना प्रमुख एयर चीफ मार्शल वीआर चौधरी ने रूसी 'उड़ते ताबूत' मिग-21 की औपचारिक विदाई का मंगलवार को ऐलान कर दिया। एयर चीफ मार्शल चौधरी ने कहा कि हम 2025 तक मिग-21 लड़ाकू विमान उड़ाना बंद कर देंगे और उनकी जगह एलसीए तेजस ले लेंगे। इस बार प्रयागराज के संगम क्षेत्र में एयर डिस्प्ले में कुल 120 लड़ाकू और परिवहन विमान एवं हेलीकॉप्टर भाग लेंगे। सालाना प्रेस कॉन्फ्रेंस में वायु सेना प्रमुख एयर चीफ मार्शल चौधरी ने कहा कि हमारे क्षेत्र में अस्थिर और अनिश्चित भू-राजनीतिक परिदृश्य के कारण एक मजबूत और विश्वसनीय सेना की आवश्यकता अनिवार्य हो गई है। भारतीय वायु सेना सबसे दूर तक देखने, सबसे तेज पहुंचने और सबसे कठिन प्रहार करने की अपनी अंतर्निहित क्षमता के साथ इन चुनौतियों को कम करने में महत्वपूर्ण होगी। वायु सेना इंडो पैसिफिक क्षेत्र में भारत की ताकत को पेश करने में एक आधार बनी रहेगी। एयर चीफ मार्शल चौधरी ने कहा कि भारतीय वायु सेना के विमानों ने कई लंबी दूरी के मिशनों को अंजाम दिया, जिनमें राफेल और अन्य विमानों के साथ मिशनों को अंजाम देने के लिए दूर-दराज के इलाकों

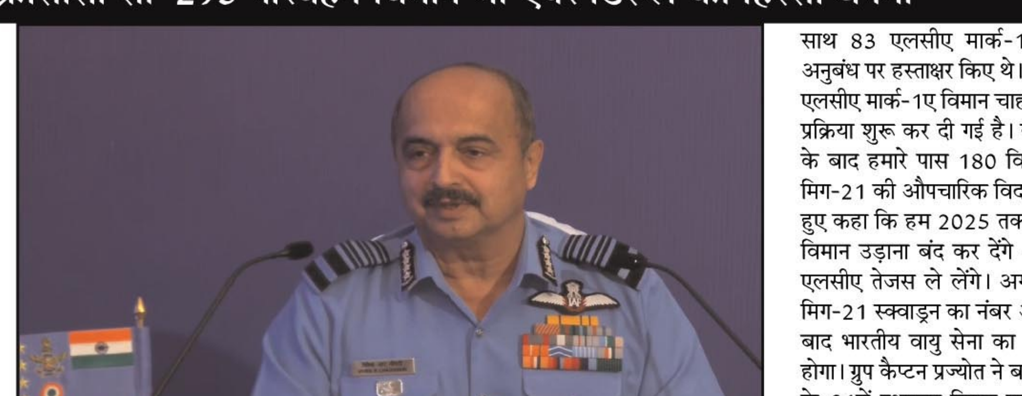

में उड़ान भरना शामिल है। उन्होंने एक सवाल के जवाब में कहा कि हम खुफिया जानकारी, निगरानी और टोही के माध्यम से चीन और पाकिस्तान की सीमा पार स्थिति पर लगातार नजर रख रहे हैं। हमारी परिचालन योजनाएं गतिशील हैं और विकासशील स्थितियों के अनुसार बदलती रहती हैं। उन जगहों पर जहां संख्या के आधार पर विरोधियों का मुकाबला नहीं किया जा सकता, हम बेहतर रणनीति के जरिए इसका मुकाबला करेंगे। हम संख्याओं के माध्यम से इनपुट के अनुसार अपनी आईएसआर योजनाओं को संशोधित करते रहते हैं। वायु सेना प्रमुख ने लड़ाकू विमानों की स्क्वाड्रन संख्या के बारे में पूछने पर कहा कि हमने एचएएल के साथ 83 एलसीए मार्क-1ए के लिए एक अनुबंध पर हस्ताक्षर किए थे। अब हम 97 और एलसीए मार्क-1ए विमान चाहते हैं, जिसके लिए प्रक्रिया शुरू कर दी गई है। यह सौदा पूरा होने के बाद हमारे पास 180 विमान होंगे। उन्होंने मिग-21 की औपचारिक विदाई का ऐलान करते हुए कहा कि हम 2025 तक मिग-21 लड़ाकू विमान उड़ाना बंद कर देंगे और उनकी जगह एलसीए तेजस ले लेंगे। अगले एक महीने में मिग-21 स्क्वाड्रन का नंबर आएगा और उसके बाद भारतीय वायु सेना का आखिरी स्क्वाड्रन होगा। ग्रुप कैप्टन प्रज्योत ने बताया कि वायु सेना के 91वें स्थापना दिवस पर 8 अक्टूबर को प्रयागराज के संगम क्षेत्र में एयर डिस्प्ले में कुल 120 लड़ाकू और परिवहन विमान एवं हेलीकॉप्टर भाग लेंगे। यह सभी उत्तर प्रदेश के 10 एयरबेस से संचालित होंगे। मिग-21 आखरी बार शो में भाग लेगा। हाल ही में वायु सेना के बेड़े में शामिल किया गया पहला फ्रांसीसी सी-295 परिवहन विमान भी एयर डिस्प्ले का हिस्सा बनेगा। वायु सेना दिवस फ्लाईपास्ट में सी-295 विमान सुग्रीव फॉर्मेशन में उड़ान भरेगा। प्रयागराज के संगम क्षेत्र में लव और कुश फॉर्मेशन में दो पुराने विमान संचालित होंगे।

मायावती ने यूपी सरकार से की जातीय जनगणना कराने की मांग

लखनऊ (ईएमएस)। बहुजन समाज पार्टी की राष्ट्रीय अध्यक्ष मायावती ने भी यूपी सरकार से जातीय जनगणना कराने की मांग की है। उन्होंने मंगलवार को बिहार सरकार द्वारा कराए गए जातीय जनगणना के मामले में अपनी पहली प्रतिक्रिया देते हुए कहा कि यूपी सरकार को भी अब अपनी नीयत व नीति में जन भावना व जन अपेक्षा के अनुसार सुधार कर जातीय जनगणना अविलम्ब शुरू करा देना चाहिए। बसपा मुखिया मायावती ने मंगलवार को सोशल मीडिया मंच एक्स पर लिखा कि बिहार सरकार द्वारा कराए गए जातीय जनगणना के आंकड़े सार्वजनिक होने की खबरें आज काफी सुर्खियों में हैं तथा उस पर गहन चर्चाएं जारी हैं। कुछ पार्टियाँ इससे असहज जरूर हैं किन्तु बीएसपी के लिए ओबीसी के संवैधानिक हक के लम्बे संघर्ष की यह पहली सीढ़ी है। उन्होंने लिखा कि बीएसपी को प्रसन्नता है कि देश की राजनीति उपेक्षित बहुजन समाज के पक्ष में इस कारण नयी करवट ले रही है, जिसका नतीजा है कि एससी/एसटी आरक्षण को निष्क्रिय व निष्प्रभावी बनाने तथा घोर ओबीसी व मंडल विरोधी जातिवादी एवं साम्प्रदायिक दल भी अपने भविष्य के प्रति चिन्तित नजर आने लगे हैं। मायावती ने कहा कि यूपी सरकार को अब अपनी नीयत व नीति में जन भावना व जन अपेक्षा के अनुसार सुधार करके जातीय जनगणना/सर्वे अविलम्ब शुरू करा देना चाहिए, किन्तु इसका सही समाधान तभी होगा जब केन्द्र सरकार राष्ट्रीय स्तर पर जातीय जनगणना कराकर उन्हें उनका वाजिब हक देना सुनिश्चित करेगी। गौरतलब है कि बिहार सरकार ने सोमवार को जातिगत जनगणना के आंकड़े जारी कर दिए। गांधी जयंती के दिन बिहार सरकार के मुख्य सचिव समेत अन्य अधिकारियों ने यह रिपोर्ट जारी की। अपर मुख्य सचिव विवेक सिंह ने बताया कि जातिगत सर्वे के मुताबिक बिहार की कुल आबादी 13 करोड़ के करीब है।

सपा नेता दिनेश यादव के साथ एक हजार कार्यकर्ता और पदाधिकारियों ने थामा हाथ

दिनेश ने कहा, समाजवाद नहीं रह गया है समाजवादी पार्टी में

लखनऊ, (हि.स.)। इलाहाबाद विश्वविद्यालय छात्र संघ के पूर्व अध्यक्ष और सपा नेता दिनेश यादव लगभग एक हजार दूसरे युवा पदाधिकारियों के साथ मंगलवार को कांग्रेस का दामन थाम लिया। सभी को प्रदेश अध्यक्ष अजय राय ने कांग्रेस का दुपट्टा पहनाकर सदस्यता ग्रहण करायी। इस दौरान कांग्रेस कार्यालय पर विभिन्न जिलों से कार्यकर्ता पहुंचे थे। दिनेश यादव प्रसपा युवा मोर्चा के प्रदेश अध्यक्ष भी रह चुके हैं और शिवपाल यादव के बहुत खास हैं। सदस्यता ग्रहण समारोह में दिनेश यादव ने कहा कि हम सभी समाजवाद की विचारधारा को मानने वाले लोग हैं। समाजवादी पार्टी में समाजवाद समाप्त हो गया है। वहां सिर्फ परिवारवाद है। यही कारण है कि हम ऐसी पार्टी ज्वाइन कर रहे हैं, जहां का राष्ट्रीय अध्यक्ष भी वोटिंग से चुना जाता है। असली समाजवाद कांग्रेस में है। दिनेश ने कहा जो व्यक्ति अपने परिवार में भी बेमानी करता है। जिस व्यक्ति ने भगवान तुल्य पिता को नहीं छोड़ा, जिस व्यक्ति ने अपने चाचा के साथ छल किया। वह प्रदेश की जनता के साथ कैसे न्याय कर सकता है। इन्हीं बातों पर विचार कर और राहुल गांधी, प्रियंका गांधी और अजय राय के विचारों से प्रभावित होकर कांग्रेस में आने का फैसला किया। इसका आजीवन निर्वहन करूंगा। इस दौरान पार्टी कार्यालय पर जमकर नारेबाजी भी चलती रही। दिनेश यादव के साथ प्रमुख रूप से विवेक सिंह तनहा, इंजीनियर शैलेंद्र कुमार ध्रुव, शमसेर अली, अमृतेश श्रीवास्तव, सुनील गुप्ता, ब्रजेश यादव आदि नेता शामिल हुए।

हाई कोर्ट में रांची हिंसा मामले में दायर जनहित याचिका की सुनवाई

रांची, (हि.स.)। झारखंड हाई कोर्ट में रांची में 10 जून, 2022 को हुई हिंसा की एनआईए जांच को लेकर दायर जनहित याचिका की सुनवाई हुई। कोर्ट ने याचिकाकर्ता के अधिवक्ता राजीव कुमार से पूछा कि वह कैसे इस केस को एनआईए को ट्रांसफर करने की मांग कर रहे हैं। क्या इसका कोई साक्ष्य है कि यह घटना शेड्यूल ऑफिंस के तहत आ रही है। इस पर याचिकाकर्ता की ओर से स्पष्ट जवाब नहीं दिया गया। उनकी ओर से सिर्फ यह कहा गया कि मामले की जांच नहीं हो रही है। इससे पहले एनआईए और राज्य सरकार की ओर से कोर्ट को बताया गया कि पूरे प्रकरण में यह मामला शेड्यूल ऑफिंस के दायरे में नहीं आता है। चीफ जस्टिस संजय कुमार मिश्र की बेंच ने मंगलवार को मामले की सुनवाई की। इस केस के साथ संलग्न एक अन्य जनहित याचिका, जिसमें याचिकाकर्ता अधिवक्ता एके रशीदी ने मामले की न्यायिक जांच करने की मांग की। साथ ही याचिकाकर्ता ने पक्ष रखने के लिए कोर्ट से समय देने का आग्रह किया। कोर्ट ने राज्य सरकार, एनआईए एवं याचिकाकर्ता का पक्ष सुनने के बाद मामले की सुनवाई 21 नवंबर निर्धारित की है। राज्य सरकार की ओर से अपर महाधिवक्ता आशुतोष आनंद ने पक्ष रखा।

एनआईए के अधिवक्ता एके दस की ओर से कोर्ट को बताया गया था कि एनआईए सिर्फ शेड्यूल ऑफिंस होने पर ही अनुसंधान करती है लेकिन इस घटना में अभी तक अनुसंधान में ऐसी बात नहीं आई है। रांची हिंसा मामले में दायर पंकज कुमार यादव की जनहित याचिका में हैदराबाद के सांसद असदुद्दीन ओवैसी, सोशल डेमोक्रेटिक पार्टी ऑफ इंडिया के महासचिव यास्मीन फारूकी समेत रांची उपायुक्त , एसएसपी, मुख्य सचिव, एनआईए, ईडी को प्रतिवादी बनाया है। अदालत से मामले की एनआईए जांच कराकर झारखंड संपत्ति विनाश और क्षति निवारण विधेयक 2016 के अनुसार आरोपितों के घर को तोड़ने का आदेश देने का आग्रह किया है। याचिका में रांची की घटना को प्रायोजित बताते हुए एनआईए से जांच करके यह पता लगाने का आग्रह किया है कि किस संगठन ने फंडिंग कर घटना को अंजाम दिया।

नीतीश कैबिनेटः महिलाकर्मी से अभद्र व्यवहार करने वाले डीपीओ को सेवानिवृत्ति सहित 14 एजेंडों पर मुहर

पटना, (हि.स.)। मुख्यमंत्री नीतीश कुमार की अध्यक्षता में मंगलवार को हुई मंत्रिमंडल की बैठक में महिला कर्मी के साथ अभद्र व गंदा व्यवहार करने, अपशब्द बोलने तथा कार्य स्थल पर महिला उत्पीड़न के गंभीर आरोपों के घेरे में आए मोतिहारी के तत्कालीन जिला योजना पदाधिकारी (डीपीओ) स्वामी नाथ मांझी को अनिवार्य सेवानिवृत्ति के दंड सहित कुल 14 एजेंडों पर मुहर लगाई गई। मंत्रिमंडल के फैसले की जानकारी देते हुए कैबिनेट अपर मुख्य सचिव ने बताया कि सुप्रीम कोर्ट में दायर 02/ 2021 में पारित आदेश के आलोक में जिला उपभोक्ता विवाद प्रतितोष आयोग के लिए अनुबंध पर 30 निम्न वर्गीय लिपिक का पद सृजित किया गया है। बिहार उच्च न्यायालय नियमावली-2023 एवं बिहार असैनिक सेवा न्याय शाखा नियमावली-2023 की स्वीकृति दी गई है। कैबिनेट सचिव ने बताया कि डॉ. कलाम साइंस सिटी पटना के निर्माण एवं विकास के लिए चयनित कंसलटेंट के लिए स्वीकृत परामर्श शुल्क चार करोड़ 25 लाख रुपये एवं पुनरीक्षित परामर्श शुल्क 06 करोड़ 03 लाख 10 हजार 761 रुपये की प्रशासनिक स्वीकृति दी गई है। बिहार अभियंत्रण विश्वविद्यालय पटना के लिए भवन निर्माण एवं अन्य कार्य के लिए 66 करोड़ 92 लाख 11 हजार रुपये की प्रशासनिक स्वीकृति दी गई है। प्रखंड विकास पदाधिकारी नरकटियागंज जो वर्तमान में जमुई के खैर में बीडीओ के पद पर पदस्थापित हैं उनके खिलाफ भ्रष्ट आचरण का आरोप प्रमाणित हो गया। लिहाजा राघवेंद्र कुमार त्रिपाठी को अनिवार्य सेवा निवृत्ति का दंड दिया गया है। 05 फरवरी, 2020 को नरकटियागंज के तत्कालीन बीडीओ राघवेंद्र कुमार त्रिपाठी अपने निजी वाहन से घर के लिए जा रहे थे। तब उनके वाहन से करीब 7 लाख रुपये कैश बरामद हुआ था। इस मामले को लेकर आर्थिक अपराध इकाई ने छानबीन शुरू की और सरकारी नंबर जब्त कर लिया था। बिहार के इंजीनियरिंग कॉलेज एवं पॉलिटेक्निक संस्थानों के भवनों की मरम्मत एवं रख-रखाव को लेकर संबंधित प्राचार्य को प्रशासनिक स्वीकृति की शक्ति दी गई है। राजकीय इंजीनियरिंग कॉलेज एवं पॉलिटेक्निक संस्थान प्रयोगशाला सहायक तकनीकी संवर्ग नियमावली-2023 की स्वीकृति दी गई है। राजकीय इंजीनियरिंग कॉलेज एवं पॉलिटेक्निक संस्थान प्रयोगशाला सहायक विज्ञान संवर्ग नियमावली-2023 की स्वीकृति दी गई है। बिहार अभियंत्रण विश्वविद्यालय पटना में आवश्यकता के अनुरूप प्रशाखा पदाधिकारी के पूर्व में स्वीकृत तीन पदों को प्रत्यर्पित किया गया है। साथ ही पदाधिकारी और कर्मियों को मिलाकर कुल 16 अतिरिक्त पदों के सृजन की स्वीकृति दी गई है। 100 पशु चिकित्सालय सह आवास के भवन निर्माण के लिए प्रति पशु चिकित्सालय 107 लाख 69 हजार रुपये की दर से एक अरब सात करोड़ 69 लाख रुपये व्यय की स्वीकृति दी गई है। बिहार में प्रमंडल स्तर पर गठित किए जाने वाले वाहन दुर्घटना दावा न्यायाधिकरण के लिए अध्यक्ष का सात पद, अपर जिला परिवहन पदाधिकारी के 7 पद, उच्च वर्गीय लिपिक के 7 पद, निम्न वर्गीय लिपिक के 7 पद एवं आशुलिपिक के 7 पदों के सृजन की स्वीकृति दी गई है। समस्तीपुर मंडल अन्तर्गत आने वाले दलसिंह सराय रेलवे क्रॉसिंग आरओबी निर्माण के लिए 97 करोड़ 20 लाख 83,000 राज्यांश समेत कुल 135 करोड़ 01 लाख 81,000 की अनुमानित लागत पर प्रशासनिक स्वीकृति दी गई है।

भारत और भारतीयता के लिए समर्पित रहा महंत अवेद्यनाथ का जीवन : योगी

– राष्ट्रसंत ब्रह्मलीन महंत अवेद्यनाथ की 9वीं पुण्यतिथि पर श्रद्धांजलि समारोह

गोरखपुर, (हि.स.)। गोरक्षपीठाधीश्वर एवं मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि राष्ट्रसंत ब्रह्मलीन महंत अवेद्यनाथ जी महाराज का जीवन अपने गुरु युगपुरुष ब्रह्मलीन महंत दिग्विजयनाथ जी महाराज के आदर्शों के अनुरूप भारत और भारतीयता के लिए, सामाजिक जीवन मूल्यों के लिए, राष्ट्र कल्याण के लिए समर्पित रहा है। ब्रह्मलीन महंत दिग्विजयनाथ एवं महंत अवेद्यनाथ ने जिन परिस्थितियों में कार्य किया वे चुनौतीपूर्ण थे। उस समय देश में जो दुष्प्रवृतियां थी उनके खिलाफ मुखर होकर इन्होंने कार्य किया, जिसकी प्रासंगिकता आज भी बनी हुई है। मुख्यमंत्री योगी युगपुरुष ब्रह्मलीन महंत दिग्विजयनाथ महाराज की 54वीं तथा राष्ट्रसंत ब्रह्मलीन महंत अवेद्यनाथ महाराज की 9वीं पुण्यतिथि के उपलक्ष्य में आयोजित साप्ताहिक श्रद्धांजलि समारोह के अंतिम दिन मंगलवार को महंत अवेद्यनाथ की पुण्यतिथि पर श्रद्धासुमन अर्पित कर रहे थे। श्रद्धांजलि समारोह में अपने भावों को शब्द रूप देते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि ब्रह्मलीन महंतद्वय की पुण्य स्मृति में साप्ताहिक कार्यक्रम के दौरान जो भी विषय रहे, उनका केंद्र देश और धर्म था। यही विषय ब्रह्मलीन महंतद्वय के जीवन के भी केंद्र रहे। उन्होंने दोनों पूज्य संतों को भावभीनी श्रद्धांजलि देते हुए कहा कि महंतद्वय के संकल्पों के अनुरूप गोरक्षपीठ पूरी प्रतिबद्धता के साथ कार्य करेगी। श्रद्धांजलि समारोह में रोहतक हरियाणा से पधारे अलवर राजस्थान के सांसद महंत बालकनाथ ने कहा कि आज हमारा वंश जिस धरातल पर टिका हुआ है, उसके निर्माण में बहुत बड़ा श्रेय गोरक्षपीठ का रहा है। उन्होंने कहा कि महंत दिग्विजयनाथ व महंत अवेद्यनाथ के पदचिन्हों पर चलते हुए योगी आदित्यनाथ को भी आने वाला समय एक युगपुरुष के रूप में जानेगा। जगद्गुरु रामानुजाचार्य स्वामी वासुदेवाचार्य ने कहा कि श्रद्धांजलि में श्रद्धा का सबसे बड़ा विधान है। यह श्रद्धा, विश्वास का प्रतीक है। गोरक्षपीठ के ब्रह्मलीन महंतद्वय ने इस राष्ट्र को एक करने में अपना अमूल्य योगदान दिया । नैमिषारण्य से पधारे स्वामी विद्या चैतन्य ने कहा कि महंत अवेद्यनाथ जी ने राम जन्मभूमि व गोरक्षा जैसे विषयों का आगे आकर नेतृत्व किया। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ से गोरक्ष प्रांत के प्रांत प्रचारक सुभाष जी कहा कि गोरक्षपीठ के संत महापुरुषों की एक लंबी परंपरा है। सभी ने भारत के सामाजिक, सांस्कृतिक पहचान के लिए कार्य किया। अयोध्या से पधारे पूर्व सांसद महंत डॉ रामविलास दास वेदांती ने कहा कि महंत अवेद्यनाथ राष्ट्रसंत नहीं अपितु अंतर्राष्ट्रीय संत थे क्योंकि उन्होंने पूरे विश्व के हिंदुओं को राम जन्मभूमि के लिए जगा दिया था। जिस राम जन्मभूमि में रामलला के प्राकट्य का नेतृत्व महंत दिग्विजयनाथ ने किया उस आंदोलन को महंत अवेद्यनाथ जी ने आगे बढ़ाया। अयोध्या से पधारे जगतगुरु रामानुजाचार्य स्वामी विश्वेश प्रपन्नाचार्य ने कहा कि गोरक्षपीठ का समग्र विश्व के ऊपर जो उपकार है उसका प्रति उपकार करने का सामर्थ्य किसी में नहीं है। श्रद्धांजलि समारोह में गोरखपुर के सांसद रविकिशन, देवरिया के सांसद डॉ रमापति राम त्रिपाठी, डुमरियागंज के सांसद जगदम्बिका पाल, गोरखपुर के महापौर डॉ मंगलेश श्रीवास्तव, दीनदयाल उपाध्याय गोरखपुर विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. पूनम टंडन, मदन मोहन मालवीय प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. जेपी सैनी, आयुष विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो एके सिंह, महाराणा प्रताप शिक्षा परिषद के अध्यक्ष व पूर्व कुलपति प्रो. उदय प्रताप सिंह, भाजपा के क्षेत्रीय अध्यक्ष सहजानंद राय, इंडियन मेडिकल एसोसिएशन की तरफ से डॉ आरपी त्रिपाठी, चेंबर ऑफ इंडस्ट्रीज की तरफ से संरक्षक एसके अग्रवाल, दवा विक्रेता समिति से अध्यक्ष योगेंद्र दुबे, पंजाबी समाज की तरफ से गुरुद्वारा प्रबंधक कमेटी अध्यक्ष सरदार जसपाल सिंह, सिंधी समाज की तरफ से लक्ष्मण नारंग, व्यापार मंडल की तरफ से पूर्व महापौर सीताराम जायसवाल, थोक वस्त्र व्यवसायी की तरफ से राजेश नेभानी ने भी विचार व्यक्त किए।

डीएम व सीडीओ ने विशेष संचारी रोग नियंत्रण अभियान" का किया शुभारम्भ

बहराइच, (हि. स.)। दिमागी बुखार पर प्रभावी नियंत्रण के उद्देश्य से जनपद में 03 से 31 अक्टूबर तक संचालित होने वाले विशेष संचारी रोग नियंत्रण अभियान का शुभारम्भ जिलाधिकारी मोनिका रानी ने नवागंतुक सीडीओ राम्या आर. के साथ संचारी रोग नियंत्रण माह जागरूकता रैली को हरी झण्डी दिखाकर रवाना किया।

इस अवसर पर जिलाधिकारी मोनिका रानी ने कहा कि दिमागी बुखार एक जानलेवा बीमारी है। यह मच्छरों के काटने एवं दूषित पानी का उपयोग खाना बनाने एवं पीने में करने से फैलती है। अधिकांशतः 15 वर्ष की आयु तक के बच्चे इस रोग से ग्रसित होते हैं। उन्होंने बताया कि अचानक तेज बुखार आना, मरीज के व्यवहार में अचानक परिवर्तन का आना, मरीज का पूरी तरह होशो हवास में न होना तथा मरीज को पहली बार झटके आना दिमागी बुखार/नवकी बिमारी के लक्षण हैं। यदि किसी व्यक्ति में ऐसे लक्षण दिखाई दे तो उसे तुरन्त सरकारी अस्पताल/स्वास्थ्य केन्द्र पर ले जायें। स्वच्छता के महत्व पर प्रकाश डालते हुए जिलाधिकारी ने लोगों से अपील की कि शौच के लिए शौचालय का उपयोग करें। शौच के बाद व भोजन करने से पहले साबुन से हाथ अवश्य धोयें। घर के आस-पास जल निकासी का उचित प्रबन्ध करें जिससे पानी का जमाव न हो। क्सोंकि ठहरे हुए पानी में मच्छर अण्डे देते हैं। सोते समय मच्छरदानी का उपयोग करें। प्रातः एवं सायंकाल जब मच्छर अधिक सक्रिय होते हैं, उस समय शरीर को पूरा ढक कर रखें।

हारती बीजेपी खबरनवीसों पर कराती है छापेमारी : अखिलेश

लखनऊ, (हि.स.)। समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव ने मंगलवार को दिल्ली में एक वेब न्यूज पोर्टल से जुड़े ठिकानों पर छापेमारी को लेकर भारतीय जनता पार्टी पर निशाना साधा है। अखिलेश ने अपने ट्विटर अकाउंट से ट्वीट कर एक निजी वेब पोर्टल न्यूज क्लिक के 30 ठिकानों पर छापेमारी को लेकर कड़ी प्रतिक्रिया दी है। उन्होंने पोस्ट में लिखा कि 'छापे हारती हुई बीजेपी की निशानी है। ये कोई नयी बात नहीं। ईमानदार खबरनवीसों पर भाजपाई हुक्मरानों ने हमेशा डाले हैं छापे, लेकिन सरकारी प्रचार प्रसार के नाम पर कितने करोड़ हर महीने मित्र चैनलों को दिये जा रहे हैं। ये भी तो कोई छापे।' ईडी की कई टीमों ने दिल्ली के निजी वेब पोर्टल न्यूज क्लिक के 30 ठिकानों पर छापेमारी की है। दिल्ली पुलिस ने यूएपीए और अन्य धाराओं के तहत न्यूज क्लिक से जुड़े विभिन्न परिसरों पर छापेमारी की है। इस कार्यवाही को लेकर विपक्षी दलों के नेताओं ने भाजपा पर द्वेष पूर्ण कार्रवाई किए जाने का आरोप लगाया है।

ट्रेन में महिला को हुई प्रसव पीड़ा, मददगार बना आरपीएफ, स्टेशन पर ही हुआ बच्चे का जन्म

बोकारो, (हि.स.)। हटिया-पटना एक्सप्रेस से सफर कर रही एक महिला यात्री का प्रसव सोमवार की रात को बोकारो रेलवे स्टेशन पर रेलवे सुरक्षा बल की टीम के सहयोग से कराया गया। महिला ओर बच्चे दोनों सुरक्षित हैं। इसके बाद उन्हें बोकारो सदर अस्पताल भेज दिया गया। बताया जाता है कि पूजा कुमारी अपने पति वीरेन्द्र कुमार के साथ हटिया-पटना एक्सप्रेस पर रांची से सवार हुई। मुरी स्टेशन पर उसने प्रसव पीड़ा महसूस किया। इसके बाद सहयोगी यात्रियों की मदद से यह बात ट्रेन के कोच अटेंडेंट को दिया गया। वहां से गाड़ी खुल चुकी थी। फिर इसकी सूचना बोकारो स्टेशन में दी गई। खबर मिलने पर रेलवे के चिकित्सक को इस बारे में सूचित किया गया। बोकारो रेलवे स्टेशन पर ट्रेन पहुंची तो तत्काल महिला सुरक्षा कर्मियों के सहयोग से उन्हें आरपीएफ सहायता बूथ लाया गया। यहीं पर महिला ने बेटे को जन्म दिया। पूजा का परिवार नालंदा का निवासी है। पति-पत्नी दोनों रांची में रहते हैं। पूजा नालंदा के इशवा गांव की रहने वाली है। पति वीरेन्द्र कुमार ने बताया कि वे लोग जनरल कोच में रांची से पटना की लिए चढ़े थे। यहां रेलवे सुरक्षा बल की एसआई मीना कुमारी, सहयोगी मीरा कुमारी, मनीषा कुमारी और पिंकी डुमोलिया ने मदद की और रेलवे के चिकित्सक डॉ. एच.पी. सिंह ने प्रसव कराया।

अवैध खान मामले के आरोपित पंकज मिश्रा की जमानत पर अगली सुनवाई 13 को

रांची। साहिबगंज में हुए अवैध खनन मामले के आरोपित पंकज मिश्रा की जमानत याचिका पर ईडी के विशेष न्यायाधीश पीके शर्मा की अदालत में मंगलवार को सुनवाई हुई। सुनवाई के दौरान ईडी ने जवाब दाखिल करने के लिए समय मांगा। इसके बाद अदालत ने पंकज की जमानत पर अगली सुनवाई की तिथि 13 अक्टूबर निर्धारित की है। इससे पहले भी पंकज मिश्रा इसी केस में रांची ईडी कोर्ट से जमानत के लिए याचिका दायर कर चुके हैं लेकिन अदालत ने उनकी जमानत याचिका खारिज कर दी थी। इसके बाद उन्होंने हाई कोर्ट और सुप्रीम कोर्ट का दरवाजा खटखटाया था लेकिन वहां से भी उन्हें कोई राहत नहीं मिली थी। पंकज मिश्रा मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन के विधायक प्रतिनिधि हैं। पंकज मिश्रा को ईडी ने 19 जुलाई, 2022 को गिरफ्तार किया था। जांच के दौरान ईडी पंकज मिश्रा, दाहू यादव और उनके सहयोगियों के 37 बैंक खातों में जमा 11.88 करोड़ रुपये भी जब्त कर चुकी है। ईडी ने साहिबगंज, बरहेट, राजमहल, मिर्जा चौकी और बरहरवा में 19 स्थानों पर छापेमारी की थी। इस दौरान कई दस्तावेज और 5.34 करोड़ रुपये नकदी जब्त की गई थी।

अरूपानंद नायक बने राजमहल परियोजना के महाप्रबंधक प्रभारी

गोड्डा, (हि.स.)। जिले में कार्यरत ईसीएल के राजमहल क्षेत्र में महाप्रबंधक प्रभारी के रूप में अरूपानंद नायक को जिम्मेदारी दी गई है। उन्होंने मंगलवार को पदभार ग्रहण कर लिया। महाप्रबंधक परिचालन प्रदीप कुमार नायक ने उन्हें पदभार सौंपा। वे पांडेश्वर एरिया में पदस्थापित थे, जहां से उन्हें स्थानांतरित करते हुए राजमहल क्षेत्र में पदस्थापित किया गया है। वर्तमान महाप्रबंधक प्रभारी रमेश चंद्र महापात्रा का स्थानांतरण करते हुए उन्हें झांझरा एरिया में पदस्थापित कर दिया गया है। अरूपानंद नायक को सोदपुर क्षेत्र का बेस्ट जीएम का पुरस्कार भी कोयला मंत्री के हाथों मिल चुका है। महाप्रबंधक प्रभारी के रूप में प्रभार ग्रहण करने के बाद उन्होंने कहा कि ईसीएल के सीएमडी ने जो मुझे दायित्व सौंपा है उसे पूरा करने का प्रयास करूंगा। उल्लेखनीय है कि ईसीएल प्रबंधन ने 29 सितंबर को तीन क्षेत्रों के महाप्रबंधकों के तबादले का आदेश जारी किया था, जिसमें राजमहल क्षेत्र के महाप्रबंधक आरसी महापात्र को झांझरा, पांडवेश्वर क्षेत्र के महाप्रबंधक अरूपानंद नायक को राजमहल और झांझरा क्षेत्र के महाप्रबंधक अजय कुमार शर्मा को पांडवेश्वर क्षेत्र भेजा गया है।

कैलाशपति मिश्र नहीं होते तो लालू और नीतीश नहीं बनते मुख्यमंत्री : गिरिराज

बेगूसराय, (हि.स.)। केंद्रीय ग्रामीण विकास एवं पंचायती राज मंत्री गिरिराज सिंह ने कहा है कि आज बिहार में अपने को बड़े नेता कहने वाले लालू यादव एवं नीतीश कुमार आरक्षण की बात कर रहे हैं लेकिन बिहार में आरक्षण की शुरूआत में सबसे बड़ा योगदान भारतीय जनता पार्टी के संस्थापक रहे कैलाशपति मिश्र का है। मंगलवार को बेगूसराय में आयोजित प्रेसवार्ता में गिरिराज सिंह ने कहा कि जनसंघ के संस्थापक और भाजपा को वटवृक्ष जैसा विशाल बनाने वाले कैलाशपति मिश्र सामूहिक निर्णय के प्रति हमेशा समर्पित थे। आज लालू यादव एवं नीतीश कुमार पानी पी-पीकर भाजपा की आलोचना कर रहे हैं। लेकिन हमारे नेता कैलाशपति मिश्र नहीं होते तो आज लालू यादव और नीतीश कुमार मुख्यमंत्री नहीं बनते। गिरिराज सिंह ने कहा कि 1990 में लालू यादव कैलाशपति मिश्र के कार्यालय में समर्थन मांगने आए थे और उन्होंने समर्थन दिया था। लेकिन आज लालू यादव उसकी चर्चा नहीं करते हैं। कैलाशपति मिश्र ने कपूर्री ठाकुर के साथ मिलकर समाजिक न्याय का फामूर्ला बनाया। जिसमें ओबीसी और ईबीसी के साथ सवर्ण को भी तीन प्रतिशत आरक्षण दिया गया था, जिसे लालू यादव ने समाप्त कर दिया। प्लेटफार्म पर सोकर पार्टी को विशाल वृक्ष बनने वाले कैलाशपति मिश्र संत थे। उन्होंने केवल आरक्षण नहीं दिया, बल्कि मंडल कमीशन लागू करने में भी उनकी बड़ी भूमिका थी। उन्होंने लालू यादव को जीवन दिया था, नीतीश कुमार को मुख्यमंत्री बनाया। अगर कैलाशपति मिश्र समर्थन नहीं करते तो चपरासी के भाई लालू आज लालू प्रसाद यादव और तेजस्वी यादव नेता नहीं होते। सामाजिक समरसता के पुरोधा और प्रतीक कैलाशपति मिश्र सब के साथ कंधा से कंधा मिलाकर चले, तभी तो बीपी सिंह को भी प्रधानमंत्री बनाया। आज लालू यादव और नीतीश कुमार उनकी बात नहीं करते हैं, यह गलत है। हम सब कैलाशपति मिश्र का जन्म शताब्दी वर्ष मना रहे हैं। इस अवसर पर पांच अक्टूबर को पटना में भव्य समारोह आयोजित कर वरिष्ठ कार्यकताओं को सम्मानित किया जाएगा। गिरिराज सिंह ने बेगूसराय के कटरमाला में डॉ. भीमराव आंबेडकर की प्रतिमा तोड़े जाने की भी कड़ी निंदा की। उन्होंने कहा कि आंबेडकर सबके पूज्य हैं। डीएम-एसपी से बात कर मामले की जांच कराई जाएगी। राहुल गांधी पर हमला करते हुए गिरिराज सिंह ने कहा कि राहुल गांधी टुकड़े-टुकड़े गैंग के पुरोधा हैं। जेएनयू जाते हैं तो "अफजल हम शर्मिंदा हैं, तेरे कातिल जिंदा हैं" का नारा लगवाते हैं। राहुल गांधी के इशारे पर ही जेएनयू के दीवारों पर घृणा भरा शब्द लिखा गया है। लेकिन उनके लिखाए जाने से भारत से सनातन धर्म समाप्त नहीं हो सकता। कोई जातियों में लड़ाकर सनातन को समाप्त नहीं कर सकता है। राहुल गांधी महाराष्ट्र में सरकार के पास दवा नहीं रहने की बात करते हैं। जबकि वहां सभी का इलाज हो रहा है। आखिर राजस्थान में दलित बच्ची के साथ हुए दुष्कर्म और छत्तीसगढ़ मामले पर राहुल गांधी की जुबान बंद क्यों रहती है। प्रेसवार्ता को संबोधित करते हुए भारतीय जनता पार्टी के प्रदेश प्रवक्ता राकेश कुमार ने कहा कि जनसंघ के संस्थापकों में से एक और भाजपा को विशाल वटवृक्ष बनाने वाले कैलाशपति मिश्र का शताब्दी जयंती समारोह की पांच अक्टूबर को पटना के बापू सभागार में शुरूआत होगी। एक माह तक चलने वाले विभिन्न कार्यक्रमों का शुभारंभ भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष जे.पी. नड्डा करेंगे। राष्ट्रीय अध्यक्ष बताएंगे कि कैलाशपति मिश्र ने भाजपा को किस तरह सींचा। सबसे मिलने में सहज कैलाशपति मिश्र कार्यों के प्रति कड़क थे। राष्ट्रीय स्तर के नेताओं के साथ कदम से कदम मिलाकर चला करते थे। आरक्षण का श्रेय कैलाशपति मिश्र को जाता है। नीतीश कुमार और लालू यादव को मुख्यमंत्री बनाने वाले कैलाशपति मिश्र, हम सबके प्रेरणा स्रोत हैं। उन्होंने कहा कि इस शताब्दी जयंती समारोह के अवसर पर उनके साथ काम करने वाले और पूरे बिहार के वरिष्ठ भाजपा कार्यकताओं को सम्मानित किया जाएगा। प्रेसवार्ता में भाजपा जिलाध्यक्ष राजीव वर्मा, विधायक कुंदन कुमार, सांसद प्रतिनिधि अमरेन्द्र कुमार अमर, लोकसभा संयोजक कृष्ण मोहन पप्पू, उपाध्यक्ष मृत्युंजय कुमार वीरेश, भाजयुमो जिलाध्यक्ष सुमित सन्नी एवं जिला महामंत्री आयुष ईश्वर भी उपस्थित थे।

संपादकीय

'गुदड़ी के लाल' पदकवीर

खेलों में 'गुदड़ी के लाल' भी देश के नायक, योद्धा होते हैं। वे भी देश और उसकी प्रतिष्ठा के लिए खेलते हैं। वे ज्यादातर सामान्य परिवारों से आते हैं, लिहाजा देश की मिट्टी और जिंदगी की मुश्किलों से उठकर वे 'चैम्पियन' और 'पदकवीर' बनते हैं। देश उनका भी आभारी है और झुककर साधुवाद देता है। हांगझाउ, चीन में जारी एशियाई गेम्स, 2022 में भारत के कई 'गुदड़ी के लाल' उभर कर चमके हैं, जिनके हुनरमंद खेलों ने एक ही दिन में 3 स्वर्ण पदक समेत 15 पदकों से भारत की झोली भर दी है। सबसे पहले अविनाश साबले का चेहरा आंखों के सामने तैरता है। उन्होंने 3000 मीटर की 'लंबी बाधा दौड़' को सिर्फ 8 मिनट 19.50 सेकंड में पूरा कर इतिहास रच दिया। वह इस खेल के प्रथम स्वर्ण पदक विजेता पुरुष खिलाड़ी हैं। कभी 2010 में सुधा सिंह ने ग्वांग्झू एशियाई खेलों में महिलाओं की इसी स्पर्धा का स्वर्ण पदक हासिल किया था। इनके अलावा, इस खेल में अभी तक भारत की उपलब्धियां 'शून्य' रही हैं। साबले ने 2015 में 'बाधा दौड़' का खेल शुरू किया और सिर्फ 8 सालों के अंतराल में ही आज वह 'राष्ट्रमंडल खेलों' और 'एशियाई गेम्स' के चैम्पियन खिलाड़ी हैं। वह विश्व स्तरीय धावक भी बन गए हैं। बीते साल ही राष्ट्रमंडल खेलों में रजत पदक जीत कर साबले ने बड़े देशों को स्तब्ध कर दिया था। अब एशियाई खेलों में दो जापानी खिलाडियों को पछाड़ कर साबले विजेता बने हैं। देश को ऐसे गौरव और हुनर पर नाज है। अब साबले को पेरिस ओलंपिक, 2024 का भी टिकट मिल चुका है। साबले के बाद उन निशानेबाजों की प्रतिभा और उनके सार्थक, कड़े परिश्रम को भी सलाम करना चाहते हैं, जिन्होंने 7 स्वर्ण, 9 रजत और 6 कांस्य, यानी कुल 22 पदक जीत कर एशियाई कीर्तिमान स्थापित किया है। रविवार को भारतीय तिकड़ी-पृथ्वीराज, जोरावर, चेनाई-ने 'पीले तमगे' पर निशाना साधा था। निशानेबाजी में देश की बेटियां भी शामिल हैं, जिन्होंने गले में 'स्वर्ण पदक' पहने। हम उनकी चर्चा कर चुके हैं। साबले की ही तरह मुरली श्रीशंकर ने 'लंबी कूद' में 8.19 मीटर की छलांग लगा कर भारत के लिए 'चांदी' कूटी। वह भी साबले की ही तरह 'गुदड़ी के लाल' हैं और बड़ी गरीब पारिवारिक पृष्ठभूमि से आते हैं। ऐसे खिलाड़ी वाकई देश के 'योद्धाई राजनयिक' हैं। बेशक तेजिंदरपाल सिंह तूर 'गोला फेंक' खेल के एशियाई और रिकॉर्डधारी चैम्पियन हैं। इस बार खेल में पिछड़ते हुए उन्होंने न केवल इस स्पर्धा का 'स्वर्ण पदक' जीता, बल्कि 20.36 मीटर दूर गोला फेंक कर सभी प्रतिद्वंद्वियों को भी चौंका दिया। इसी तरह के खेल 'चक्का फेंक' में 40 वर्षीय सीमा पूनिया ने लगातार तीसरे पदक के तौर पर कांस्य पदक जीत कर घोषित कर दिया कि फिलहाल वह भारत को पराजित नहीं होने देंगी। महिलाओं में हरमिलन बैंस ने 1500 मीटर दौड़, ज्योति याराजी ने 100 मीटर बाधा दौड़ और अजय कुमार सरोज ने पुरुषों की 1500 मीटर दौड़ में 'रजत पदक' पहने। हालांकि ज्योति के संदर्भ में चीन ने कुछ गड़बड़ी करने की नाकाम कोशिश की, लेकिन न्याय ने भारत के हिस्से पदक दर्ज किया। कांस्य का रंग बदल कर रजत कर दिया गया। ये सभी खिलाड़ी भारत के लिए 'गुदड़ी के लाल' हैं, लिहाजा अद्भुत और अनोखे हैं। इन्होंने देश की आन, बान, शान को ज्यादा बुलंदियां दी हैं। एशियाई खेलों में ही गोल्फर अदिति अशोक का जिक्र बेहद जरूरी है। इन खेलों में रजत पदक जीतने वाली अदिति प्रथम एवं इकलौती भारतीय गोल्फर हैं। उन्होंने 21 लंबे सालों के बाद गोल्फ की व्यक्तिगत स्पर्धा में भारत को कोई पदक जिताया है। करीब 37 लंबे सालों के बाद भारत ने बैडमिंटन पुरुष टीम का रजत पदक भी जीता है। एशिया में ही चीन, जापान, कोरिया, मलेशिया सरीखे देशों की छाया और ताकतवर खेल में भारत का बैडमिंटन खेल कभी उबर ही नहीं पाया। आज एचएस प्रणय, लक्ष्य सेन, किदांबी श्रीकांत, चिराग-सात्विक विश्व के वरीयता प्राप्त खिलाड़ी हैं। 'गुदड़ी के लाल' वाली सूची में कुछ और नाम छूट सकते हैं, क्योंकि जगह सीमित है। ये लाल प्रेरित करते हैं।

बीते साल ही राष्ट्रमंडल खेलों में रजत पदक जीत कर साबले ने बड़े देशों को स्तब्ध कर दिया था। अब एशियाई खेलों में दो जापानी खिलाडि़यों को पछाड़ कर साबले विजेता बने हैं। देश को ऐसे गौरव और हुनर पर नाज है। अब साबले को पेरिस ओलंपिक, 2024 का भी टिकट मिल चुका है। साबले के बाद उन निशानेबाजों की प्रतिभा और उनके सार्थक, कड़े परिश्रम को भी सलाम करना चाहते हैं, जिन्होंने 7 स्वर्ण, 9 रजत और 6 कांस्य, यानी कुल 22 पदक जीत कर एशियाई कीर्तिमान स्थापित किया है। रविवार को भारतीय तिकड़ी-पृथ्वीराज, जोरावर, चेनाई-ने 'पीले तमगे' पर निशाना साधा था। निशानेबाजी में देश की बेटियां भी शामिल हैं, जिन्होंने गले में 'स्वर्ण पदक' पहने। हम उनकी चर्चा कर चुके हैं। साबले की ही तरह मुरली श्रीशंकर ने 'लंबी कूद' में 8.19 मीटर की छलांग लगा कर भारत के लिए 'चांदी' कूटी। वह भी साबले की ही तरह 'गुदड़ी के लाल' हैं और बड़ी गरीब पारिवारिक पृष्ठभूमि से आते हैं। ऐसे खिलाड़ी वाकई देश के 'योद्धाई राजनयिक' हैं। बेशक तेजिंदरपाल सिंह तूर 'गोला फेंक' खेल के एशियाई और रिकॉर्डधारी चैम्पियन हैं। इस बार खेल में पिछड़ते हुए उन्होंने न केवल इस स्पर्धा का 'स्वर्ण पदक' जीता, बल्कि 20.36 मीटर दूर गोला फेंक कर सभी प्रतिद्वंद्वियों को भी चौंका दिया। इसी तरह के खेल 'चक्का फेंक' में 40 वर्षीय सीमा पूनिया ने लगातार तीसरे पदक के तौर पर कांस्य पदक जीत कर घोषित कर दिया कि फिलहाल वह भारत को पराजित नहीं होने देंगी। महिलाओं में हरमिलन बैंस ने 1500 मीटर दौड़, ज्योति याराजी ने 100 मीटर बाधा दौड़ और अजय कुमार सरोज ने पुरुषों की 1500 मीटर दौड़ में 'रजत पदक' पहने।

कुछ अलग

हिमाचल में वल्ड कप ट्रॉफी

क्रिकेट के विश्व कप में हिमाचल के पांव कितना चलते हैं, यह देखने भले ही पर्यटक धर्मशाला के पांच मैचों की फेहरिस्त में मनोरंजन खोजने आ रहे हैं, लेकिन हिमाचल का पर्यटन इससे क्या हासिल करना चाहता है। यह तैयारियों की लेटलतीफी और पर्यटन नेतृत्व की कमजोरी मानी जाएगी कि जब सुक्खू सरकार कांगड़ा को टूरिस्ट कैपिटल का तमगा पहना रही है, तो यह इवेंट यूं ही कहीं संभावनाओं के किनारों से न गुजर जाए। वल्ड कप के एक साथ पांच मैचों का आयोजन प्रदेश के पर्यटन ध्रुव पर उम्मीदों का सवेरा कर रहा है। आपदा से ग्रस्त प्रदेश को मदद के बजाय तोहमतें मिलीं नतीजतन तौबा करने वालों ने पर्यटन का एक बड़ा सूखा लिख दिया। ऐसे में क्रिकेट वल्ड कप सिर्फ एक बहार लेकर नहीं आ रहा, बल्कि हिमाचल के पर्यटन के लिए सशक्त प्रचार भी कर रहा है। हिमाचल अपनी रूह में फिर से प्रकृति की बुलंदी लेकर तैयार हो रहा है, तो क्रिकेट मैचों के जरिए खेल पर्यटन को नया नाम, नया मुकाम दे रहा है। अगर वल्ड कप की श्रृंखला के लिए धर्मशाला में घूमती ट्रॉफी एक गौरव है, तो इन मैचों के जिक्र में देश के आंकड़े व क्रिकेट की परंपराओं से जुड़े बड़े शहरों के साथ इसका भी नाम हो रहा है। आश्चर्य यह कि हर बार अंतरराष्ट्रीय मैच यूं ही निकल जाते हैं एक अफसाना बन कर और यह प्रदेश पर्यटन के इस मजमून को गंवा देता है अनजान बनकर। करीब दो दशकों से अस्तित्व की पैमाइश करता धर्मशाला क्रिकेट स्टेडियम अपनी खूबियों का पुष्पहार हिमाचल को पहनाता है, लेकिन ये फूल कभी पौधे नहीं बने। बेशक इस शहर ने खेल महाकुंभों के मुताबिक खुद को ढाल लिया, लेकिन स्मार्ट सिटी की परियोजनाएं यह भी नहीं समझ पाईं कि शहर की आर्थिक तकदीर को कैसे क्रिकेट सेतु के जरिए मुकम्मल किया जाए। स्टेडियम के आसपास महापार्किंग, पर्यटक मनोरंजन केंद्र तथा पर्यटन मार्किट का ही विकास कर दें, तो एक मॉडल खुद ब खुद बन जाएगा। जिस स्थान को कभी पूर्व मुख्यमंत्री प्रेम कुमार धूमल ने खेल नगरी कहा या वर्तमान सुक्खू सरकार यहीं अगर पर्यटन राजधानी के चिन्ह ढूंढ रही है, तो इवेंट शहर की तर्ज पर इस एहसास को बढ़ावा देना होगा। प्रदेश की उपराजधानी, खेल नगरी, पर्यटन राजधानी, तिब्बत की निर्वासित सरकार की राजधानी और क्रिकेट का मक्का बनी यह नगरी, सारे हिमाचल को प्रचार व आर्थिक आधार दे सकती है, बशर्ते इस मुकाम को एक नया नाम दिया जाए। इस बार भी खेल प्रेमी आएंगे बहुत। विभिन्न प्रवेश द्वारों से आएंगे, लेकिन क्या हम उन्हें एक दिन में ही निपटा कर लौटा देंगे।

अमरीकी राष्ट्रपति और अमरीकी संसद के बीच भी कई बार खींचतान का माहौल दिखाई दिया

अमरीका के डाउनग्रेड होने के निहितार्थ

अश्विनी महाजन

गौरतलब है कि 12 साल पहले अगस्त 5, 2011 को स्टैण्डर्ड एंड पुअर्स नाम की रेटिंग एजेंसी ने अमरीका की रेटिंग को इसी प्रकार घटाया था। यह पहली बार हुआ था कि अमरीकी फेडरल सरकार को एएए से नीचे की रेटिंग दी गई थी। उस समय अमरीकी कांग्रेस द्वारा कर्ज की सीमा को बढ़ाने के चार दिन के बाद ही रेटिंग में यह गिरावट आई थी। हालांकि फिच एवं मुडीज नाम की रेटिंग एजेंसियों ने उस समय अपनी रेटिंग नहीं गिराई थी। 2011 के बाद अमरीकी सरकार की रेटिंग एएए बनी रही...

अगस्त 1, 2023 को फिच नाम की अंतर्राष्ट्रीय रेटिंग एजेंसी ने संयुक्त राज्य अमरीका की दीर्घकालीन विदेशी मुद्रा जारीकर्ता डिफॉल्ट रेटिंग (आईडीआर) को एएए से घटाकर एए प्लस कर दिया है। गौरतलब है कि पिछले सालों में अमरीकी सरकार द्वारा बार-बार ऋण सीमा गतिरोध उत्पन्न होने पर अंतिम समय में अमरीकी संसद ने ऋण सीमा बढ़ाकर उसका समाधान दिया। पिछले सालों में ऐसे कई मौके आए जब अमरीकी प्रशासन इस कारण से ठप्प यानी 'शटडाऊन' हो गया, क्योंकि अमरीकी प्रशासन के पास अपने रोजमर्रा के खर्च करने के लिए राशि नहीं बची थी। ऐसे में अमरीकी राष्ट्रपति और अमरीकी संसद के बीच भी कई बार खींचतान का माहौल दिखाई दिया। यह इस बात का द्योतक है कि अमरीका की राजकोषीय स्थिति बहुत अच्छी नहीं है और सरकार को बार-बार अमरीकी संसद से गुहार लगानी पड़ती है ताकि उसके उधार की सीमा बढ़ाई जा सके। फिच द्वारा अमरीकी रेटिंग कम करने के कारणों में बताया गया है कि अगले तीन सालों में अमरीका की राजकोषीय स्थिति और अधिक बिगड़ेगी और सरकार पर कर्ज का बोझ और बढ़ेगा। फिच रेटिंग एजेंसी का कहना है कि राजकोष और कर्ज संबंधी मामलों में पिछले 20 सालों में अमरीकी सरकार के मानकों में निरंतर गिरावट आई है। चूंकि बार-बार ऋण सीमा को लेकर राजनीतिक गतिरोध देखने को मिला है, जिसके कारण राजकोषीय प्रबंधन में विश्वसनीयता कम हुई है। अन्य अमरीका सरीखे देशों के मुकाबले सरकार के पास मध्यमकालीन राजकोषीय फ्रेमवर्क (कार्य योजना) की भी कमी है। फिच का यह भी कहना है कि अनेकानेक आर्थिक झटकों और कर कटौतियों और नए खर्चों की पहल के चलते अमरीकी सरकार पर कर्ज पिछले दशक में बहुत बढ़ गया है। अमरीका में बुजुर्गों की लगातार बढ़ती संख्या के चलते सामाजिक सुरक्षा और स्वास्थ्य (मेडिकेयर) पर खर्च लगातार बढ़ता जा रहा है और उससे निपटने के लिए विशेष प्रयास दिखाई नहीं दे रहे हैं। वर्ष 2022 में सामान्य सरकार का घाटा जीडीपी के 3.7 प्रतिशत के बराबर था, जो 2023 में बढक़र 6.3 प्रतिशत तक पहुंचने की अपेक्षा है। राज्यों और स्थानीय सरकारों पर भी कर्ज बढ़ रहा है। राजकोषीय दायित्व कानून के कारण जो थोड़ा-बहुत सुधार हुआ है, वो भी अत्यंत अपर्याप्त है और वर्ष 2024 के चुनावों तक कोई विशेष राजकोषीय समेकन के प्रयास होने की भी बहुत कम संभावना है। गौरतलब है कि 12 साल पहले अगस्त 5, 2011 को स्टैण्डर्ड एंड पुअर्स नाम की रेटिंग एजेंसी ने अमरीका की

रेटिंग को इसी प्रकार घटाया था। यह पहली बार हुआ था कि अमरीकी फेडरल सरकार को एएए से नीचे की रेटिंग दी गई थी। उस समय अमरीकी कांग्रेस द्वारा कर्ज की सीमा को बढ़ाने के चार दिन के बाद ही रेटिंग में यह गिरावट आई थी। हालांकि फिच एवं मुडीज नाम की रेटिंग एजेंसियों ने उस समय अपनी रेटिंग नहीं गिराई थी। 2011 के बाद अमरीकी सरकार की रेटिंग एएए बनी रही और इसके बाद फिच द्वारा पहली बार अमरीकी फेडरल सरकार की रेटिंग को घटाया गया है। इस बीच हम देख रहे हैं कि एक अन्य रेटिंग एजेंसी मूडीज ने कई अमेरिकी बैंकों की रेटिंग घटा दी है। एजेंसी ने 10 छोटे और मध्यम आकार के बैंकों की क्रेडिट रेटिंग में कटौती की है और 6 बड़े ऋणदाताओं को भविष्य में रेटिंग में गिरावट के लिए नोटिस पर रखा गया है। इस कार्रवाई का कारण फंडिंग लागत में वृद्धि (जिसका अर्थ है कि ब्याज दरों में वृद्धि) और लाभप्रदता का दबाव है। रेटिंग में गिरावट : अमरीका आर्थिक दृष्टि से दुनिया का सबसे समृद्ध देश तो है ही, उसकी अर्थव्यवस्था का व्याप भी अत्यंत विस्तृत एवं विविधता से भरा हुआ है। वहां का व्यावसायिक परिवेश भी अत्यंत गतिशील है। ऐसी संरचनात्मक शक्ति रखने वाले अमरीका की करैंसी डॉलर दुनिया की सबसे अधिक लोकप्रिय रिजर्व करैंसी है। दुनिया के देश अपने विदेशी मुद्रा भंडारों को अभी भी डॉलरों में ही रखना चाहते हैं। इन सब खूबियों के साथ रेटिंग के घटने के बावजूद ऐसी स्थिति नहीं लगती कि अमरीका अपने उधारों को चुकाने में किसी कोताही का शिकार बनेगा। अभी भी दुनिया का विश्वास अमरीका में बदस्तूर जारी है, लेकिन फिर भी यह समझने की जरूरत है कि अमरीका की रेटिंग के घटने का अमरीकी अर्थव्यवस्था पर क्या प्रभाव पड़ सकता है। किसी भी देश की रेटिंग घटने का सबसे पहला असर ब्याज दरों पर पड़ता है। डाउनग्रेड से घरेलू स्तर पर ब्याज दरों में वृद्धि होने की संभावना है, क्योंकि निवेशक अमेरिकी ऋण के लिए उच्च जोखिम प्रीमियम की मांग करेंगे। इससे सरकार के लिए पैसा उधार लेना अधिक महंगा हो जाएगा, जिससे खर्च में कटौती या कर में वृद्धि हो सकती है। अमेरिकी सरकार को अब उधार लेने के लिए पहले की तुलना में अधिक ब्याज दर का भुगतान करना होगा। दूसरे, यह महत्वपूर्ण है कि अमेरिकी सरकार द्वारा जारी ऋणों पर ब्याज दरें एक वैश्विक बेंचमार्क प्रदान करती हैं। ऐसा इसलिए है क्योंकि अमेरिकी सरकार द्वारा जारी ऋण को दुनिया में सबसे सुरक्षित ऋणों में से एक माना जाता है। ऐसे में अगर सबसे सुरक्षित लोन पर भी अब ब्याज दरें ऊंची होंगी तो फिच की इस डाउनग्रेडिंग के बाद वैश्विक स्तर पर ब्याज दरों में बढ़ोतरी देखी जा सकती है, या किसी अन्य देश द्वारा उधार लेने पर ब्याज दरें अब बेंचमार्क बन जाएंगी। लेकिन इसकी संभावना बहुत कम है, क्योंकि अमेरिका दुनिया में सबसे बड़ा एकल कर्जदार है। तीसरा, इससे डॉलर के मूल्य में भी गिरावट आ सकती है जिससे आयात अधिक महंगा हो जाएगा। अंतरराष्ट्रीय स्तर पर रेटिंग में गिरावट निवेश के लिए सुरक्षित आश्रय के रूप में अमेरिका की प्रतिष्ठा को नुकसान पहुंचाएगी। इससे पूंजी का बहिप्रवाह हो सकता है क्योंकि निवेशक उच्च क्रेडिट रेटिंग वाले देशों में अपना पैसा लगाना चाहते हैं। इससे अमेरिका के लिए विदेशी सरकारों और संस्थानों से पैसा उधार लेना और भी मुश्किल हो सकता है। चौथा, डाउनग्रेड का अमेरिकी अर्थव्यवस्था पर भी नकारात्मक प्रभाव पड़ सकता है। इससे उपभोक्ता विश्वास में गिरावट आ सकती है, जिससे खर्च कम हो जाएगा। इससे व्यावसायिक निवेश में भी गिरावट आ सकती है, क्योंकि व्यवसाय भविष्य के बारे में अधिक अनिश्चित हो जाते हैं। इससे मंदी आ सकती है। पांचवें, आम आदमी को अपनी ईएमआई का भुगतान करना मुश्किल हो जाएगा, क्योंकि घर के मालिकों या वाहन मालिकों के लिए बंधक (लीजिंग) समायोज्य ब्याज दर के साथ उनकी ब्याज दरें बढ़ सकती हैं, जिससे उनके मासिक भुगतान को वहन करना अधिक कठिन हो सकता है। छठा, जैसा कि हम देखते हैं कि एक अन्य रेटिंग एजेंसी मूडीज अतीत में ब्याज दरों में वृद्धि के कारण बैंकों और अन्य ऋण देने वाली संस्थाओं को डाउनग्रेड कर रही है, और फिच द्वारा इस अमरीका के क्रेडिट डाउनग्रेड के फलस्वरूप, ब्याज दरों में वृद्धि इन ऋण देने वाले संस्थानों के लिए स्थिति और भी खराब कर सकती है। यह स्पष्ट नहीं है कि अमेरिकी प्रशासन इस डाउनग्रेड के प्रभाव से कैसे निपट पाएगा।

पुरानी पेंशन पर लामबंदी, लोकसभा और विधानसभा चुनावों से पहले आंदोलन से सरकार पर बढ़ा दबाव

सरकार की ओर से नई पेंशन योजना को लाभप्रद बनाने के भी प्रयास हुए हैं। वित्त सचिव की अध्यक्षता में एक समिति बनाई गई थी। समिति के सुझावों के अनुसार कुछ सुधार भी किए गए हैं, जिनमें न्यूनतम योगदान में कमी, एनपीएस में शामिल होने के लिए उम्र सीमा 65 से बढ़ाकर 70 करने और वार्षिकी खरीदने हेतु संचित कोष का 40 प्रतिशत उपभोग की सीमा को खत्म करने की बात शामिल है। सरकार का कहना है कि वह नई पेंशन योजना को पुरानी पेंशन की तरह कारगर बनाएगी। कर्मचारी नेता किसी भी दशा में नई पेंशन योजना को स्वीकार नहीं करना चाहते हैं।

पुरानी पेंशन बहाली के लिए लाखों कर्मचारियों ने एक बार फिर दिल्ली के रामलीला मैदान में जोरदार प्रदर्शन किया है। आगामी चुनावों को देखते हुए इस मांग को स्वीकार करने की संभावना बढ़ती जा रही है। उत्तर प्रदेश जैसे बड़े राज्य में भी न्यायिक सेवा के कर्मचारियों को पुरानी पेंशन देने की घोषणा सुनाई दी है, तो पांच राज्यों ने पहले ही पुरानी पेंशन बहाली की घोषणा कर रखी है। विगत 10 अगस्त को भी रामलीला मैदान में केंद्रीय कर्मचारियों ने पुरानी पेंशन योजना की बहाली के लिए प्रदर्शन किया था और लगभग 60 कर्मचारी संगठनों ने प्रधानमंत्री को संयुक्त प्रत्यावेदन भेजा था। पूरे देश के कर्मचारियों का दबाव इस समय पुरानी पेंशन बहाली को लेकर है।

सरकार की ओर से नई पेंशन योजना को लाभप्रद बनाने के भी प्रयास हुए हैं। वित्त सचिव की अध्यक्षता में एक समिति बनाई गई थी। समिति के सुझावों के अनुसार कुछ सुधार भी किए गए हैं, जिनमें न्यूनतम योगदान में कमी, एनपीएस में शामिल होने के लिए उम्र सीमा 65 से बढ़ाकर 70 करने और वार्षिकी खरीदने हेतु संचित कोष का 40 प्रतिशत उपभोग की सीमा को खत्म करने की बात शामिल है। सरकार का कहना है कि वह नई पेंशन योजना को पुरानी पेंशन की तरह कारगर बनाएगी। कर्मचारी नेता किसी भी दशा में नई पेंशन योजना को स्वीकार नहीं करना चाहते हैं।

उनका कहना है कि अगर सरकार पुरानी पेंशन की तरह ही नई पेंशन योजना से लाभ देना चाहती है, तब भला पुरानी पेंशन योजना को लागू करने से पीछे क्यों हट रही है? जब कुछ राज्यों में पुरानी पेंशन योजना लागू करने का प्रस्ताव पास हो चुका है, तब सरकार को पुरानी पेंशन योजना को बहाल कर देना चाहिए। सरकार की ओर से नई पेंशन व्यवस्था के अंतर्गत एक निश्चित आय देने पर फोकस किया जा रहा है, यानी न्यूनतम गारंटी पेंशन की व्यवस्था करने की बात की जा रही है।

नई पेंशन योजना में सरकार अपनी भागीदारी को 14 फीसदी से ज्यादा करने के बारे में सोच रही है, मगर कर्मचारी नेताओं को इस पर एतबार नहीं है। उनका कहना है कि एक ओर सरकार अपनी भागीदारी बढ़ाने की बात कर रही है, तो दूसरी ओर सरकारी खजाने पर कोई अतिरिक्त बोझ नहीं डालना चाहती है। देखा जाए, तो उत्तर प्रदेश और मध्य प्रदेश जैसे दो बड़े राज्यों का निर्णय ही पुरानी पेंशन बहाली की राह में रोड़ा है। मध्य प्रदेश में विधानसभा चुनाव करीब होने के कारण वहां की सरकार पर इस मांग को लेकर ज्यादा दबाव है। पेंशन का मामला सरकारी कर्मचारियों के बुढ़ापे की सुरक्षा से जुड़ा है। दक्षिण भारत के अधिकांश राज्यों में पुरानी पेंशन के प्रति आम राय बन जाने के कारण उत्तर भारत के मुख्य हिंदी प्रदेशों में इस मांग को स्वीकार करने का दबाव बढ़ा है।

सेवानिवृत्त कर्मचारियों की चिंताएं अपनी जगह हैं, तो सरकार को सरकारी खजाने पर बढ़ता व्यय चिंता का कारण बन रहा है। एक ओर बढ़ती महंगाई और स्वास्थ्य की चिंता रिटायर्ड कर्मचारियों को चिंतित कर रही है, तो दूसरी तरफ बढ़ता राजकोषीय घाटा चिंता का कारण है। कुछ अर्थशास्त्रियों का मानना है कि पेंशन की राशि बाजार की तरलता को बढ़ाती है और इससे बाजार को गति मिलती है। इसके सहारे सरकार अतिरिक्त व्यय उठाने का जोखिम ले सकती है। नई पेंशन योजना में अंतिम आहरित वेतन का 50 प्रतिशत पेंशन गारंटी न होना तथा इलाज व्यय और महंगाई भत्ते की सुविधा का अभाव पुरानी पेंशन योजना के मुकाबले अस्वीकार्य बना रही है।

यही कारण है कि एक करोड़ से अधिक कर्मचारियों और उनके आश्रितों ने अपने हस्ताक्षर युक्त एक ज्ञापन राष्ट्रपति महोदया को प्रेषित किया था। देश के चार सौ से अधिक कर्मचारी संगठन पुरानी पेंशन को बहाल करने की मांग को लेकर विगत कई वर्षों से संघर्ष कर रहे हैं। सेना के रिटायर्ड कर्मचारियों का भी उन्हें समर्थन हासिल है। विभिन्न राज्य विधानसभाओं और लोकसभा के चुनाव से ठीक पहले पूरे देश में जिस तरह से पुरानी पेंशन की मांग को लेकर लामबंदी देखी जा रही है, वैसे में, सरकार पर कर्मचारियों की मांग को स्वीकार करने और उन्हें पुरानी पेंशन तोहफा देने का दबाव दिखाई दे रहा है।

देश दुनीया से

आपदा से निपटने के लिए दान की जरूरत

हिमाचल के लोगों के जीवनयापन में कृषि व्यवस्था अहम भूमिका निभाती है। इस आपदा से जहां एक तरफ जान-माल का भारी नुकसान हुआ, वहीं किसानों की उपजाऊ भूमि भी नष्ट हो गई। प्रदेश के 9 लाख किसानों की फसलें उजड़ गई तथा उपजाऊ भूमि भूस्खलन की चपेट में आ गई। कृषि और बागवानी भूमि के साथ फसलें, जल विद्युत परियोजनाएं, ट्रांसमिशन लाइनें, स्कूल, स्वास्थ्य संस्थान प्रभावित हुए हैं। इस आपदा से सबसे ज्यादा नुकसान लोक निर्माण विभाग को हुआ है। इसके अलावा जल शक्ति विभाग, बिजली विभाग तथा कृषि विभाग को हुआ है।

हिमाचल प्रदेश में जुलाई तथा अगस्त महीने में आई आपदा ने प्रदेशवासियों के जीवन को त्रस्त कर दिया है। प्रकृति का ऐसा भयावह रूप हिमाचल प्रदेश के लोगों ने पहली बार देखा। भारी भूस्खलन के कारण जान-माल का भारी नुकसान प्रदेश के जनमानस को झेलना पड़ा। करीब 400 लोगों की जान चली गई तथा 13000 घर पूर्ण रूप से या आंशिक रूप से क्षतिग्रस्त हुए हैं। हिमाचल प्रदेश में कठिन भौगोलिक परिस्थितियों के कारण घर बनाने में व्यक्ति के जीवन की पूरी पूंजी लग जाती है। जब उसके सपनों का आशियाना उसके समक्ष टूटे तो उसके लिए यह जीते जी नर्क का दृश्य होता है। हिमाचल के सैकड़ों परिवार बेघर हुए हैं। हिमाचल के लोगों के जीवनयापन में कृषि व्यवस्था अहम भूमिका निभाती है। इस आपदा से जहां एक तरफ जान-माल का भारी नुकसान हुआ, वहीं किसानों की उपजाऊ भूमि भी नष्ट हो गई। प्रदेश के 9 लाख किसानों की फसलें उजड़ गई तथा उपजाऊ भूमि भूस्खलन की चपेट में आ गई। कृषि और बागवानी भूमि के साथ फसलें, जल विद्युत परियोजनाएं, ट्रांसमिशन लाइनें, स्कूल, स्वास्थ्य संस्थान प्रभावित हुए हैं। इस आपदा से सबसे ज्यादा नुकसान लोक निर्माण विभाग को हुआ है। इसके अलावा जल शक्ति विभाग, बिजली विभाग तथा कृषि विभाग को हुआ है। इस आपदा ने प्रदेश के भोले-भाले जनमानस को झकझोर कर दिया है। जिस प्रदेश के किसानों की मां भूमि हो और उस भूमि पर बरसात के मौसम में फल, सब्जियां तथा अन्य खाद्यान्न फसलें पूरे यौवन पर हों और उस समय भूस्खलन के कारण सब कुछ नष्ट हो जाए तो शायद इससे बुरा समय और क्या हो सकता है। ऐसा मंजर हिमाचल प्रदेश के सैकड़ों परिवारों के साथ प्रकृति ने किया है। आपदा की इस घड़ी में प्रदेश सरकार निरंतर राहत कार्यों में जुटी हुई है। हिमाचल प्रदेश सरकार ने सडक़ों, बिजली तथा पानी की व्यवस्था को पूरे प्रदेश में बहाल कर दिया है। वहीं बेघर हुए परिवारों को किराए के मकानों में रहने के लिए ग्रामीण क्षेत्र में 5 हजार व शहरी क्षेत्र में 10 हजार रुपए प्रतिमाह किराया प्रदेश सरकार द्वारा देने का सराहनीय कार्य भी किया है। इसके अलावा 45 सौ करोड़ रुपए का पैकेज लेकर सुक्खू सरकार आई है। प्रदेश सरकार ने आपदा से प्रभावित परिवारों को दी जाने वाली आर्थिक सहायता की राशि में भी बढ़ोतरी की है। धीरे-धीरे प्रदेश सरकार आपदा से निपटने का हरसंभव प्रयास कर रही है। हिमाचल प्रदेश के पास अपनी आर्थिकी को मजबूत करने के बहुत ही कम संसाधन हैं, वहीं ऊपर से आपदा ने प्रदेश की अर्थव्यवस्था को अत्यधिक क्षति पहुंचाई है। हिमाचल प्रदेश सरकार के लिए भी यह समय अनेक चुनौतियों से जूझने का है। ऐसे में हिमाचल प्रदेश आपदा राहत कोष में प्रदेश के कुछ दानवीरों तथा बाहरी राज्यों की सरकारों ने भी प्रदेश को आर्थिक सहायता देने की पेशकश की है। वहीं केंद्र सरकार ने भी आपदा की इस घड़ी में हिमाचल प्रदेश को आर्थिक सहायता तथा बेघर परिवारों के लिए 6000 घर निर्मित करने की व्यवस्था की है। हिमाचल प्रदेश में विपक्ष तथा सत्ता पक्ष के सभी विधायकों ने एक महीने का वेतन आपदा राहत कोष में जमा करवाया है। प्रदेश के मुख्यमंत्री श्री सुखविंदर सिंह सुक्खू ने इस दुख की घड़ी में अपने जीवन भर की अर्जित पूंजी से 51 लाख रुपए आपदा राहत कोष को दिए। मुख्यमंत्री ने अपने सरकारी निवास ओक ओवर में अपनी धर्मपत्नी कमलेश ठाकुर की उपस्थिति में 51 लाख रुपए का चेक मुख्य सचिव प्रबोध सक्सेना को सौंपा। ऐसा उदाहरण आज तक प्रदेश के इतिहास में किसी मुख्यमंत्री ने पेश नहीं किया था। इससे पहले भी सीएम ने सामाजिक सरोकार को अधिमान देते हुए धन दान किया है। मानसून सत्र में मुख्यमंत्री की यह दानवीर प्रवृत्ति जब चर्चा का विषय बनी, तो उन्होंने बड़े स्पष्ट शब्दों में कहा कि प्रदेश की जनता की सहायता करने की मेरी यह कोई पहली पेशकश नहीं है। अपने कॉलेज के समय से लेकर कोरोना महामारी में भी अपनी पूंजी से प्रदेश की जनता के जीवन को बचाने का प्रयास सबसे पहले उन्होंने ही किया था।

दृष्टिकोण

अदृश्य लोग...

आज़ादी के बाद नियति के साथ किए गए साक्षात्कार में भारतीय जनतंत्र से उम्मीद थी कि वह अदृश्य लोगों की आवाज़ सुनेगा। इसकी बनावट में सबकी आवाज़ गूँजे भले न, सुनाई अवश्य देगी। नेहरू तो निकम्मे थे, लेकिन आज़ादी के पचहत्तर सालों बाद अमृत काल लाने का दावा करने वाले दिल्ली में बैठे हुए मणिपुर की आग में मज़े से हाथ सेंक रहे हैं। शायद अभी मणिपुर जाकर चुनावी रोटियाँ सेंकने का मौसम नहीं आया है। भले मनु स्मृति के संवाहक संविधान पर भारी पड़ रहे हों, पर भारत को विश्व गुरू बनाने का दावा करने वाले डंकेश स्वयं, एक अकेले को सब पर भारी बताते हैं। इसी उधेड़बुन में पाता हूँ कि कुछ महीनों बाद चुनावी खेतों में जुताई-बुआई शुरू हो जाएगी। विपक्ष अब अनुसूचित जातियों और जनजातियों के साथ ओबीसी की आवाजों को भारतीय जनतंत्र में तलाशने का ढोंग कर रहा है। आज़ादी के पचहत्तर साल गुजऱने के बावजूद अदृश्य लोगों के पास सिर हैं तो किताबें नहीं, खेत हैं तो किसानी नहीं, हाथ हैं तो रोजग़ार नहीं, पेट हैं तो राशन नहीं। महाकाल की नगरी उज्जैन में बारह साल की किसी पार्वती को कोई कामी नोच डालता है। महाकाल का पता नहीं। पर अपनी टूटी-फूटी आवाज़ों को लोकतंत्र में सुनाने के माध्यम नेता, पार्लिया नक्सल होने के बाद नफरती चारा खाकर राष्ट्रवाद की जुगाली में मस्त हैं या संसद के कुएँ की अनगिन सुख-सुविधाओं की भाँग पीकर शूकर की तरह लोट रहे हैं। तीन दशकों से श्रीराम की भीड़ में अपना पेट काट कर मंदिर के लिए चंदा देने वाले लोग अदृश्य ही रहे, लेकिन कितने चिंदी चोर चेहरे बन कर चंदा चोर हो गए। मन्दिर बनने के बाद मूरत राम की होगी, लेकिन अदृश्य चेहरों के चंदे और दान से ये चंदा चोर अपनी चांदी करते रहेंगे। क़िस्मत की अदृश्य स्याही से लिखे इन लोगों के नाम माइक्रोस्कोप से देखने पर भी नजऱ नहीं आते। कृषि क़ानूनों के खिलाफ अड़े किसानी करने वाले लाखों अदृश्य चेहरे तब तक अदृश्य ही बने रहे, जब तक चुनाव लोकतंत्र के सिर पर चुनाव खड़े नहीं हो गए। चुनाव आते ही ये अदृश्य लोग जो कभी आतंकवादी, खालिस्तानी, राष्ट्रविरोधी या नक्सल थे, वोट में बदल गए। देवताओं के देवता डंकेश अपने गुट के देवों को ख़ूब पहचानते हैं और उन्हें अदृश्य चेहरों के खिलाफ की गई उद्दंडता का भरपूर ईनाम भी देते हैं। पर अदृश्य लोग तब तक गोचर नहीं होते जब तक लोकतंत्र का महापर्व सामने नहीं आता। इस महापर्व के आते ही किसी रविवारीय हाट की तरह लोकतंत्र जीवंत हो उठता है। पर बाज़ार उठते ही चारों ओर घूरे के ढेर नजऱ आने लगते हैं। सालों से अदृश्य चेहरों पर फैलता पराबैंगनी प्रकाश बीते एक दशक में इतना गहरा गया है कि नया संसद भवन भी धर्मों के चेहरे नहीं छोड़ पा रहा है। धर्मों के इन चेहरों में कोई कटवा या मुल्ला, जो जेनऊ या चोटी की तरह माननीय होते हुए उन असंख्य अदृश्य चेहरों की रहनुमाई करता दिखता है जो उसकी पीठ के पीछे कहीं अगोचर हो चुके हैं। अराजकता इस देश की नई क़ानून व्यवस्था है, जो अब जात-धर्म के हिसाब से न्याय बाँटती है। चाल्र्स डार्विन आज जिंदा होते तो शायद मूर्खता के विकास का नया सिद्धांत प्रदिपादित करते हुए कहते कि पिछले एक दशक में ट्रोल आर्मी ने अपने दिमाग़ को ताखे पर रखकर भारत में मूर्खता के विकास आन्दोलन को नई दिशा और गति प्रदान की है। अपनी गहन छानबीन में वह अंधभक्तों और चमचों को परिभाषित करते हुए उनकी महती व्याख्या कर सकते थे। अपनी प्रयोगशाला में शायद वह उन मूर्खों के दिमाग़ खोलना पसन्द करते जो वर्ष 2014 को भारत की आज़ादी या विकास की गंगा के फूटने का साल मानते हैं।

चिकित्सा का नोबेल जीतने वाली 13वीं महिला हैं कारिको, पुरस्कार जीतने के बाद बताई रोचक बात

स्टॉकहोम।
हंगरी मूल की अमेरिका वैज्ञानिक 68 वर्षीय कैटलिन कारिको चिकित्सा के क्षेत्र में नोबेल पुरस्कार जीतने वाली 13वीं महिला हैं। फिलहाल वे जर्मनी की कंपनी बायोएनटेक की सीनियर वाइस प्रेसिडेंट हैं, जिसने कोविड-19 टीके बनाने के लिए फाइजर के साथ साझेदारी की थी। वहीं, 64 वर्षीय ड्रू वीसमैन पेन इंस्टीट्यूट फॉर आरएनए इनोवेशन के प्रोफेसर और निदेशक है।

कारिको ने पुरस्कार जीतने के बाद स्वीडिश रेडियो से बात करते हुए कहा, 10 साल पहले जब वे प्रोफेसर भी नहीं थी, तब उनकी मां नोबेल पुरस्कार की घोषणा को बड़े चाव से सुनती थीं और अक्सर कहती थीं, शायद तुम्हारा भी नाम आएगा। तब वे मां की बातें सुनकर मुस्करा देती थीं। लेकिन, आज शायद मां ने कहीं ऊपर यह जरूर सुना होगा।

फोटोकॉपी कराते हुए मिले दोनों

कारिको एमआरएनए के जरिये पुरानी बीमारियों के लिए टीके और दवाएं बनाने के लिए पेन्सिल्वेनिया यूनिवर्सिटी में शोध कर रही थीं। लेकिन,1990 में फंड की कमी बाधा बन गई। 1997 में ड्रू वीसमैन पेन्सिल्वेनिया यूनिवर्सिटी आए और एक दिन फोटोकॉपी कराते हुए कारिको से मिले। वीसमैन ने कारिको को फंडिंग मुहैया कराई और साझेदारी में इस तकीनक पर काम शुरू किया।

2005 में इनके शोध को नहीं मिली अहमियत

2005 में ड्रू और कारिको ने एक शोधपत्र में दावा किया कि मॉडिफाइड एमआरएनए के जरिये इम्युनिटी बढ़ाई जा सकती है। उस समय इसे किसी ने अहमियत नहीं दी, लेकिन 2010 में अमेरिकी वैज्ञानिक डैरिक रोसी ने मॉडिफाइड एमआरएनए आधारित वैक्सीन बनाने को मॉडर्ना कंपनी स्थापित कर दी।

1990 के दशक में पहली बार चूहों पर प्रयोग 1990 के दशक में पहली बार चूहों पर एमआरएनए आधारित फ्लू वैक्सीन का परीक्षण किया गया, इसके बाद 2013 में मनुष्यों पर रेबीज के लिए पहली एमआरएनए वैक्सीन का परीक्षण किया गया। आखिर में 2020 में कोविड महामारी के दौरान इस तकनीक पर आधारित वैक्सीन का इंसानों पर पहली बार व्यापक इस्तेमाल हुआ।

न्यूज ब्रीफ

अमेरिका ने फिर की भारत से जांच में सहयोग की अपील, कहा- कनाडा के साथ समन्वय जारी

वॉशिंगटन। खालिस्तानी आतंकवादी हरदीप सिंह निज्जर हत्याकांड को लेकर भारत और कनाडा के बीच द्विपक्षीय और राजयनिक संबंधों में खटास बरकरार है। वहीं, निज्जर हत्याकांड की जांच को लेकर अमेरिका ने एक बार फिर अपने रुख को दोहराया है। अमेरिकी विदेश विभाग के प्रवक्ता मैथ्यू मिलर ने कहा कि बाइडन प्रशासन ने कई मौकों पर भारत सरकार से खालिस्तानी आतंकी निज्जर की हत्या मामले की जांच में कनाडा के साथ सहयोग करने का आग्रह किया है। विदेश विभाग के प्रवक्ता मिलर ने प्रेस ब्रीफिंग में कहा कि हम इस मामले को लेकर कनाडा के सहयोगियों के साथ करीबी संपर्क बनाए हुए हैं और उनके साथ समन्वय कर रहे हैं। उन्होंने आगे कहा, हमने कनाडा की ओर से चल रही जांच में सहयोग करने के लिए कई मौकों पर भारत सरकार से बातचीत की है। विदेश मंत्री एंटनी ब्लिंकन ने बीते शुक्रवार को अपने भारतीय समकक्ष एस जयशंकर के साथ अपनी बैठक में इस मुद्दे पर बातचीत की थी। क्या भारत कनाडा के साथ जांच में सहयोग करने के लिए सहमत हो गया है, इस सवाल के जवाब में मिलर ने कहा कि इसका जवाब नई दिल्ली को देना है। साथ ही उन्होंने कहा, भारत सरकार को अपना पक्ष रखने का हक है। हमारी सरकार भी इस पर अपनी जिम्मेदारी निभाएगी। हम फिर से जांच में सहयोग करने की अपील दोहराते हैं। विदेश मंत्री जयशंकर अमेरिका के दौरे पर हैं। उन्होंने पिछले हफ्ते वॉशिंगटन में एंटनी ब्लिंकन के साथ द्विपक्षीय वार्ता की थी। कहा गया था कि इस दौरान ब्लिंकन ने जयशंकर से कनाडा के आरोपों को लेकर बातचीत की थी और इस मुद्दे को लेकर अमेरिका की चिंताओं से अवगत कराया था। बता दें, हाल ही में कनाडा के पीएम जस्टिन ट्रूडो ने आरोप लगाया था कि ब्रिटिश कोलंबिया के सरे में हुई खालिस्तानी आतंकी निज्जर की हत्या में भारत के सरकारी एजेंट शामिल हैं। ट्रूडो के इस बयान के बाद भारत और कनाडा के बीच तनाव बढ़ गया है। भारत ने इन आरोपों को सिरे से खारिज करते हुए बेबुनियाद और राजनीति से प्रेरित करार दिया है।

स्लोवाकिया में बन सकती है रूस समर्थक सरकार, रॉबर्ट फिको बनेंगे चौथी बार प्रधानमंत्री

ब्रातिस्लावा। यूरोपीय देश स्लोवाकिया में आम चुनाव के नतीजे आ चुके हैं और जो परिदृश्य बन रहा है, उसके मुताबिक स्लोवाकिया में गठबंधन सरकार बनेगी और रॉबर्ट फिको के नेतृत्व में अगली सरकार बन सकती है। गौरतलब है कि रॉबर्ट फिको को रूस समर्थक माना जाता है और अपने चुनाव प्रचार के दौरान उन्होंने एलान भी किया था अगर उनकी सरकार बनी तो वह यूक्रेन को दी जा रही सैन्य मदद के बंद कर देंगे। बता दें कि पूर्व पीएम और लोकप्रिय नेता रॉबर्ट फिको की वामपंथी पार्टी स्मेर या डायरेक्शन पार्टी को आम चुनाव में 22.9 प्रतिशत वोट मिले हैं। ऐसे में स्मेर पार्टी को 150 सांसदों वाली स्लोवाकिया की संसद में 42 सीटें मिलेंगी। अगर स्मेर पार्टी गठबंधन बनाने में सफल रही तो रॉबर्ट फिको (59 वर्षीय) चौथी बार स्लोवाकिया के प्रधानमंत्री बन सकते हैं।

स्लोवाकिया की राष्टपति जुजाना कापुतोवा अमेरिका की समर्थक मानी जाती हैं और रॉबर्ट फिको उन पर अमेरिकी एजेंट होने का आरोप भी लगा चुके हैं। इसके चलते राष्टपति कापुतोवा ने रॉबर्ट फिको के खिलाफ मुकदमा दायर किया है। फिको के पूर्व सहयोगी और वामपंथी हलास (वॉइस) पार्टी के मुखिया पीटर पेलेग्रनी को 14.7 प्रतिशत वोट मिले हैं। 2020 के चुनाव में एक विवाद के चलते पीटर ने फिको से नाता तोड़ लिया था। अब अनुमान लगाया जा रहा है कि वह रॉबर्ट फिको को समर्थन दे सकते हैं। इनके अलावा एक और रूस समर्थक पार्टी स्लोवाक नेशनल पार्टी ने 10 सीटें जीती हैं और कंजरवेटिव क्रिश्चियन डेमोक्रेट्स पार्टी ने 12 सीटों पर जीत दर्ज की है। रॉबर्ट फिको को प्रोग्रेसिव स्लोवाकिया पार्टी से टक्कर मिल सकती है। बता दें कि यह पार्टी पश्चिम समर्थक मानी जाती है और इस पार्टी ने 18 प्रतिशत यानी कि 32 सीटों पर जीत दर्ज की है। यह आम चुनाव में दूसरी सबसे बड़ी पार्टी बनकर उभरी है। अगर रॉबर्ट फिको गठबंधन बनाने में नाकामयाब रहते हैं तो प्रोग्रेसिव स्लोवाकिया पार्टी सरकार बना सकती है। स्लोवाकिया का चुनाव यूक्रेन युद्ध के लिए लिहाज से भी अहम है और रॉबर्ट फिको की सरकार बनने से यूरोपीय यूनियन और नाटो के बीच की एकता भी प्रभावित हो सकती है।

ताइवान की पहली स्वदेशी सबमरीन का चीन ने उड़ाया मजाक, कहा– यह झाड़ू से लहर रोकने की कोशिश

हॉन्ग कॉन्ग।
चीन ने ताइवान की पहली स्वदेशी सबमरीन का यह कहकर मजाक उड़ाया है कि यह झाड़ू से लहर रोकने की कोशिश है। बता दें कि ताइवान ने बीती 28 सितंबर को ही अपनी पहली स्वदेशी रक्षा सबमरीन का अनावरण किया है जो कि 2700 टन वजन लेकर जा सकती है। ताइवान की ऐसी आठ पनडुब्बियां (सबमरीन) बनाने की योजना है। चीन की तरफ से बढ़ते खतरे को देखते हुए ताइवान के इस कदम की काफी चर्चा है। अब चीन ने ताइवान के इस कदम का मजाक उड़ाया है।

चीन ने उड़ाया मजाक

चीन के वरिष्ठ सैन्य अधिकारी और रक्षा मंत्रालय के प्रवक्ता वू कियान ने ताइवान के सबमरीन कार्यक्रम का मजाक उड़ाते हुए कहा कि यह ऐसा है, जैसे आप झाड़ू से समुद्र की लहर को रोकने का प्रयास कर रहे हैं। उन्होंने इसे बेवकूफी भी करार दिया। उन्होंने कहा कि चाहे ताइवान कितने भी हथियार बना ले, वह राष्ट्रीय एकीकरण की प्रवृत्ति और क्षेत्रीय अखंडता के लिए पीपल्स लिबरेशन आर्मी के दृढ़ संकल्प और मजबूत क्षमताओं को नहीं रोक सकेंगे। कर्नल वू ने बीती 25 सितंबर को चीन के सरकारी अखबार में लिखे एक लेख में ये भी लिखा था कि पीएलए की नौसेना को प्रशांत महासागर में रोकने की ताइवान की कोई भी महत्वकांक्षा सिर्फ एक भ्रम है। एक अनाम चीनी विशेषज्ञ ने लिखा है कि अगर चीन और ताइवान में युद्ध होता है तो ताइवान की पनडुब्बियों का पता आसानी से लगाया जा सकेगा और यह पीएलए की नौसेना को सिर्फ एक सीमित खतरा ही पैदा करेंगी।

हाइकुन, ताइवान की पहली स्वदेशी पनडुब्बी

ताइवान की हाइकुन नाम की पहली स्वदेशी पनडुब्बी डीजल और बिजली से चलती है और पहली बार नवंबर 2020 में इसे बनाने की शुरुआत हुई थी। टेस्टिंग के बाद साल 2024 में इसे ताइवानी नौसेना में शामिल कर लिया जाएगा। अमेरिका ने आशंका जताई है कि चीन आने वाले कुछ समय में ताइवान पर हमला कर सकता है। ऐसे में चीन के हमले से बचने के लिए ताइवान की सेना धीरे-धीरे अपनी ताकत बढ़ा रही है।

अमेरिका में बाबा साहब की प्रतिमा का अनावरण 14 को, देश के बाहर आंबेडकर का सबसे ऊंचा स्मारक

वाशिंगटन। भारत के संविधान निर्माता डॉ. भीम राव आंबेडकर की प्रतिमा अब शान से अमेरिका के लोगों को प्रेरणा देगी। स्टैच्यू ऑफ यूनिटी के तर्ज पर अमेरिका में स्टैच्यू ऑफ इक्वेलिटी का अनावरण होने वाला है, जो भारत के बाहर डॉ. बाबा साहब की सबसे बड़ी प्रतिमा होगी। 14 अक्तूबर को मूर्ति का लोकार्पण किया जाएगा। विदेशी मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक, प्रसिद्ध कलाकार और मूर्तिकार राम सुतार ने बाबा साहब की मूर्ति को बनाया है, जिसे स्टैच्यू ऑफ इक्वेलिटी नाम से जाना जाएगा। अमेरिका के मैरीलैंड राज्य के एकोकीक शहर में 13 एकड़ भूमि पर डॉ. आंबेडकर की 19 फीट की मूर्ति स्थापित की जाएगी। आयोजकों को उम्मीद है कि मूर्ति के लोकार्पण के दौरान भारत और अमेरिका सहित दुनिया भर से अंबेडकरवादी लोग बड़ी संख्या में यहां पहुंचेंगे। स्टैच्यू ऑफ इक्वेलिटी बाबा साहब के संदेशों और शिक्षाओं को विश्व भर में प्रदर्शित करने का काम करेगा।

राष्ट्रपति पद की उम्मीदवारी के नियमों में बदलाव चाहते है रामास्वामी! लिखा- शीर्ष उम्मीदवार ही करें बहस

वॉशिंगटन।
अमेरिका के राष्ट्रपति पद की रेस में शामिल विवेक रामास्वामी के चुनाव अभियान के प्रमुख ने रिपब्लिकन नेशनल कमेटी को एक पत्र लिखा है। इस पत्र में मांग की गई है कि अगले महीने होने वाली रिपब्लिकन पार्टी की बहस में सिर्फ शीर्ष चार उम्मीदवार ही शामिल होने चाहिए।

उन्होंने लिखा कि एक और बेकार की बहस करने से कोई मदद नहीं मिलेगी। बता दें कि विवेक रामास्वामी रिपब्लिकन पार्टी की तरफ से राष्ट्रपति पद का उम्मीदवार बनने की रेस में हैं। अभी रिपब्लिकन पार्टी की तरफ से डोनाल्ड ट्रंप की उम्मीदवारी सबसे मजबूत है।

रामास्वामी के चुनाव अभियान के प्रमुख ने लिखा पत्र

विवेक रामास्वामी के चुनाव अभियान के सीईओ बेन योहो ने रिपब्लिकन पार्टी की नेशनल कमेटी को एक पत्र लिखा है। इस पत्र में योहो ने मांग की है कि अगले महीने आठ नवंबर को मियामी में होने वाली तीसरी प्राथमिक बहस में सिर्फ शीर्ष चार उम्मीदवारों को ही बहस की अनुमति दी जाए। योहो ने पत्र में लिखा कि नवंबर में एक और बेकार बहस कोई विकल्प नहीं है। इससे मतदाताओं को कोई फायदा नहीं होगा कि जिन उम्मीदवारों के सफल होने की संभावना नहीं है, उन्हें भी मंच साझा करने दिया जाए। उससे शोरगुल होता है। बता दें कि अगर रामास्वामी के चुनाव अभियान की बात मान ली जाती है तो रेस में डोनाल्ड ट्रंप के साथ विवेक रामास्वामी, निक्की हेली और रोन देसांतिस ही रेस में रह जाएंगे।

पत्र में ये भी मांग की गई है कि उम्मीदवारों को उनके प्रतिस्पर्धियों की बात का जवाब देने के लिए ज्यादा समय दिया जाए और एकल बहसों में एक मध्यस्थ तैनात करने की भी मांग की गई है ताकि उम्मीदवार एक दूसरे पर बेकार में चिल्ला ना सकें और बहस के नियम ठीक तरह से लागू किए जा सकें। पत्र में मांग की गई है कि आरएनसी दाता सीमा को 70 हजार दानदाताओं से बढ़ाकर एक लाख दानदाता किया जाए।

सुनवाई के बाद कोर्ट से बाहर आए डोनाल्ड ट्रंप, बोले- चुनाव से रोकने के लिए राजनीतिक हमला हो रहा है

वॉशिंगटन।

अमेरिका के पूर्व राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की मुश्किलें कम होने का नाम ही नहीं ले रही हैं। डोनाल्ड ट्रंप एक अदालत में पेशी के लिए पहुंचे। पेशी के बाद अदालत से बाहर आकर उन्होंने कहा कि उनके खिलाफ राजनीतिक हमला किया जा रहा है। उन्हें प्रचार करने से रोका जा रहा है। मीडिया रिपोर्ट की मानें तो ट्रंप के खिलाफ दिवानी मुकदमा शुरू किया गया है। न्यूयॉर्क अटॉर्नी जनरल ने ट्रंप के खिलाफ आरोप लगायाते हुए कहा कि ट्रंप, उनके बेटे, उनके व्यवसाय और ट्रम्प ऑर्गनाइजेशन के अधिकारी धोखाधड़ी की गतिविधियों में शामिल थे। ट्रंप को अटॉर्नी जनरल और बचाव पक्ष दोनों के लिए एक संभावित गवाह के रूप में सूचीबद्ध किया गया है।

अदालत से बाहर आकर क्या बोले ट्रंप

अदालत से बाहर आकर ट्रंप ने कहा कि राजनीतिक हमले की नीयत से उनके खिलाफ यह मुकदमा शुरू किया गया है। अदालत में पेशी के कारण प्रचार न कर पाने पर उन्होंने निराशा व्यक्त की। उन्होंने आगे कहा कि राजनीतिक विरोधी अपने मनसूबों में सफल हो गए। वे मुझे चुनाव प्रचार करने में बाधाएं डाल रहे हैं। मैं आज पूरा दिन अदालत में ही रह गया, प्रचार के लिए कहीं भी नहीं जा सका। इससे पहले ट्रंप ने पत्रकारों से कहा कि न्यूयॉर्क में शुरू हो रहा दीवानी धोखाधड़ी का मुकदमा एक दिखावा है। उन्होंने इस मुकदमे को लाने वाले अटॉर्नी जनरल को हॉरर शो करार दिया। मुकदमे को घोटाला करार देते हुए उन्होंने कहा कि प्रभारी न्यायाधीश एक दुष्ट न्यायाधीश है। छह जनवरी, 2021 को यूएस कैपिटल पर हमले में कथित भूमिका के आधार पर ट्रंप को आगामी वर्ष के मतदान से बाहर करने के कई प्रयास किए गए हैं। हालांकि, सुप्रीम कोर्ट ने हाल ही में इन चुनौतियों में से एक पर विचार करने से इनकार कर दिया और रिपब्लिकन राष्ट्रपति पद के नामांकन के लिए कम प्रसिद्ध उम्मीदवार जॉन एंथनी कास्त्रो की अपील को खारिज कर दिया। कास्त्रो का मामला 14वें संशोधन के प्रावधान पर आधारित था।

चीन के उड़ेंगे होश, एयूकेयूएस देशों के लिए ब्रिटेन की तीन कंपनी बनाएगी खतरनाक पनडुब्बी

लंदन।
दरअसल, ब्रिटेन ने ऑस्ट्रेलिया और अमेरिका के साथ देश के एयूकेयूएस कार्यक्रम के हिस्से के रूप में परमाणु ऊर्जा से चलने वाली हमलावर पनडुब्बी के डिजाइन और निर्माण के लिए तीन कंपनियों को चार अरब पाउंड यानी 4.9 अरब डॉलर का ठेका दिया है। पहली पनडुब्बियां 2030 के दशक के अंत में ब्रिटेन में तैनात होंगी और पहली ऑस्ट्रेलियाई पनडुब्बियां 2040 के दशक की शुरुआत में पहुंचेंगी। रिपोर्ट के अनुसार, एयूकेयूएस संधि तीन देशों संयुक्त राज्य अमेरिका, ऑस्ट्रेलिया और यूनाइटेड किंगडम के बीच एक सहयोगात्मक प्रयास है। इसका उद्देश्य ऑस्ट्रेलिया को उन्नत परमाणु-संचालित हमलावर पनडुब्बियां प्रदान करना है। इन पनडुब्बियों को 2030 के दशक की शुरुआत में तैनात किया जाना है और इनका उद्देश्य भारत-प्रशांत क्षेत्र में चीन की बढ़ती महत्वाकांक्षाओं का मुकाबला करना है। ब्रिटेन के रक्षा मंत्रालय ने एक बयान में कहा कि बीएई सिस्टम्स, रोल्स-रॉयस और बैकॉक के साथ अनुबंध ब्रिटेन और त्रिपक्षीय एयूकेयूएस कार्यक्रम के लिए महत्वपूर्ण है। एसएसएन-एयूकेयूएस के नाम से जानी जाने वाली नई पनडुब्बियां रॉयल नेवी द्वारा संचालित अब तक की सबसे बड़ी, सबसे उन्नत और सबसे शक्तिशाली हमलावर पनडुब्बियां होंगी। बता दें, एसएसएन-एयूकेयूएस की योजनाओं का अनावरण मार्च में ऑस्ट्रेलिया, यूके और यूएस के नेताओं द्वारा किया गया था और यह तब हुआ जब तीनों देशों ने एशिया प्रशांत क्षेत्र में चीन का मुकाबला करने के लिए अपने प्रयासों को तेज कर दिया है।

एयूकेयूएस के पीछे का उद्देश्य

एयूकेयूएस में 2028 तक विकास कार्य शामिल होंगे, जिससे बीएई सिस्टम्स को पनडुब्बी कार्यक्रम के विस्तृत डिजाइन फेज को शुरू करने और लंबी अवधि की वस्तुओं की खरीद शुरू करने में सक्षम बनाया जाएगा। बीएई सिस्टम्स के मुख्य कार्यकारी चार्ल्स वुडबर्न ने कहा कि यह कॉन्ट्रैक्ट हमारे यूके पनडुब्बी बिजनेस को सरकार के समर्थन को मजबूत करता है और हमें डिजाइन को परिपक्व करने और महत्वपूर्ण स्किल और इंफ्रास्ट्रक्चर में निवेश करने की अनुमति देता है। इस प्रयास का प्राथमिक फोकस एयूकेयूएस के नीचे अत्याधुनिक शिकारी पनडुब्बियों का एक बेड़ा बनाना है। ब्रिटेन के रक्षा मंत्री ग्रांट शॉप्स ने कहा कि ये पनडुब्बियां रॉयल नेवी को सशक्त बनाएंगी।

'समलैंगिक संघों को आशीर्वाद देने के कुछ तरीके हो सकते हैं', पोप फ्रांसिस ने कार्डिनलों को दिया सुझाव

वेटिकन सिटी।
वेटिकन सिटी में एक बड़ी धर्मसभा का आयोजन होने वाला है। धर्मसभा से पहले पोप फ्रांसिस ने पांच कार्डिनलों द्वारा पूछे गए सवाल का जवाब देते हुए सुझाव दिया। पोप ने कहा कि समलैंगिक संघों को आशीर्वाद देने के कुछ तरीके हो सकते हैं। दरअसल, एक दिन पहले पांच रूढ़िवादी कार्डिनलों ने पोप से समलैंगिकता और महिलाओं की भूमिका को लेकर कैथोलिक शिक्षा की पुष्टि करने का अनुरोध किया था।

आशीर्वाद को शादी से भ्रमित न करें

वेटिकन ने एक बयान जारी किया। बयान में फ्रांसिस ने सुझाव दिया कि समलैंगिक संघों को दिए जाने वाले आशीर्वाद का अध्ययन किया जा सकता है। अगर वे आशीर्वाद को शादी से भ्रमित न करें। एलजीबीटीक्यू+कैथोलिकों का समर्थन करने वाली न्यू वेज मिनिस्ट्री ने कहा कि एलजीबीटीक्यू+कैथोलिकों के लिए चर्च खोलना महत्वपूर्ण है। वेटिकन सिटी का कहना है कि स्त्री-पुरुष विवाह न टूटने वाला एक संबंध है। इसी वजह से समलैंगिक विवाहों को अपनाया नहीं जा सका है।

पुजारी न्यायाधीश नहीं बन सकते

पोप फ्रांसिस ने एक नए पत्र में कहा कि पुरुष और स्त्री का मिलन विवाह है। समलैंगिक संघों और आशीर्वादों के बारे में उनका कहना है कि देहाती दान के लिए धैर्य और समझ की आवश्यकता होती है। पुजारी न्यायाधीश नहीं बन सकते। साल 2021 में कांग्रेगेशन ने स्पष्ट रूप से कहा था कि चर्च समलैंगिक संघों को आशीर्वाद नहीं दे सकता। क्योंकि भगवान पाप को आशीर्वाद नहीं देते।

चर्च के कुछ संस्कारों में भाग नहीं ले सकते

हाल ही में एक संवाददाता सम्मेलन में पोप फ्रांसिस से सवाल किया गया था कि पुर्तगाल की यात्रा के दौरान उन्होंने एक कार्यक्रम में कहा था कि चर्च सभी के लिए खुले हैं, सभी के लिए, लेकिन क्या ये असंगत नहीं है कि महिलाओं और समलैंगिकों को अन्य के मुकाबले कई अधिकार नहीं मिले हैंइसके जवाब में पोप फ्रांसिस ने कहा कि चर्च सभी के लिए खुले हैं, लेकिन चर्च के अंदर के जीवन को नियंत्रित करने के लिए कुछ नियम हैं और इनका पालन करना जरूरी है। पोप फ्रांसिस ने कहा कि नियमों के मुताबिक ये लोग चर्च के कुछ संस्कारों में भाग नहीं ले सकते। इसका मतलब ये नहीं है कि उन पर प्रतिबंध है। पोप फ्रांसिस ने कहा कि चर्च के भीतर हर व्यक्ति को अपने तरीके से भगवान का सामना करना होता है। बता दें कि चर्च में महिलाओं को पुजारी बनने की इजाजत नहीं है। साथ ही समलैंगिक जोड़े को चर्च में विवाह करने की इजाजत नहीं है।

पोप फ्रांसिस ने किए हैं कई सुधार

बता दें कि पोप फ्रांसिस लगातार एलजीबीटी समुदाय के लिए चर्चों को ज्यादा स्वागतयोग्य बनाने के प्रयास कर रहे हैं। अपने बीते 10 साल के कार्यकाल के दौरान पोप फ्रांसिस ने कई सुधार किए हैं, जिनमें महिलाओं को चर्च में ज्यादा भूमिका देना, खासकर वेटिकन सिटी में उच्च पदों पर महिलाओं की नियुक्ति जैसे कदम शामिल हैं।

राजौरी में सुरक्षाबलों और आतंकियों के बीच मुठभेड़ : दो जवान घायल

राजौरी (हिंस)। जम्मू-कश्मीर के राजौरी जिले में सूम और ब्रोह गांव के जंगली इलाके में सुरक्षाबलों और आतंकियों के बीच मुठभेड़ में सेना के दो जवान घायल हो गए। सोमवार को भारतीय सेना, जम्मू-कश्मीर पुलिस और सीआरपीएफ की संयुक्त टीम ने आतंकियों की मौजूदगी के संदेह में सूम और ब्रोह गांवों के जंगली इलाकों की घेराबंदी कर व्यापक तलाशी अभियान शुरू किया। बताया गया है कि इस दौरान सोमवार देरशाम आतंकियों ने सुरक्षाबलों पर गोलीबारी शुरू कर दी। इसके बाद मुठभेड़ शुरू हो गई। मुठभेड़ के दौरान रात तक भीषण गोलीबारी जारी रही। इसमें सेना के दो जवान घायल हो गए। दोनों को राजौरी के सेना अस्पताल में भर्ती कराया गया है। मंगलवार सुबह सुरक्षाबलों ने आतंकवादियों के खिलाफ अभियान तेज कर दिया।

हाउसिंग बोर्ड में निकाली गई 258 पदों पर भर्ती के लिए परीक्षा का परिणाम जारी

446 अभ्यर्थी पास

जयपुर (हिंस)। राजस्थान हाउसिंग बोर्ड में निकाली गई 258 पदों पर भर्ती के लिए हुई परीक्षा का परिणाम जारी कर दिया गया है। बोर्ड की इस परीक्षा में 10 अलग-अलग पदों पर निकाली गई भर्ती में कुल 446 अभ्यर्थी ही पास हुए हैं। इसमें जूनियर असिस्टेंट और ड्राफ्टमैन के पदों पर जितने भी लोग पास हुए है उन सभी को नौकरी मिलेगी, क्योंकि इन पदों पर जितनी संख्या में भर्ती की जानी है, उससे आधे अभ्यर्थी ही पास हुए हैं। बोर्ड की ओर से जारी किए परिणाम के अनुसार कनिष्ठ सहायक (जूनियर असिस्टेंट) के 50 पदों पर भर्ती के लिए हुई परीक्षा में सिर्फ 18 लोग ही पास हुए। कनिष्ठ प्रारूपकार (जूनियर ड्राफ्टमैन) के 10 पदों पर पर करवाई गई परीक्षा में बोर्ड को केवल एक ही योग्य अभ्यर्थी मिला। इसके अलावा कम्प्यूटर ऑपरेटर (सहायक प्रोग्रामर) के छह पदों पर सात अभ्यर्थी, कनिष्ठ परियोजना अभियंता (विद्युत डिग्री) के 11 पदों पर 27 अभ्यर्थी, कनिष्ठ परियोजना अभियंता (सिविल डिग्री) के 40 पदों पर 82 अभ्यर्थी और कनिष्ठ विधि अधिकारी (जूनियर लॉ ऑफिसर) के नौ पदों पर 24 अभ्यर्थी ही परीक्षा में पास हो सके। हाउसिंग बोर्ड ने भर्ती के लिए आठ से ग्यारह सितंबर तक परीक्षा करवाई थी। जबकि, इन पदों पर भर्ती के लिए कुल 59 हजार 968 लोगों के आवेदन आए थे। इनमें से 40 हजार 182 अभ्यर्थियों ने परीक्षा दी थी। बोर्ड को इस सीधी भर्ती परीक्षा में एक पद के लिए तीन गुना अभ्यर्थियों को पास करना था। बोर्ड की ओर से 10 पदों पर हुई भर्ती परीक्षा में जूनियर अकाउंटेंट और सूचना सहायक ही ऐसे पद रहे, जिन पर बोर्ड को तीन गुना से ज्यादा योग्य अभ्यर्थी मिले। कनिष्ठ लेखाकार (जूनियर अकाउंटेंट) के 50 पदों पर 169 अभ्यर्थी परीक्षा में पास हुए, जो तीन गुना से ज्यादा है। इसके अलावा वरिष्ठ प्रारूपकार (सीनियर ड्राफ्टमैन) के चार पदों पर 12 अभ्यर्थी और डाटा एंट्री ऑपरेटर (सूचना सहायक) के 18 पदों पर 57 अभ्यर्थी पास हुए हैं। सहायक प्रोग्रामर के लिए कुल 1735, (जूनियर) सिविल डिप्लोमा के लिए 6374, सूचना सहायक के लिए 5285, जूनियर अकाउंटेंट के लिए 16422, (जूनियर) सिविल डिग्री के लिए 9523, कनिष्ठ प्रारूपकार के लिए 343, (जूनियर) इलेक्ट्रिक डिग्री के लिए 2553, कनिष्ठ सहायक के लिए 13909, कनिष्ठ विधि अधिकारी के लिए 3440 और वरिष्ठ प्रारूपकार के लिए 384 अभ्यर्थियों ने आवेदन किया था।

लखीमपुर खीरी की घटना के विरोध में एसकेएम ने काला दिवस मनाया

यमुनानगर (हिंस)। देश भर के किसान व श्रमिकों ने दो वर्ष पहले उत्तर प्रदेश के लखीमपुर खीरी में आंदोलन के दौरान शहीद किसानों व पत्रकार के आरोपी केंद्रीय गृह राज्य मंत्री अजय मिश्रा टेनी की बर्खास्तगी और उसके खिलाफ मुकदमा चलाने की मांग को लेकर मंगलवार को विरोध प्रदर्शन कर पुतला फूंककर काला दिवस मनाया। इसी कड़ी में यमुनानगर में लघु सचिवालय के सामने अनाज मंडी गेट पर संयुक्त किसान मोर्चा के आह्वान पर किसान, श्रमिक व आशा वर्कर्स ने पुतला दहन कर काला दिवस मनाया। संयुक्त किसान मोर्चा की मुख्य मांग थी कि 2021 में आज ही के दिन उत्तर प्रदेश के लखीमपुर खीरी में चल रहे किसान आंदोलन में गृह राज्य मंत्री अजय मिश्रा टेनी ने एक साजिश के तहत आंदोलन को कुचलने का काम किया था, जिसमें 4 किसान और 1 पत्रकार शहीद हो गए थे। हमारी मांग है केंद्र सरकार उसे बर्खास्त करें और उसके खिलाफ मुकदमा चलाए। इस मौके पर भाकियू टिकैत के जिला प्रधान सुभाष गुर्जर व भाकियू चढूनी के जिला अध्यक्ष संजू गुंदियाना ने संयुक्त रूप से कहा कि किसानों पर हुए नरसंहार की सोची समझी साजिश में गृह राज्य मंत्री अजय मिश्रा टेनी और उसका बेटा आशीष मिश्रा टेनी शामिल थे। उन्होंने कहा कि केंद्र सरकार ने आज तक भी उसे मंत्री पद से नही हटाया है। सरकार जल्द से जल्द मंत्री पद से उसे बर्खास्त करे और उसके खिलाफ मुकदमा चलाए। अगर सरकार हमारी मांगे नहीं मानती, तो किसान पहले की तरह दिल्ली में एक बार फिर से आंदोलन करने पर मजबूर हो जाएंगे।आशा वर्कर्स ने थालियां बजाकर उनका समर्थन किया और सरकार विरोधी नारे लगाए। इस मौके पर बड़ी संख्या में किसान शामिल रहें।

राजस्थान में बीस आईपीएस अधिकारियों के तबादले

जयपुर (हिंस)। विधानसभा चुनाव से पहले कार्मिक विभाग (क-1) ने भारतीय पुलिस सेवा (आईपीएस) के बीस अधिकारियों के तबादले किए हैं। राज्यपाल के आदेश से संयुक्त शासन सचिव ने तबादलों की सूची जारी की है। जारी सूची के अनुसार प्रीति चंद्रा को उप महानिरिक्षक आर्म्ड बटालियन जयपुर, ओमप्रकाश को उप महानिरिक्षक एसडीआरएफ जयपुर, राजकुमार गुप्ता को पुलिस अधीक्षक सुरक्षा जयपुर, आलोक श्रीवास्तव को पुलिस अधीक्षक एसओजी जयपुर, पूजा अवाना को पुलिस अधीक्षक जीआरपी अजमेर, आदर्श सिद्धू को कमांडेट 12वीं बटालियन आरएसी नई दिल्ली, देवेंद्र कुमार विश्नोई को पुलिस अधीक्षक झुंझुनूं, श्याम सिंह को पुलिस अधीक्षक भीलवाड़ा, नारायण टोगस को पुलिस उपायुक्त जयपुर मेट्रो रेल कॉरपोरेशन जयपुर, मनीष त्रिपाठी को पुलिस अधीक्षक केकड़ी, कृष्णचंद को पुलिस अधीक्षक शाहपुरा, लक्ष्मण दास को पुलिस अधीक्षक साइबर क्राइम जयपुर, राजेश कुमार यादव को पुलिस अधीक्षक गंगापुर सिटी, हनुमान प्रसाद मीणा को पुलिस उपायुक्त यातायात जोधपुर, राजेश कुमार कांवट को पुलिस आयुक्त क्राइम पुलिस आयुक्तालय जयपुर, नरेंद्र कुमार मीणा को पुलिस अधीक्षक दूदू, रमेश मौर्य को पुलिस उपायुक्त मुख्यालय जोधपुर, राजेंद्र कुमार मीणाा को पुलिस उपायुक्त क्राइम जोधपुर, सुनील कुमार को कमांडेट 5वीं बटालियन आरएसी जयपुर, सुजीत शंकर को सहायक पुलिस अधीक्षक चौमूं जयपुर ग्रामीण लगाया गया है।

संयुक्त किसान मोर्चा ने काला दिवस मना फूंका केंद्रीय गृह राज्यमंत्री का पुतला

सड़कों पर उतरकर किया प्रदर्शन, मंत्री को पद से हटाने की मांग

कैथल (हिंस)। संयुक्त किसान मोर्चा के बैनर तले किसानों ने एकत्रित होकर सड़कों पर उतरकर भाजपा सरकार के खिलाफ प्रदर्शन किया। गुस्साएं प्रदर्शनकारी किसानों ने सचिवालय के सामने करनाल रोड पर केंद्रीय गृह राज्यमंत्री अजय मिश्रा व प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का पुतला फूंका। किसानों का कहना था कि सरकार ने उनकी मांगें नहीं मान रही है। मंगलवार का दिन उन्होंने काले दिवस के रूप में मनाया। भाकियू के कलायत ब्लाक प्रधान जिले सिंह मोर ने कहा कि आज के ही दिन 3 अक्तूबर 2021 को लखीमपुर में केंद्रीय गृह राज्यमंत्री अजय मिश्रा ने बेटे ने चार किसानों व एक पत्रकार की गाड़ी चढ़ाकर हत्या कर दी थी। किसानों की मांग थी कि मंत्री को पद से हत्या जाए और पीड़ित परिवारों को न्याय दिया जाए। प्रदर्शन का संचालन कर रहे भाकियू के प्रदेश कोषाध्यक्ष सतपाल दिल्लोवाली ने दो वर्ष बीत जाने के बाद भी ना तो मृतकों के परिवारों को न्याय मिला और ना ही केंद्रीय गृह राज्यमंत्री अजय मिश्रा को पद से हटाया गया है। इससे किसानों में गुस्सा है। सरकार की इस बात से नाराज किसानों ने आज काला दिवस मनाते हुए केंद्रीय गृह राज्यमंत्री अजय मिश्रा व प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का पुतला फूंका। सतपाल दिल्लोवाली ने कहा कि सरकार किसानों की मांगें न मानकर हड़धर्मिता पर अड़ी है। उन्होंने कहा कि आज धान के सीजन में किसान परेशान है। उसे मंडी में फसल डालने के लिए जगह नहीं मिल रही है। उठान न होने के कारण भारी परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है। उन्होंने कहा कि उठान ना होने के कारण कैथल की तीनों मंडियों में जाम लगा है। इस मौके पर उनके साथ भाकियू जिलाध्यक्ष गुरनाम, जसवंत सिंह, कृष्ण, प्रदीप कुराड़, बनी सिंह राणा, कपिल गढ़ी, जयपाल, नरेश आदि भी उपस्थित थे।

जयपुर सहित उत्तर भारत में भूकंप के झटके घरों और ऑफिसों से बाहर निकले लोग

जयपुर (हिंस)। राजस्थान सहित उत्तर भारत में मंगलवार को भूकंप के झटके महसूस किए गए। राजधानी जयपुर, भरतपुर, अलवर सहित कई जिलों में भूकंप के झटके महसूस होने के बाद लोग कार्यालय और घरों से बाहर आ गए। भूकंप के झटके लगने के बाद जयपुर की एक कॉलोनी में रहने वाली महिला लड्डूगोपाल की मूर्ति को लेकर घर से बाहर निकल आई। वहां मौजूद लोग यह देखकर हैरान रह गए। नेशनल सेंटर फॉर सिस्मॉलोजी के अनुसार, इस भूकंप की तीव्रता 6.2 मापी गई। जिसका केंद्र नेपाल के दिपायल से 38 किलोमीटर दूर जमीन से पांच किमी गहराई में था। अचानक आए झटकों से दहशत मच गई। लोग अपने ऑफिस और घरों से निकल कर बाहर आ गए। भूकंप से जान-माल के नुकसान की कोई खबर नहीं है। नेशनल सेंटर फॉर सीस्मोलॉजी (एनसीएस) ने कहा है कि नेपाल में रिक्टर पैमाने पर 6.2 तीव्रता का भूकंप आने के बाद मंगलवार दोपहर 2-51 बजे तेज झटके महसूस किए गए। एनसीएस ने कहा, भूकंप का केंद्र नेपाल में था और गहराई पांच किलोमीटर थी। जयपुर के अतिरिक्त राजस्थान के अलवर, भिवाड़ी, भारतपुर से भी भूकंप की खबर है। बताया जा रहा है कि अलवर, भिवाड़ी समेत आस-पास के इलाकों में भूकंप के झटके महसूस किए गए। भिवा ?ी में दहशत के बाद लोग घरों से बाहर निकल आए। इसके अलावा बाजारों में भी भूकंप की खबर से हड़कंप मच गया। मंगलवार दोपहर दिल्ली में 2.53 मिनट पर जबकि जयपुर में 2.55 मिनट पर भूंकप के झटके महसूस किए गए। दफ्तर और हाइराइज बिल्डिंग में लोग भूकंप के झटकों से घबरा गए। लोग घरों से बाहर आने लगे।

आशा वर्करों ने थाली बजाकर निकाली आक्रोश रैली

फरीदाबाद (हिंस)। हड़ताली आशा वर्करों ने मंगलवार को एनएच 5 में थाली बजाते हुए आक्रोश रैली निकाली। रैली से पूर्व हड़ताली आशा वर्कर नगर निगम मुख्यालय बीके चौक पर एकत्रित हुईं और वहां से बड़ल विधानसभा क्षेत्र की विधायक सीमा त्रिखा के आफिस के लिए कूच किया। रैली एनएच 5 की मार्केट से होते हुए केएल मेहता कालेज की रेड लाइट क्रास कर रही थी, उसी समय सीमा त्रिखा के निजी सचिव पहुंचे। आशा वर्करों ने सीमा त्रिखा के नाम संबोधित ज्ञापन उनके निजी सचिव को सौंपा और आवश्यक आगामी कार्रवाई करने की मांग की। निजी सचिव ने आशा वर्करों को आश्वासन दिया कि अगले दो दिन में आशा वर्करों के प्रतिनिधि मंडल की विधायक से मुलाकात करवाई जाएगी। रैली एवं आक्रोश प्रदर्शन की अध्यक्षता रेखा ने की और संचालन अनीता ने किया। आशा वर्करों को नगर निगम मुख्यालय पर संबोधित करते हुए अखिल भारतीय राज्य सरकारी कर्मचारी महासंघ के अध्यक्ष सुभाष लांबा ने कहा कि राज्य की 20 हजार आशा वर्कर, सरकारी कर्मचारी का दर्जा, 26 हजार रुपए न्यूनतम वेतन, इंसेंटिव में 50 प्रतिशत कटौती बहाली, ईएसआई व ईपीएफ की सुविधा देने, रिटायरमेंट उम्र 65 साल करने और रिटायरमेंट पर सम्मानजनक पेंशन व ग्रेज्यूटी देने आदि मांगों को लेकर 8 अगस्त से हड़ताल पर हैं। आशा वर्कर यूनियन की जिला उपाध्यक्ष रेखा व सुशीला चौधरी ने कहा कि आशा वर्कर केंद्रीय राज्यमंत्री कृष्ण पाल गुर्जर, कैबिनेट मंत्री मूलचंद शर्मा व सभी विधायकों के आवास/आफिस पर पहुंच कर अपनी मांगों के ज्ञापन सौंप चुकी हैं और 25 सितंबर को जेल भरो आंदोलन के तहत सामूहिक गिरफ्तारियां दे चुके हैं। लेकिन किसी भी मंत्री एवं विधायक ने आशाओं की मांगों को गंभीरता से नहीं लिया। उन्होंने कहा कि हम इसको याद रखेंगे और चुनावों के समय मंत्री एवं विधायकों को इसका माकूल जवाब दिया जाएगा। सीटू के अध्यक्ष निरंतर पाराशर ने कहा कि आगामी चुनावों में भाजपा जजपा को आशा वर्करों एवं उनके परिजनों के भारी आक्रोश का सामना करना पड़ेगा।

बिजली बिल स्लैब खत्म करने से हजारों परिवारों को मिलेगा लाभ : चौहान

यमुनानगर (हिंस)। बीपीएल कार्ड धारकों के लिए 12 हजार रुपए वार्षिक बिजली बिल की स्लैब खत्म करने पर यमुनानगर के मेयर मदन चौहान ने मुख्यमंत्री मनोहर लाल का आभार जताया। वहीं, सरसों का तेल लेने के लिए बीपीएल कार्ड धारकों की वार्षिक आय की सीमा 1.20 लाख से बढ़ाकर 1.80 लाख रुपए करने पर भी धन्यवाद किया है। मेयर मदन चौहान ने मंगलवार को यह जानकारी देते हुए बताया कि मुख्यमंत्री की इन दोनों घोषणाओं के लागू से होने से अगले माह से 1.80 लाख रुपए वार्षिक आय वाले बीपीएल परिवारों को भी डिपो से सरसों का तेल व दाल मिल सकेगी। उन्होंने कहा कि ये घोषणाएं कर मुख्यमंत्री मनोहर लाल ने बीपीएल कार्ड धारकों के लिए बड़ी राहत दी है।

न्यायपालिका में भ्रष्टाचार को लेकर दिए बयान पर राजस्थान के सीएम ने मांगी माफी, सुनवाई 7 नवंबर को

जयपुर (हिंस)। न्यायपालिका में भ्रष्टाचार को लेकर बयानबाजी करने के मामले में मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने राजस्थान हाई कोर्ट में अपना जवाब दाखिल किया है। इसे रिकॉर्ड पर लेते हुए अदालत ने मामले की सुनवाई सात नवंबर को तय की है। मुख्य न्यायाधीश एजी मसीह और जस्टिस एमएम श्रीवास्तव की खंडपीठ ने यह आदेश पूर्व न्यायिक अधिकारी शिवचरण गुप्ता की जनहित याचिका पर दिए। सीएम की ओर से अधिवक्ता प्रतीक कासलीवाल ने जवाब पेश कर कहा कि कई पूर्व न्यायाधीशों ने कई बार न्यायपालिका में भ्रष्टाचार की बात कही है और उन्होंने भी इस आधार पर ही यह बात कही थी। यह उनके स्वयं के विचार नहीं है। वह न्यायपालिका के प्रति पूरा सम्मान रखते हैं। इसके बावजूद उनके बयान से न्यायपालिका को ठेस पहुंची तो वे इसके लिए बिना शर्त माफी मांगते हैं। जनहित याचिका में मीडिया रिपोर्ट्स का हवाला देते हुए कहा गया कि मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने न्यायपालिका के खिलाफ बयानबाजी की है। सीएम गहलोत ने न्यायपालिका में गंभीर भ्रष्टाचार का आरोप लगाते हुए कहा कि उन्होंने सुना है कि कोर्ट के फैसले तक वकील लिखते हैं और वे जो लिखकर लाते हैं, वहीं फैसला आता है। चाहे निचली न्यायपालिका हो या उच्च, हालात गंभीर हैं। देशवासियों को इस संबंध में सोचना चाहिए। जनहित याचिका में कहा गया कि मुख्यमंत्री का यह बयान न्यायपालिका की गरिमा को ठेस पहुंचाने वाला और प्रतिष्ठा को गिराने वाला है। याचिका में कहा गया है कि गहलोत ने न सिर्फ न्यायिक अधिकारियों बल्कि वकीलों की प्रतिष्ठा को नीचा दिखाने वाला बयान दिया है। याचिका में गुहार की गई है कि जनहित याचिका पर सुनवाई करते हुए स्वप्रेरणा से अदालती अवमानना को लेकर सीएम अशोक गहलोत के खिलाफ अवमानना की कार्रवाई अमल में लाई जाए।

गौवंश की ऐसी दुर्गति पहले कभी नहीं हुई : दीपेंद्र हुड्डा

सोनीपत (हिंस)। सांसद दीपेंद्र हुड्डा ने धर्मार्थ गौशाला सिसाना के 121वें वार्षिकोत्सव पर आयोजित कार्यक्रम में कहा कि गौवंश की जो दुर्गति इस सरकार में हुई वो पहले कभी नहीं हुई। गौवंश के प्रति सरकार में बैठे लोगों का बस इतना ही योगदान है कि वो गौमाता की जय बोल दे रहे हैं। केवल गौ माता की जय बोलने से गौवंश की रक्षा नहीं हो सकती। दीपेंद्र हुड्डा ने सोमवार की देर शाम कहा कि गाय हमारी सनातन संस्कृति की प्रतीक है और उसकी सेवा करना हमारा दृढ़ संकल्प है। हरियाणा की बीजेपी-जेजेपी सरकार गौवंश के लिए नाम मात्र का अनुदान देती है जो प्रति गौवंश के हिसाब से ऊंट के मुंह में जीरे के समान है। पड़ोसी राज्यों राजस्थान, हिमाचल प्रदेश, उत्तर प्रदेश व मध्य प्रदेश की सरकारें गौवंश के लिए गौशालाओं को प्रतिदिन प्रति गाय के हिसाब से अनुदान राशि देती हैं। सरकार को बढ़ती महंगाई देखते हुए अनुदान राशि में समुचित बढ़ोत्तरी करनी चाहिए। सरकार ग्रामीण-शहरी क्षेत्रों में छुट्टा पशुओं के चारे व रहने की व्यवस्था सुनिश्चित करे और पर्याप्त बजट दे। उन्होंने कहा कि प्रदेशभर में बेसहारा पशुओं की समस्या भी बढ़ती जा रही है। मुख्यमंत्री जी खुद मान रहे हैं कि सड़कों पर बहुत सारा गौवंश घूमता है। सरकार ने विधानसभा में खुद माना था कि 5 वर्षों में 900 से अधिक लोग बेसहारा पशुओं के कारण सड़क हादसे में अपनी जान गंवा चुके हैं और 3000 से ज्यादा लोग इन दुर्घटनाओं में घायल हुए हैं। प्रमुख रूप से विधायक जयवीर बाल्मिकी, विधायक इंदुराज नरवाल, पूर्व विधायक सुखबीर फरमाना, पूर्व विधायक पदम दहिया, गौशाला के प्रधान रणदीप कुलदीप प्रधान, सुरेश प्रधान, चांद पहलवान, सुनील, शमशेर सिलाना, संजय बड़वासनी, रमेश चेयरमैन, रमेश प्रधान, राम सिंह प्रधान, गौशाला सिसाना की समस्त कार्यकारिणी सदस्य इस मौके उपस्थित रहे।

पंजाब में धान की खरीद शुरू

सीएम मान ने पूर्व सीएम चन्नी के क्षेत्र में किया उद्घाटन

चमकौर साहिब (हिंस)। पंजाब के मुख्यमंत्री भगवंत सिंह मान ने मंगलवार को पूर्व मुख्यमंत्री चरणजीत सिंह चन्नी के गृहक्षेत्र चमकौर साहिब की अनाज मंडी से राज्य में धान के खरीद कामों की शुरुआत औपचारिक तौर पर की। इस मौके पर मुख्यमंत्री ने खाद्य और सिविल सप्लाई विभाग को एक अक्तूबर से शुरू हुए खरीफ सीजन के दौरान खरीद में तेजी लाने के आदेश दिए। किसानों के साथ बातचीत करते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि सरकार किसानों की फसल का एक-एक दाना खरीदने के लिए वचनबद्ध है। इतिहास में यह पहली बार हुआ है कि धान की खरीद के पहले दिन ही फसल की लिफ्टिंग शुरू हो चुकी है, जो अपने आप में रिकार्ड है। मुख्यमंत्री ने कहा कि खरीद, लिफ्टिंग और अदायगी उसी दिन की जाएगी और इस समूची प्रक्रिया को डिजिटल विधि के साथ कार्यशील किया जाएगा। मुख्यमंत्री ने एक बटन दबा कर डिजिटल ढंग के साथ भुगतान करने की पहल की शुरुआत करते हुए एक किसान को धान की अदायगी ट्रांसफर की। किसानों को पूसा- 44 और धान की अन्य संबंधित किस्मों की काश्त बंद करने की अपील करते हुए भगवंत सिंह मान ने कहा कि इन किस्मों की काश्त बंद की जानी चाहिए। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार ने अगले सीजन से इन किस्मों पर पाबंदी लगाने का फैसला पहले ही कर लिया है। मुख्यमंत्री ने कहा कि पानी की अधिक खपत वाली यह किस्में कटाई के लिए भी अधिक समय लेती हैं और बहुत पराली पैदा करती हैं। भगवंत सिंह मान ने कहा कि ट्रकों में जीपीएस जैसी अत्याधुनिक तकनीकों के प्रयोग से लिफ्टिंग की समस्या हल हो जाएगी। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार की तरफ से नियमों में ढील देने के बाद 654 नए शैलरों ने अपना काम शुरू कर दिया है। मुख्यमंत्री ने कहा कि बाढ़ के मुआवजे का वितरण पहले ही शुरू कर दिया गया है और एक-एक पैसे का नुकसान राज्य सरकार द्वारा अदा किया जाएगा। उन्होंने बताया कि बाढ़ों के कारण हुए नुकसान की भरपाई के लिए राज्य सरकार के पास प्रांतीय आपदा राहत फंड में काफी पैसा है। भगवंत सिंह मान ने धान के खरीद कामों के लिए नोडल एजेंसी खाद्य और सिविल सप्लाई विभाग को धान की खरीद और भंडारण के लिए सभी जरूरी प्रबंधों को यकीनी बनाने के लिए कहा। अपनी सरकार की दृढ़ वचनबद्धता को दोहराते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि किसानों की फसल का एक- एक दाना खरीदा जाएगा।

पूर्व सीएम वसुंधरा राजे ने तनोट माता मंदिर में की पूजा-अर्चना

जैसलमेर (हिंस)। राजस्थान की पूर्व सीएम वसुंधरा राजे मंगलवार को एक दिवसीय दौरे पर भारत पाकिस्तान सीमा पर स्थित तनोट माता के दर्शन करने तनोट पहुंची। पूर्व सीएम के हेलीपेड पहुंचने पर भाजपा के जिलाध्यक्ष चन्द्रप्रकाश शारदा के नेतृत्व में उनका भव्य स्वागत किया गया। पूर्व सीएम ने तनोट स्थित बीएसएफ के परिसर में विजय स्तंभ पर पुष्प अर्पित किए। बीएसएफ परिसर में डीआईजी योगेन्द्रसिंह राठौड़ ने अगवानी कर उन्हें बीएसएफ परिसर में स्थित मंदिर परिसर में हो रहे कार्यों की जानकारियां साझा की। तनोट माता मंदिर में दर्शन तथा विधिवत पूजा अर्चना कर उन्होंने देश प्रदेश में अमन चैन व खुशहाली की कामना की। तत्पश्चात उन्होंने मंदिर परिसर में मन्नत मांगते हुए रूमाल बांधा वहीं बीएसएफ के अधिकारियों ने माता की तस्वींर, प्रसाद व चुनरी भेंट की। बाद में राजे तनोट से भादरिया के लिए रवाना हुई।

राहुल गांधी ने दूसरे दिन भी की दरबार साहिब में कार सेवा, जूठे बर्तन धोए

चंडीगढ़(हिंस)। कांग्रेस सांसद राहुल गांधी पिछले दो दिन से दरबार साहिब में सेवा कर रहे हैं, लेकिन वह कब तक यहां रुकेंगे, इसे लेकर भी किसी के पास कोई जानकारी नहीं है। मंगलवार को उन्होंने सब्जी काटी और जूठे बर्तन धोए। इसके बाद उन्होंने आए हुए श्रद्धालुओं को लंगर भी बांटा। छबील पर बैठकर काफी समय तक पानी की सेवा भी की। राहुल गांधी अपने निजी दौरे पर सोमवार को अमृतसर पहुंचे थे। यहां माथा टेकने के राहुल गांधी अमृतसर में ही रूक गए। सोमवार को रात 12 बजे तक राहुल गांधी दरबार साहिब में ही थे। इसके बाद राहुल गांधी मंगलवार को अल सुबह सेवा करने दरबार साहिब पहुंच गए। मंगलवार को वह दिन के समय भी 24 घंटे में तीसरी बार दरबार साहिब पहुंचे। यहां उन्होंने सबसे पहले लंगर घर में महिलाओं के साथ सब्जी काटी और जूठे बर्तन धोए। इसके बाद उन्होंने आए हुए श्रद्धालुओं को लंगर भी बांटा। उन्होंने परिक्रमा में छबील पर बैठकर काफी समय तक पानी की सेवा की। ये देख श्रद्धालु भी हैरान थे। लोग खुद करीब जाकर उनसे बात भी कर रहे थे और पानी भी ले रहे थे। इस दौरान राहुल गांधी ने पालकी साहिब के दर्शन भी किए। गुरुघर के द्वार बंद होने के बाद राहुल गांधी साफ-सफाई की सेवा में जुट गए। उन्होंने कपड़ा पकड़ा और रेलिंग की सफाई का काम शुरू कर दिया।

आम आदमी पार्टी झूठ की राजनीति करती है : कंवरपाल

यमुनानगर (हिंस)। राज्य के स्कूल शिक्षा मंत्री कंवरपाल ने कहा कि आम आदमी पार्टी झूठ की राजनीति कर रही है। आधे-अधूरे वीडियो पोस्ट कर जनता को भ्रमित कर रही है। मंगलवार को मंत्री कंवरपाल ने यहां कहा कि हरियाणा सरकार पूरे प्रदेश में 14 हजार से ज्यादा सरकारी स्कूलों का संचालन कर रही है। वर्तमान हरियाणा सरकार पायलट प्रोजेक्ट के तहत सरकारी स्कूलों में सभी सुविधाएं उपलब्ध करवाने पर कार्य कर रही है। इसकी शुरुआत जिला करनाल व जिला यमुनानगर में पायलट प्रोजेक्ट के तौर पर भी हो चुकी है। उन्होंने बताया कि आप के लोग हरियाणा के सरकारी विद्यालयों के आधे-अधूरे वीडियो पोस्ट कर जनता को गुमराह करने का कार्य कर रहे हैं, लेकिन हरियाणा की समझदार जनता उनके बहकावे में नहीं आने वाली है। उन्होंने कहा कि हाल ही में आप के लोगों ने गांव भीलपुरा के सरकारी विद्यालय का आधा-अधूरा वीडियो पोस्ट कर लोगों को भ्रमित करने का कार्य किया जबकि सच्चाई इससे कोसों दूर है।

400 से अधिक भारतीय कंपनियों ने वियतनाम में किया है निवेश, देश के महावाणिज्य दूत ये बोले

नई दिल्ली ।
वियतनाम के हो ची मिन्ह शहर में भारत के महावाणिज्य दूत मदन मोहन सेठी ने भारत और वियतनाम के बीच सौहार्दपूर्ण और मैत्रीपूर्ण संबंधों पर प्रकाश डाला और 2000 वर्षों से अधिक पुरानी सभ्यता के माध्यम से उनके ऐतिहासिक संबंधों पर जोर दिया। उन्होंने कहा, भारतकी छोटी और बड़ी 400 से अधिक कंपनियों ने वियतनाम में निवेश किया है जिसका कुल मूल्य एक अरब डॉलर से अधिक है। उन्होंने उल्लेख किया कि दोनों देशों ने व्यापार, रक्षा और रणनीतिक सहयोग सहित विभिन्न क्षेत्रों में सहयोग किया है। उन्होंने वियतनाम आने वाले भारतीय पर्यटकों की बढ़ती संख्या का उल्लेख किया, जिसमें हाल के दिनों में 400,000 से अधिक भारतीय और पर्यटकों के देश का दौरा करने का अनुमान है। सेठी ने कहा, जहां तक भारत और वियतनाम के बीच संबंधों का सवाल है, दोनों देशों के बीच बहुत सौहार्दपूर्ण और मैत्रीपूर्ण संबंध हैं। उन्होंने कहा कि दोनों देशों के बीच संस्कृति और सभ्यता की जड़ों के माध्यम से 2000 साल से अधिक पुराना ऐतिहासिक संबंध है। हाल के समय में, हमने वियतनाम के साथ व्यापार और वाणिज्य, रक्षा और सामरिक क्षेत्रों सहित कई क्षेत्रों में सहयोग किया है। उन्होंने भारत की यात्रा करने के लिए वियतनाम के यात्रियों के बीच बढ़ती रुचि का भी उल्लेख किया। महावाणिज्य दूत ने कहा, लेकिन पिछले साल जून के बाद से हो ची मिन्ह सिटी और हनोई जैसे शहरों के बीच कोलकाता, दिल्ली, मुंबई, अहमदाबाद और हाल ही में कोच्चि जैसे भारत के हमारे शहरों के साथ अधिक संपर्क के साथ हम देख रहे हैं कि सैकड़ों भारतीयऔर पर्यटक वियतनाम की यात्रा कर रहे हैं। उन्होंने कहा, इसलिए एक अनुमान के अनुसार, मुझे लगता है कि 400,000 से अधिक भारतीय पर्यटक पहले ही वियतनाम का दौरा कर चुके हैं और हम भारत की यात्रा करने वाले वियतनाम के लोगों की संख्या में भी वृद्धि देख रहे हैं। सेठी के अनुसार, वियतनाम का योग और बौद्ध धर्म के माध्यम से भारत के साथ संबंध है। उन्होंने कहा, आजकल हम उच्च शिक्षा, आईटी, स्वास्थ्य सेवा और पर्यटन सहित कई क्षेत्रों में साझेदारी और सहयोग विकसित करने के लिए वियतनाम के प्रांतों को भारत और राज्यों की यात्रा करने के लिए प्रोत्साहित कर रहे हैं।

न्यूज ब्रीफ

कच्चा तेल चार माह में 30 फीसदी महंगा हुआ, डीजल पर कंपनियों को पांच रुपये का घाटा

नई दिल्ली । पिछले चार माह में कच्चे तेल की कीमतें 30 फीसदी बढ़ चुकी हैं। इससे पेट्रोल और डीजल की महंगी कीमतों से जल्द राहत मिलने के आसार नहीं है। साथ ही घरेलू खुदरा बाजार में पिछले साल से स्थिर कीमतों के कारण सरकारी तेल विपणन कंपनियों को प्रत्येक लीटर डीजल पर पांच रुपये का नुकसान हो रहा है। हालांकि, पेट्रोल पर एक रुपये का फायदा हो रहा है। अंतरराष्ट्रीय बाजार में तेल के दाम सस्ते होने से अप्रैल-जून तिमाही में तेल कंपनियां पेट्रोल और डीजल पर जमकर मुनाफा कमा रही थीं। आईसीआईसीआई सिक्योरिटीज के मुताबिक, इस दौरान कंपनियों ने डीजल पर 8.6 रुपये प्रति लीटर और पेट्रोल पर नौ रुपये का मार्जिन कमाया था। पेट्रोल व डीजल की कीमतें न बढ़ने से चालू वित्त वर्ष में तेल कंपनियों की कमाई घट सकती है। इंडियन ऑयल को पहली तिमाही में 13,750 करोड़ और भारत पेट्रोलियम को 10,644 करोड़ का मुनाफा हुआ था। मोटे मुनाफे के बाद भी कंपनियों ने तेल के दाम नहीं घटाए। क्रिसिल के अनुसार, तीनों सरकारी तेल कंपनियों इंडियन ऑयल, भारत पेट्रोलियम और एचपीसीएल को मौजूदा वित्त वर्ष में एक लाख करोड़ रुपये के परिचालन लाभ होने का अनुमान है। यह बीते वर्ष के 33,000 करोड़ रुपये का तीन गुना है। कच्चे तेल की कीमतें दो महीने में 10 डॉलर प्रति बैरल बढ़ चुकी हैं। कुछ दिन पहले 95 डॉलर तक पहुंच गई। हालांकि, यह अभी 92 डॉलर प्रति बैरल पर हैं। भारत की सरकारी रिफाइनरियां उत्पादों की कीमत अंतरराष्ट्रीय कीमतों के अनुरूप तय करती हैं। जिस तरह का माहौल है, ऐसे में कच्चे तेल का भाव 100 डॉलर प्रति बैरल पहुंच सकता है। ऐसे में पेट्रोल और डीजल के सस्ते होने की उम्मीदों को और तेज झटका लग सकता है।

रियल्टी समूह एमउएम के निदेशकों बसंत बंसल और पंकज बंसल को सुप्रीम कोर्ट से जमानत

नई दिल्ली । सुप्रीम कोर्ट ने गुरुग्राम स्थित रियल्टी समूह एम3एम के निदेशकों बसंत बंसल और पंकज बंसल को धन शोधन के एक मामले में मंगलवार को जमानत दे दी। न्यायमूर्ति एएस बोपन्ना और न्यायमूर्ति संजय कुमार की पीठ ने वकीलों की दलीलें सुनने के बाद 11 सितंबर को फैसला सुरक्षित रख लिया था। बंसल बंधुओं ने पंजाब और हरियाणा उच्च न्यायालय के 20 जुलाई के आदेश के खिलाफ शीर्ष अदालत का रुख किया था जिसने उनकी जमानत याचिका खारिज करते हुए कहा था कि यह मामला काफी गंभीर प्रकृति का है। बसंत और पंकज बंसल को प्रवर्तन निदेशालय ने कथित रिश्वत मामले से जुड़ी धनशोधन जांच के सिलसिले में पहले गिरफ्तार किया था। शीर्ष अदालत ने 11 अगस्त को एक पूर्व न्यायाधीश के खिलाफ कथित रिश्वतखोरी के मामले से जुड़ी ईडी की जांच में आरोपी निदेशकों को जमानत पर रिहा करने से इनकार करने के उच्च न्यायालय के आदेश के खिलाफ आरोपी निदेशकों की जमानत याचिका पर केंद्र और प्रवर्तन निदेशालय से जवाब मांगा था। बसंत बंसल और पंकज बंसल को जिस धनशोधन मामले में गिरफ्तार किया गया है, वह हरियाणा पुलिस के भ्रष्टाचार निरोधक ब्यूरो द्वारा अप्रैल में ईडी और केंद्रीय जांच ब्यूरो (सीबीआई) मामलों के पूर्व विशेष न्यायाधीश सुधीर परमार, उनके भतीजे और तीसरे एम3एम समूह निदेशक रूप कुमार बंसल के खिलाफ दर्ज प्राथमिकी से संबंधित है।

रुपया 17 पैसे गिरकर 83.23 प्रति डॉलर

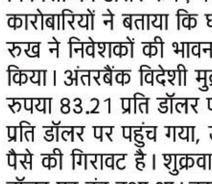

मुंबई । अंतरबैंक विदेशी मुद्रा विनिमय बाजार में मंगलवार को शुरुआती कारोबार में रुपया 17 पैसे की गिरावट के साथ 83.23 प्रति डॉलर पर पहुंच गया। अमेरिकी मुद्रा में मजबूती के साथ ही विदेशी कोष की सतत निकासी का असर रुपए पर पड़ा। विदेश मुद्रा कारोबारियों ने बताया कि घरेलू बाजार के नकारात्मक रुख ने निवेशकों की भावनाओं को भी प्रभावित किया। अंतरबैंक विदेशी मुद्रा विनिमय बाजार में रुपया 83.21 प्रति डॉलर पर खुला और फिर 83.23 प्रति डॉलर पर पहुंच गया, जो पिछले बंद भाव से 17 पैसे की गिरावट है। शुक्रवार को रुपया 83.06 प्रति डॉलर पर बंद हुआ था। इस बीच छह प्रमुख मुद्राओं के मुकाबले अमेरिकी डॉलर की स्थिति को दर्शाने वाला डॉलर सूचकांक 0.20 प्रतिशत की बढ़त के साथ 107.11 पर आ गया।

2023-24 के लिए भारत की वृद्धि दर का अनुमान 6.1 प्रतिशत पर स्थिर, इकोनॉमी में लचीलापन बरकरार

नई दिल्ली ।
विश्व बैंक ने वित्त वर्ष 2023-24 के लिए भारत के सकल घरेलू उत्पाद (जीडीपी) की वृद्धि दर के अनुमान को 6.3 प्रतिशत पर बरकरार रखा है और कहा है कि चुनौतीपूर्ण वैश्विक माहौल की पृष्ठभूमि में देश ने अपने प्रदर्शन में लचीलापन दिखाना जारी रखा है। विश्व बैंक ने अप्रैल की अपनी रिपोर्ट में 2023-24 के लिए भारत की वृद्धि दर के अनुमान को पहले के 6.6 प्रतिशत से घटाकर 6.3 प्रतिशत कर दिया था।

विश्व बैंक की मंगलवार को जारी ताजा भारत विकास अद्यतन (आईडीयू) के अनुसार भारतीय अर्थव्यवस्था पर अंतरराष्ट्रीय वित्तीय संस्थान की प्रमुख छमाही रिपोर्ट में कहा गया है कि महत्वपूर्ण वैश्विक चुनौतियों के बावजूद भारत 2022-23 में 7.2 प्रतिशत की दर से सबसे तेजी से बढ़ती प्रमुख अर्थव्यवस्थाओं में से एक रहा।

विश्व बैंक ने अपनी रिपोर्ट में कहा, भारत की वृद्धि दर जी-20 देशों में दूसरी सबसे अधिक और उभरती बाजार अर्थव्यवस्थाओं के औसत से लगभग दोगुनी है। यह लचीलापन मजबूत घरेलू मांग, मजबूत सार्वजनिक बुनियादी ढांचे के निवेश और मजबूत वित्तीय क्षेत्र से प्रेरित था।

चालू वित्त वर्ष की पहली तिमाही में देश का बैंक ऋण 15.8 प्रतिशत बढ़ा जबकि इससे पिछले वित्त वर्ष की पहली तिमाही में इसमें 13.3 प्रतिशत की वृद्धि हुई थी। भारत के सेवा क्षेत्र की गतिविधि 7.4 प्रतिशत की वृद्धि के साथ मजबूत रहने की उम्मीद है और निवेश वृद्धि भी 8.9 प्रतिशत पर मजबूत रहने का अनुमान है।

भारत में विश्व बैंक के कंट्री डायरेक्टर अगस्टे तानो कौमे ने कहा, प्रतिकूल वैश्विक माहौल अल्पावधि में चुनौतियां पेश करता रहेगा। उन्होंने कहा, सार्वजनिक खर्च का दोहन करने से भारत के लिए भविष्य में वैश्विक अवसरों का लाभ उठाने के लिए अधिक अनुकूल परिस्थितियां पैदा होंगी और इस तरह उच्च विकास हासिल होगा।

विश्व बैंक को उम्मीद है कि उच्च वैश्विक ब्याज दरों, भू-राजनीतिक तनाव और सुस्त वैश्विक मांग के कारण वैश्विक चुनौतियां जारी रहेंगी और तेज होंगी और परिणामस्वरूप, मध्यम अवधि में वैश्विक आर्थिक विकास भी धीमा होने वाला है। भारत में प्रतिकूल मौसम की स्थिति के बारे में पूछे जाने पर विश्व बैंक ने रिपोर्ट में कहा कि खाद्य पदार्थों की कीमतें सामान्य होने और सरकार के उपायों से प्रमुख वस्तुओं की आपूर्ति बढ़ने से कीमतों में धीरे-धीरे कमी आने की उम्मीद है।

उन्होंने कहा, हेडलाइन मुद्रास्फीति में बढ़ोतरी से खपत अस्थायी रूप से प्रभावित हो सकती है, लेकिन हमारा अनुमान है कि इसमें नरमी आएगी। विश्व बैंक के वरिष्ठ अर्थशास्त्री और रिपोर्ट के मुख्य लेखक ध्रुव शर्मा ने कहा, कुल मिलाकर निजी निवेश के लिए परिस्थितियां अनुकूल रहेंगी। उन्होंने कहा, भारत में प्रत्यक्ष विदेशी निवेश की मात्रा भी बढ़ने की संभावना है क्योंकि वैश्विक मूल्य श्रृंखला का पुनर्संतुलन जारी है।

गेहूं और चावल जैसे खाद्य पदार्थों की कीमतों में वृद्धि के कारण भारत में हेडलाइन मुद्रास्फीति जुलाई में बढ़कर 7.8 प्रतिशत हो गई, जो बाद में अगस्त में घटकर 6.8 प्रतिशत हो गई। इसके अलावा, विश्व बैंक को उम्मीद है कि 2023-24 में राजकोषीय समेकन जारी रहेगा और केंद्र सरकार का राजकोषीय घाटा जीडीपी के 6.4 प्रतिशत से घटकर 5.9 प्रतिशत रहने का अनुमान है।

सार्वजनिक ऋण के सकल घरेलू उत्पाद के 83 प्रतिशत पर स्थिर होने की उम्मीद है। बाह्य मोर्चे पर, चालू खाता घाटा सकल घरेलू उत्पाद के 1.4 प्रतिशत तक कम होने की उम्मीद है, और इसे विदेशी निवेश प्रवाह और बड़े विदेशी भंडार द्वारा समर्थित पर्याप्त रूप से वित्तपोषित किया जाना है।

कंपनियों के नए निवेश में तिमाही आधार पर 82 फीसदी की गिरावट, सरकारी क्षेत्र के निवेश में 68 प्रतिशत की कमी

नई दिल्ली ।
सरकारी और निजी कंपनियों के नए निवेश प्रस्तावों में चालू वित्त वर्ष की जुलाई-सितंबर अवधि में सालाना व तिमाही आधार पर तेजी से गिरावट आई है। सेंटर फॉर मॉनिटरिंग इंडियन इकनॉमी (सीएमआईई) के प्रारंभिक आंकड़ों के मुताबिक, लोकसभा चुनावों से पहले कंपनियों ने जुलाई-सितंबर तिमाही में 1.2 लाख करोड़ रुपये के नए निवेश की घोषणा की है। निवेश का यह आंकड़ा अप्रैल-जून तिमाही से 82 फीसदी व 2022-23 की जुलाई-सितंबर अवधि से 77 फीसदी कम है। चालू वित्त वर्ष की अप्रैल-जून तिमाही में कंपनियों ने 6.6 लाख करोड़ के निवेश की घोषणा की थी। आंकड़ों के मुताबिक, सरकारी कंपनियों के नए निवेश में 2023-24 की अप्रैल-जून तिमाही में 5 फीसदी की गिरावट रही थी। जुलाई-सितंबर में यह गिरावट बढ़कर 68 फीसदी पहुंच गई। निजी कंपनियों के निवेश प्रस्तावों में 55 फीसदी की कमी दर्ज की गई है। 2024 के लोकसभा चुनावों से पहले अक्तूबर-दिसंबर और जनवरी-मार्च तिमाही में भी नए निवेश में कमी का अनुमान है। 2019 के लोकसभा चुनावों से पहले 2018-19 की पहली छमाही में 9.9 लाख करोड़ के निवेश की घोषणा हुई थी। दूसरी छमाही में यह घटकर 9.2 लाख करोड़ रह गई। 2014 के लोकसभा चुनावों से पूर्व 2013-24 की पहली छमाही के मुकाबले दूसरी छमाही में निवेश 15 प्रतिशत घटा था। आंकड़ों के मुताबिक, चालू वित्त वर्ष की जुलाई-सितंबर तिमाही में सभी क्षेत्रों में नए निवेश में गिरावट रही। सेवा क्षेत्र की परियोजनाओं में सर्वाधिक 93.4 फीसदी नरमी रही। खनन क्षेत्र में 85.4 फीसदी और रियल एस्टेट व निर्माण क्षेत्र में 83.2 फीसदी की गिरावट दर्ज हुई।कमजोर मांग और देश के कुछ हिस्सों में औद्योगिक गतिविधियां सुस्त पड़ने से डीजल की बिक्री सितंबर में 3 फीसदी घटकर 58.1 लाख टन रह गई।हालांकि, पेट्रोल की बिक्री 5.4 फीसदी बढ़कर 28 लाख टन हो गई। हवाई अड्डों पर यात्रियों की संख्या लगातार बढ़ने से विमान ईंधन एटीएफ की मांग सितंबर में 7.5 फीसदी बढ़कर 5,96,500 टन पर पहुंच गई। रसोई गैस यानी एलपीजी की बिक्री 6 प्रतिशत बढ़कर 26.7 लाख टन पहुंच गई।

त्योहारी सीजन में होम लोन सस्ता कर सकते है बैंक, प्रोसेसिंग शुल्क में भी छूट मिलने की उम्मीद

नई दिल्ली ।
आप मकान खरीदने की योजना बना रहे हैं, तो एक बार फिर भारतीय रिजर्व बैंक आपकी राहत जारी रख सकता है। आरबीआई इस हफ्ते मौद्रिक नीति की घोषणा करेगा, और पूरी उम्मीद है कि तीसरी बार भी दरों में कोई इजाफा नहीं करेगा। आरबीआई दरें नहीं बढ़ाता है तो बैंक भी कर्ज की दरों में किसी तरह की वृद्धि नहीं करेंगे। इससे सभी तरह के कर्ज वर्तमान ब्याज दरों पर बने रहेंगे, जिससे ग्राहक कंज्यूमर प्रोडक्ट से लेकर मकानों की खरीदारी में दिलचस्पी दिखाएंगे। रियल एस्टेट के संगठनों ने आरबीआई को सलाह दी है कि वह रेपो रेट में किसी तरह की वृद्धि न करे। अगर वृद्धि हुई तो पूरा त्योहारी सीजन खराब हो सकता है। इस समय रियल एस्टेट ग्राहकों के लिए नए प्रोजेक्ट लेकर आ रहा है और उम्मीद है कि मांग में तेजी आएगी।

उपहार और इंसेंटिव पर होगा फोकस

घर खरीदारों को त्योहारों में छूट, उपहार और इंसेंटिव भी मिल सकता है। स्टॉम्प ड्यूटी में छूट जैसी सुविधा बिल्डर दे सकते हैं। साथ ही बैंक प्रोसेसिंग शुल्क भी माफ करने की तैयारी में हैं। 15 अक्तूबर के बाद नवरात्रि भी शुरू होगी, जिससे ग्राहकों को लुभाने के लिए ये योजनाएं आ सकती हैं। हाल में एसबीआई ने होम लोन पर प्रोसेसिंग शुल्क माफ करने के साथ अच्छे सिबिल स्कोर पर 0.65 फीसदी तक ब्याज में भी छूट देने की घोषणा की है।

नोएडा और गुरुग्राम में नए प्रोजेक्ट पर जोर

दिल्ली-एनसीआर में महंगे फ्लैट की बिक्री बढ़ रही है। इससे बिल्डर नए घर लॉन्च कर रहे हैं। सिंगापुर की एक्सपीरियन होल्डिंग्स की समर्थित एक्सपीरियन डेवलपर्स 4,700 करोड़ के निवेश के साथ नोएडा और गुरुग्राम में प्रीमियम आवास बनाएगी। सीओओ बीके मलागी ने कहा, तीन परियोजनाओं से 6,500 करोड़ के राजस्व की उम्मीद है।

सोने में गिरावट, चांदी 7 महीने के निचले स्तर पर, सोने का वायदा भाव 900 और चांदी का 2,900 रुपए गिरा

नई दिल्ली ।
वैश्विक बाजार में डॉलर की तेजी की वजह से मंगलवार के कारोबारी दिन सोने और चांदी के वायदा भाव धड़ाम से गिर गए। चांदी के भाव 7 महीने के निचले स्तर तक चले गए हैं। सोने की वायदा कीमतों में भी तेज गिरावट आई है। चांदी के वायदा में भाव करीब 2,900 और सोने के वायदा भाव में करीब 900 रुपये की गिरावट दर्ज की जा रही है। सोमवार को भारतीय बाजार बंद थे। इसलिए आज बाजार खुलने पर भारतीय बाजार में सोने और चांदी की वायदा कीमतों में बड़ी गिरावट देखी जा रही है। इस साल चांदी के वायदा भाव अपने उच्च स्तर से करीब 12 हजार रुपए टूट चुके हैं। बाजार के जानकारों के मुताबिक अगले कुछ दिनों तक सोने और चांदी के वायदा भाव उतार-चढाव के साथ नरम बने रहेंगे। दीवाली के लिए त्योहारी बढ़ने पर इनकी कीमतों में सुधार की संभावना है। एमसीएक्स पर सोने का दिसंबर कॉन्ट्रेक्ट 175 रुपए की गिरावट के साथ 57,425 रुपए के भाव पर खुला। फिलहाल यह कॉन्ट्रेक्ट 902 रुपए की गिरावट के साथ 56,698 रुपए के भाव पर कारोबार कर रहा था। इस समय इसने 57,425 रुपए के भाव पर दिन का उच्च स्तर और 56,565 रुपए के भाव पर निचला स्तर छू लिया। मई महीने में सोने के वायदा भाव ने 61,845 रुपए प्रति 10 ग्राम के भाव पर सर्वोच्च स्तर छू लिया था।

मंगलवार को चांदी के वायदा भाव में तेज गिरावट दर्ज की जा रही है। इसके भाव घटकर 7 महीने के निचले स्तर तक पहुंच गए। मल्टी कमोडिटी एक्सचेंज (एमसीएक्स) पर चांदी का बेंचमार्क दिसंबर कॉन्ट्रेक्ट 602 रुपए की गिरावट के साथ 69,255 रुपए के भाव पर खुला। फिलहाल यह 2,884 रुपए की गिरावट के साथ 66,973 रुपए के भाव पर कारोबार कर रहा था। एक बार तो भाव 65,666 रुपए तक गिर गए थे। फिलहाल इसने 69,255 रुपए के भाव पर दिन का उच्च और 65,666 रुपए प्रति किलो के भाव पर दिन का निचला स्तर छू लिया। अंतरराष्ट्रीय बाजार में सोने और चांदी के वायदा कीमतों में गिरावट देखी जा रही है। कॉमेक्स पर सोना 1844.90 डॉलर प्रति औंस के भाव पर खुला। पिछला बंद प्राइस 1947.20 डॉलर था। फिलहाल यह 10.70 डॉलर की गिरावट के साथ 1836.50 डॉलर प्रति औंस के भाव पर कारोबार कर रहा था। कॉमेक्स पर चांदी के वायदा भाव 21.31 डॉलर के भाव पर खुले, पिछला बंद प्राइस 21.42 डॉलर था। फिलहाल यह 0.26 डॉलर की गिरावट के साथ 21.15 डॉलर प्रति औंस के भाव पर कारोबार कर रही थी।

पाकिस्तान में रिकॉर्ड स्तर पर पहुंची महंगाई

मशहूर फूड चेन तीन इंच का सैंडविच बेचने को मजबूर

इस्लामाबाद ।
आर्थिक तंगी से जूझ रहे पाकिस्तान में महंगाई चरम पर पहुंच गई है, जिसने आम आदमी की कमर तोड़ दी है। हालात ये हो गई है कि एक मशहूर फूड चेन रेस्तरां को पाकिस्तान में तीन इंच का सैंडविच बेचने के लिए मजबूर होना पड़ रहा है। बता दें कि यह फूड चेन दुनिया में कहीं भी तीन इंच का सैंडविच नहीं बेचती है लेकिन पाकिस्तान में बढ़ती महंगाई के चलते उसे तीन इंच का सैंडविच पेश करने के लिए मजबूर होना पड़ा है।

रिकॉर्ड स्तर पर पहुंची महंगाई दर

पाकिस्तान में महंगाई दर सितंबर महीने में बढ़कर 31.4 प्रतिशत हो गई है। अगस्त में यह 27.4 प्रतिशत थी। दरअसल पाकिस्तान में पेट्रोल डीजल और ऊर्जा की कीमतों में आए उछाल की वजह से महंगाई दर बढ़ी है। पाकिस्तान बीते दिनों दिवालिया होने के कगार पर था लेकिन आईएमएफ ने बीती जुलाई में उसे तीन अरब डॉलर का पैकेज देकर दिवालिया होने से बचा लिया। हालांकि आईएमएफ ने पाकिस्तान पर कई कड़ी

शर्तें लगाई हैं, जिनमें से एक पेट्रोल डीजल की कीमतों में बढ़ोतरी की शर्त भी थी। जिसके चलते पाकिस्तान की सरकार ने तेल की कीमतों में बढ़ोतरी की और उसके असर से वहां मई महीने में रिकॉर्ड 38.0 प्रतिशत महंगाई दर हो गई थी। वहां ब्याज दर भी 22 प्रतिशत के उच्चतम स्तर पर पहुंच गई है।

पाकिस्तानी रुपये की कीमत में गिरावट

पाकिस्तानी रुपये की गिरती कीमत ने भी उनकी परेशानी बढ़ाई है। हालांकि अगस्त में सबसे निचले स्तर पर पहुंचने के बाद सितंबर में पाकिस्तानी रुपये की हालत थोड़ी सुधरी है। पाकिस्तान के वित्त मंत्रालय ने अपनी मासिक रिपोर्ट में कहा है कि आने वाले कुछ महीनों तक महंगाई दर 29-31 प्रतिशत के आसपास ही रहेगी और अगले साल की शुरुआत में इसमें थोड़ी राहत मिल सकती है।

आम आदमी का जीना हुआ मुहाल

पाकिस्तान की खराब आर्थिक हालत से पहले ही वहां की जनता त्रस्त थी, अब बढ़ती महंगाई ने पूरी तरह से उनकी कमर तोड़कर रख दी है। बता दें कि पाकिस्तान में वहां की ऑयल एंड गैस रेगुलेटरी अथॉरिटी ने एलपीजी में 20.86 रुपये प्रति किलो की बढ़ोतरी की है, जिसके बाद वहां एलपीजी 260.98 रुपये प्रति किलो बिक रही है। वहीं घरेलू सिलेंडर की कीमत बढ़कर 3079.64 रुपये हो गई है।

अक्तूबर के अंत में पाकिस्तान आएगा आईएमएफ का प्रतिनिधिमंडल

मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार, चालू वित्तीय वर्ष के पहले तीन महीनों में पाकिस्तान के आर्थिक प्रदर्शन की समीक्षा के लिए आईएमएफ का प्रतिनिधिमंडल अक्तूबर के आखिरी सप्ताह में पाकिस्तान आएगा। इस दौरान आईएमएफ के प्रतिनिधिमंडल में शामिल लोग पाकिस्तान की कार्यवाहक सरकार के साथ टैक्स और ऊर्जा समेत विभिन्न क्षेत्रों में सुधार पर चर्चा करेंगे। बता दें कि सफलतापूर्वक आर्थिक समीक्षा पूरी होने के बाद ही पाकिस्तान को आईएमएफ की 70 करोड़ डॉलर की अगली किस्त जारी होगी। बता दें कि आईएमएफ ने पाकिस्तान को तीन अरब डॉलर का आर्थिक पैकेज देने का एलान किया है। इस पैकेज के तहत पाकिस्तान को 1.2 अरब डॉलर मिल चुके हैं। बाकी रकम किस्तों में पाकिस्तान आएगी, जिसके लिए पाकिस्तान की सरकार को आईएमएफ के सुझावों के मुताबिक अपनी अर्थव्यवस्था में बदलाव करने होंगे।

सिंघम अगेन पर वायरल रणवीर सिंह का सिंबा लुक

मुंबई (ईएमएस)। प्रसिद्ध अभिनेता रणवीर सिंह के अभिनय से उत्साहित प्रशंसक उनकी वर्सटाइल परफॉर्मेंस को अधिक तवज्जो देते हैं। वर्ष 2023 में सिल्वर स्क्रीन पर उन्होंने रॉकी रंधावा बनकर फिर एक बार अपना जलवा बिखेरा। अब रणवीर, रोहित शेट्टी की फिल्म सिंघम अगेन को लेकर लोग उत्साहित हैं। सेट से उनकी पहली तस्वीर सामने आई है। कुछ दिन पहले रोहित शेट्टी ने अजय देवगन और रणवीर सिंह के साथ सेट से फोटो शेयर की थी।

ये फोटो शूटिंग शुरू होने से पहले हुई पूजा से शेयर की गई थी। फिल्म की शूटिंग शुरू किए जाने की खबर है। रणवीर सिंह ने सेट से एक फोटो शेयर की है, जिसमें वह सिंबा लुक में नजर आ रहे हैं। रणवीर ने अपने इंस्टाग्राम स्टोरीज पर फोटो शेयर की है। रणवीर तस्वीर में किरदार के लिए काली बनियान, मैचिंग ट्राउजर और चश्मा लगाए नजर आ रहे हैं। तस्वीर को सिंघम टाइटल सॉन्ग और एक सिम्बा स्टिकर के साथ पोस्ट किया गया है। इसके बैकग्राउंड में आला रे आला म्यूजिक लगाया गया है। इतना ही नहीं, वह अपनी मूछों पर ताव देते नजर आ रहे हैं। सिंघम अगेन 2011 की पॉपुलर फिल्म सिंघम का सीक्वल है। पहले पार्ट में भी अजय देवगन लीड रोल में थे। सिंघम अगेन की डेट आधिकारिक तौर पर अनाउंस नहीं की गई है, लेकिन ऐसी चर्चा है कि मूवी अगले साल 15 अगस्त को रिलीज होगी।

विक्की ने अब पत्नी कैटरीना को कहा मॉन्स्टर

मुंबई (ईएमएस)। विक्की कौशल और कैटरीना कैफ अक्सर किसी न किसी वजह से खबरों में रहते हैं। अक्सर दोनों मीडिया के सामने एक-दूसरे के बारे में कुछ ऐसा कह जाते हैं, जिसे सुनने के बाद उनके फैंस खुश होते हैं। हालांकि कई बार वे दोनों ट्रोल हो जाते हैं। इस बीच विक्की ने कैटरीना को मॉन्स्टर कहा है। इसके साथ ही उन्होंने बताया है कि उनके घर में सबसे ज्यादा आलसी कौन है। विक्की कौशल से सवाल किया गया है कि दोनों (विक्की-कैट) में सबसे अधिक आलसी कौन है। इस पर विक्की ने खुद अपना नाम लिया और कहा, अगर मैं काम नहीं कर रहा हूं और अगर मैं घर पर हूं, तब मैं आलसी हूं। आगे विक्की अपनी वाइफ कैटरीना की तारीफें करते हुए उन्हें मॉन्स्टर तक कह डाला। हालांकि उन्हें डिसिप्लिन लेडी भी कहा। रिपोर्ट के अनुसार, विक्की ने कहा, जब दोनों घर पर कूल होकर आराम फरमा रहे होते हैं, तब उस समय वे दोनों ही आलसी होते हैं। यह विक्की के एक पार्टी की तरह होता है। वहीं जब बात डिसिप्लिन होने की आती, तब वहां कैट उस टाइम पर एकदम राक्षस (मॉन्स्टर) की तरह बन जाती हैं। विक्की कौशल ने बताया कि कैटरीना कैफ को कुछ चीजों के मामले में खुश करना बहुत मुश्किल है। उस टाइम वह बहुत नखरेबाज होती है। जैसे कि जब उसके खाने की बात आती है या जब उसके कपड़ों की बात आती है तब। कभी-कभी, वह कपड़े पहनने में बहुत सहज होती है, लेकिन उसमें टेस्ट है। वह बहुत अजीब है। बता दें कि इसके पहले विक्की कौशल ने कैटरीना को गोली कहा था। इसके साथ ही उन्होंने दावा किया था कि वह उनकी सबसे बड़ी आलोचक हैं। विक्की ने बताया था कि कैटरीना का रवैया इससे ठीक उल्टा है। वह बिना इधर-उधर बातों को घुमाए वह सीधे मुद्दे पर बात करती हैं। उन्होंने कहा था, मेरी वाइफ सीधी है.. मतलब कि कैटरीना एक सीधी गोली है।

साल 2008 में इमरान के हाथ लगी थी दो फिल्में

-सालों बाद छलका आमिर खान के भांजे का दर्द

मुंबई (ईएमएस)। बेहद कम लोग जानते हैं साल 2008 में बॉलीवुड एक्टर इमरान खान के हाथ एक नहीं बल्कि दो फिल्में हाथ लगी थी। जाने तू या जाने ना के अलावा उनके पास फिल्म किडनैप थी। फिल्म में इमरान पहली बार सुपरस्टार संजय दत्त के साथ स्क्रीन स्पेस शेयर किया था। इस फिल्म को रिलीज हुए करीब 15 साल हो गए हैं। अब 15 साल बाद इमरान ने इस फिल्म को लेकर जो खुलासा किया है वह काफी हैरान करने वाला है। उन्होंने अपने हालिया सोशल मीडिया पोस्ट में इस फिल्म के बारे में बहुत सारी बातें की। इसके साथ ही उन्होंने खुलासा कि उन्होंने ये फिल्म दोबारा देखी। इसके साथ ही उन्होंने कहा कि इस फिल्म के मेकर्स उन्हें फिल्म में नहीं लेना चाहते थे क्योंकि उनकी कोई स्टार वैल्यू नहीं थी। इमरान खान ने अपने इंस्टाग्राम पर बेहद ही लंबा पोस्ट शेयर किया है। उन्होंने अपनी पोस्ट में बताया है कि फिल्म जाने तू या जाने ना की शूटिंग खत्म होते ही उन्हें फिल्म किडनैप में निगेटिव रोल प्ले करने का ऑफर मिला। उन्होंने विलेन बनने के लिए ऑडिशन दिया था। यह ऑडिशन उनके लिए एक सुनहरा अवसर था। उन्होंने लिखा, मैं जाने तू की शूटिंग पूरी करने के करीब था जब मुझे किडनैप के ऑडिशन के लिए बुलाया गया। निर्देशक संजय गढ़वी जो धूम और धूम-2 की बंपर सफलता के लिए फेमस थे। वहीं फिल्म में संजय दत्त के अपोजिट काम करने के लिए मेरे पास बड़ा अवसर था। कई युवा कलाकार कबीर और सोनिया की भूमिका के लिए तैयार थे। मिनिषा लांबा को लॉक करने से पहले मैंने कुछ एक्ट्रेस के साथ स्क्रीन टेस्ट किया था। इसके साथ ही कुछ कालाकारों ने भी अपना ऑडिशन दिया था। इमरान ने आगे अपनी पोस्ट में जो खुलासा किया वह काफी हैरान करने वाला है। उन्होंने आगे लिखा, जब किडनैप की शूटिंग हो रही थी, तब उनकी फिल्म मैं जाने तू की अभी तक रिलीज नहीं हुई थी। इसलिए उन दिनों उनकी कोई स्टार वैल्यू नहीं थी। शायद यही वजह रही कि फिल्म मेकर्स उन्हें कास्ट करने के लिए बहुत उत्साहित नहीं थे। निर्देशक के दोहरे समर्थन की बदौलत मुझे यह भूमिका मिली। मैं इसके लिए लेखिका शिबानी बथिजा का आज तक आभारी हूं। उन्होंने आगे पोस्ट में लिखा है कि शूटिंग करते वक्त या फिर पूरी होने के बाद भी उनके पास फिल्म की पूरी स्क्रिप्ट नहीं थी। उन्हें सिर्फ उन ही सीन को पढ़ने की अनुमति थी, जिसमें वह थे। उन सीन को शूटिंग के एक या फिर दो दिन पहले ही उन्हें उन सीन के प्रिंटआउट को दे दिया जाता था। उन्होंने बताया कि फिल्म की रिलीज तक विक्रांत रैना की कहानी मेरे लिए पूरी तरह से एक रहस्य थी! यह मेरे अनुभव से बहुत अलग कार्यशैली थी, और मैं अक्सर प्रोड्क्शन के वक्त काफी डरा रहता था। बता दें कि इमरान खान ने करीब 15 साल पहले बॉलीवुड में कदम रखा था। उनकी डेब्यू फिल्म जाने तू या जाने ना थी। यह फिल्म साल 2008 में रिलीज हुई थी।

वेब सीरीज नंदिनी के टीजर का अनावरण

अभिनेत्री रिताभरी चक्रवर्ती ने अपनी आगामी थ्रिलर वेब सीरीज नंदिनी के टीजर के अनावरण के साथ एक बार फिर अपने प्रशंसकों के बीच उत्साह जगा दिया है। नंदिनी में रिताभरी ने स्निग्धा नाम की एक गर्भवती महिला की चुनौतीपूर्ण भूमिका निभाई है, जो फटाफटी में एक प्लस साइज मॉडल के रूप में उनके पिछले किरदार से एक अलग बदलाव है। प्रतिभाशाली फलक मीर द्वारा निर्देशित और सुरिंदर फिल्म्स द्वारा निर्मित, श्रृंखला एक दिलचस्प मिस्ट्री ड्रामा होने का वादा करती है। स्निग्धा की जिंदगी में तब बदलाव आता है, जब उसका डॉक्टर उसके अजन्मे बच्चे का गर्भपात कराने की सलाह देता है। हालाँकि, कहानी में तब मोड़ आता है जब स्निग्धा को देर रात उसके अजन्मे बच्चे का फोन आता है, जिसमें कहा जाता है, माँ! मैं मरा नहीं हूँ, मैं अभी भी जीवित हूँ! माँ और बच्चे के बीच का यह संबंध नौ एपिसोड में कहानी का केंद्र बनता है।

एनिमल का टीजर आउट, बॉबी के रोल पर कायम है सस्पेंस

-रणबीर के बर्थडे पर एनिमल का टीजर रिलीज

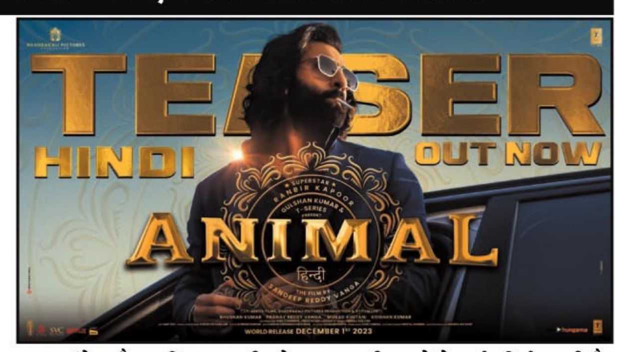

मुंबई (ईएमएस)। बालीवुड की अपकमिंग फिल्म एनिमल चर्चाओं में हैं। फिल्म से एक्टर रणबीर कपूर के फर्स्ट लुक ने धमाल मचा दिया था। एक्टर के बर्थडे पर एनिमल का टीजर रिलीज कर दिया गया है। फिल्म 1 दिसंबर को सिनेमाघरों में रिलीज होगी। टीजर में रणबीर दमदार लग रहे हैं, तो वसेर्टाइल एक्टर अनिल कपूर का कड़क अंदाज है। टीजर रिलीज होते ही सोशल मीडिया पर वायरल हो गया। एनिमल का 2 मिनट 56 सैकंड का टीजर काफी रोमांचित करने वाला है। फैंस इसे देखने के लिए बेताब हो रहे हैं। एनिमल में रणबीर एक रिच फैमिली में पैदा हुए शख्स का रोल कर रहे हैं। उसकी दुनिया बाहर से तो सोने की दिखती है, लेकिन अंदर से पूरी तरह अंधेरा है। अनिल, रणबीर के पिता बने हैं। उन्हें बेटा बिल्कुल भी पसंद नहीं है। अनिल में जबरदस्त गुस्सा भरा हुआ है।

हालांकि रणबीर को भले ही अनिल पसंद नहीं करते, लेकिन वो उनके खिलाफ एक शब्द भी नहीं सुन सकते। फिल्म की कहानी बदले के इर्द- गिर्द घूमती है। रणबीर पिता की मौत का बदला लेते हैं। टीजर की शुरूआत एक्ट्रेस रश्मिका मंदाना से होती है। वे रणबीर के अपोजिट हैं। बॉबी सबसे आखिर में दिखाई देते हैं। उनके रोल पर सस्पेंस कायम है। एनिमल के डायरेक्टर संदीप रेड्डी वांगा हैं।

शहनाज ने कुछ ऐसा कह दिया कि फैंस रहे गए हैरान

हाल ही में एक इंटरव्यू में एक्ट्रेस शहनाज गिल ने कुछ ऐसा कह दिया, जिसको लेकर फैंस हैरान रह गए और उन्हें जमकर ट्रोल कर रहे हैं। एक्ट्रेस का ये वीडियो सोशल मीडिया पर खूब वायरल हो रहा है। दरअसल, शुक्रवार को शहनाज गिल की अपकमिंग फिल्म थैंक्यू फॉर कमिंग के प्रमोशन को लेकर एक प्रेस कॉन्फ्रेंस रखी गई। इस दौरान शहनाज गिल से एक ऐसा सवाल पूछा गया है, जिस पर एक्ट्रेस ने बेतूकी सी बात कह दी। एक वेबसाइट ने अपने ऑफिशियल इंस्टाग्राम पर सना का वीडियो शेयर किया है, जिसमें आप सुन सकते हैं कि इंटव्यूवर कहती हैं ये भी उतार दो, मतलब इससे पहले कुछ उतारना था न। तो इस पर शहनाज कहती हैं कि अगर रिया कपूर बोलेगी तो हम वो भी उतार देंगे। क्योंकि हम स्टाइलिंग से साथ बिलकुल भी समझौता नहीं करेंगे। हम इंटरनेशनल डिजाइनर डाल रहे हैं उससे बड़ी क्या चीज हो सकती है।

मंडी की खूबसूरत वादियों को फिल्म के पर्दे पर लाना मेरा सपनाः आयुष शर्मा

मंडी, (हि.स.)। पं. सुखराम के पोते और अनिल शर्मा के अभिनेता बेटे आयुष शर्मा ने कहा कि मंडी की खूबसूरत वादियों को फिल्मी पर्दे पर लाना उनका सपना है। यहां अपने निवास में पत्रकारों से बात करते हुए आयुष शर्मा ने बताया कि आगामी फरवरी माह उनकी फिल्म की शूटिंग मंडी की खूबसूरत वादियों में होने जा रही है। उन्होंने कहा कि हिमाचल में शूटिंग करना हर किसी का सपना होता है। मुबई कंकरीट के जंगल की तरह है, यहां से निकल कर खुली हवा में सांस लेना हर कोई चाहता है। लेकिन कहानी कहां से रिलेट करती है, इस बात का भी ध्यान रखना पड़ता है। उनकी आने वाली फिल्म जो पारिवारिक होने के अलावा एक्शन और रोमांच से भरपुर है। इस फिल्म की शूटिंग मंडी की वादियों में होगी। जिसकी लोकेशन भी देखी जा चुकी है और एक महीना तक इस फिल्म की शूटिंग का शैडयूल रहेगा। उन्होंने कहा कि हिमाचल में अधिकांश फिल्मों की शूटिंग मनाली में होती है। लेकिन मनाली के अलावा और भी अनछुए प्राकृतिक सौंदर्यस्थल हैं। जिनमें मंडी और लाहुल-स्पीति जिला ऐसे हैं जहां की खूबसूरती किसी से भी कम नहीं है और जिनका फिल्मों के पर्दे पर आना आवश्यक है। आयुष ने कहा कि बॉलीवुड के अलावा क्षेत्रीय सिनेमा का प्रचार-प्रसार जोरों पर हो रहा है। जिनमें पंजाबी, गुजराती, बंगाली सिनेमा के अलावा दक्षिण भारत में तेलुगु और तमिल फिल्म इंडस्ट्री की अलग पहान है। उन्होंने कहा कि वह दिन दूर नहीं है जब पंजाबी सिनेमा की तरह हिमाचल फिल्म इंडस्ट्री का भी नाम होगा। प्रदेश में आई आपदा के बारे में उन्होंने कहा कि यह बहुत बड़ी त्रासदी है और वे अपनी ओर से इस आपदा में मदद करने का प्रयास करेंगे। आयुष शर्मा ने कहा कि उनकी पारिवारिक पृष्ठभूमि राजनीतिक रही है। उनके दादा और पिता राजनीति में रहे हैं। इसलिए अभिनय के क्षेत्र में अपने बूते आए हैं। हर बार बेहतर करने की गुंजाईश रहती है। अपने काम से कभी भी संतुष्ट नहीं होता हूं अगर ऐसा हुआ तो ठहराव आ सकता है। उन्होंने कहा कि मुबई तो बस पढने गया था। फिल्मी दुनिया में आने का फैसला मेरा था इसलिए इसमें जो कुछ भी करना है वो मुझे ही करना है। उन्होंने कहा कि जो युवा भी इस लाइन में आना चाहते हैं। उनके लिए यही संदेश है कि अपने सपने पर विश्वास जताएं और कड़ी मेहनत करें। इसके लिए परिवार का समर्थन भी जरूरी है। विधायक अनिल शर्मा ने कहा कि जब आयुष ने फिल्म इंडस्ट्री में जाने की बात कही तो वे चुप से हो गए थे। मगर फिर उसे कहा कि अगर आप इसमें कुछ करना चाहते हैं तो अवश्य जाएं। जैसा कि पं. सुखराम और उन्होंने स्वयं राजनीति में अपना नाम बनाया है आप भी बनाओ। जब इनकी दो फिल्में लोगों को पसंद आई तो मुझे अब विश्वास हो गया है कि मेरा बेटा अब हीरो बन गया है।

अक्षय कुमार की मिशन रानीगंज सुर्खियों में

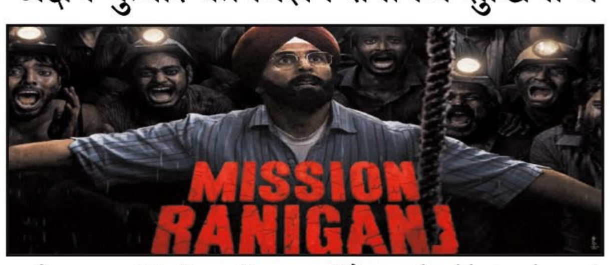

बालीवुड अपकमिंग फिल्म मिशन रानीगंजः द ग्रेट भारत रेक्यू काफी सुर्खियों में बनी हुई है। फिल्म की रीलिज को लेकर दर्शकों में फिल्म के लिए एक्साइटमेंट का लेवल भी उतना ही बढ़ता जा रहा है। हाल ही में मेकर्स ने मिशन रानीगंज का ट्रेलर भी रिलीज कर दिया है,जिसे दर्शक काफी पसंद कर रहे हैं। जैसे कि आपको पता है कि इस फिल्म में जसंवत सिंह गिल का किरदार अक्षय कुमार निभा रहे हैं। ऐसे में एक्टर को इंजीनियरिंग कॉलेज आईआईटी (आईएसएम) धनबाद ने मिशन रानींगज और जसंवत सिंग गिल के बारे में चर्चा करने का निमंत्रण भेजा है। बता दें कि यह वही संस्थान है, जहां से दिवंगत जसवंत गिल ने अपनी ग्रेजुएशन की पढ़ाई की है। इसका नाम पहले इंडियन स्कूल ऑफ माइनिंग हुआ करता था। इस अभासी सम्मेलन के दौरान अक्षय कुमार छात्रों के साथ बातचीत करेंगे और उनके सवालों के जवाब भी देंगे।

नए हेयरस्टाइल के साथ नजर आ रही आराध्या

बालीवुड एक्ट्रेस ऐश्वर्या राय बच्चन की बेटी की कुछ नई तस्वीरें सामने आई हैं, जिसे देख फैंस का दिल खुश हो जाएगा। इन तस्वीरों में आराध्या नए हेयरस्टाइल के साथ नजर आ रही हैं। दरअसल, हाल ही में आराध्या ने स्कूल में गणेश चतुर्थी के मौके पर फंक्शन आयोजित किया गया, जहां ऐश्वर्या की बेटी ने भी पार्टिसिपेट किया। उन्होंने दोस्तों संग गणपति बप्पा को विदाई दी। इस दौरान बच्चन परिवार बेटी व्हाइट कलर के सूट और लाल रंग के दुपट्टे में दिखाई दीं। हालांकि, इन तस्वीरों में जिसने सबसे ज्यादा लोगों का ध्यान खींचा, वो था आराध्या का हेयर स्टाइल। हालांकि, उनके नए हेयरस्टाइल में ज्यादा बदलाव नहीं है। इस बार उन्होंने पोनीटेल बांधी है और व्हाइट कलर का हेयर बैंड लगाया है। आराध्या बच्चन के कुछ बदले अंदाज में देख फैंस अब काफी खुश नजर आ रहे हैं। लोग कमेंट कर उनकी खूब तारीफ कर रहे हैं।

गांधी-शास्त्री की जयंती पर अक्षय कुमार ने किया 'स्काई फोर्स' का ऐलान

बॉलीवुड एक्टर अक्षय कुमार महात्मा गांधी और लाल बहादुर शास्त्री की जयंती के मौके पर अपनी आने वाली फिल्म स्काई फोर्स की घोषणा की है। फिल्म के जरिए अक्षय कुमार बालाकोट एयर स्ट्राइक की कहानी सामने लाएंगे। अक्षय ने इस फिल्म का एक छोटा सा प्रोमो भी शेयर किया है। इसे शेयर करते हुए अक्षय लिखते हैं, आज गांधी-शास्त्री जयंती के मौके पर पूरा देश जय जवान, जय किसान, जय विज्ञान, जय अनुसंधान का नारा लगा रहा है। हमारी फिल्म की घोषणा के लिए इससे बेहतर दिन कोई नहीं हो सकता। हमारे भारत के पहले हवाई हमले की रोमांचक कहानी। आज से ठीक एक साल बाद यानी 2 अक्टूबर, 2024 को स्काई फोर्स रिलीज होगी। इस टीजर में पाकिस्तान के तत्कालीन राष्ट्रपति मोहम्मद अयूब खान का भाषण सुनाई देता है और इसके बाद भारत के तत्कालीन प्रधानमंत्री लाल बहादुर शास्त्री के भाषण की एक क्लिप हमारे सामने आती है। इस फिल्म में अक्षय कुमार मुख्य भूमिका निभाएंगे और वीर पहाड़िया फिल्म इंडस्ट्री में डेब्यू करेंगे। उद्योगपति संजय पहाड़िया के बेटे वीर का नाम सारा अली खान के साथ जोड़ा गया है।

सूडोकु नवताल- 6572

★★★★☆ कठिन

	8			6				
					5			
		9				7		3
	1			8				2
			7		4			
6				3			8	
5		7				4		
			8					
				1			6	

Jagrutidaur.com, Bangalore

- प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक के अंक भरे जाने आवश्यक हैं.
- प्रत्येक आड़ी और खड़ी पंक्ति में एवं 3×3 के वर्ग में किसी भी अंक की पुनरावृत्ति न हो इसका विशेष ध्यान रखें.
- पहले से मौजूद अंकों को आप हटा नहीं सकते .
- पहेली का केवल एक ही हल है.

सूडोकु नवताल -6571 का हल

9	4	5	3	1	8	7	6	2
1	8	6	7	2	5	4	9	3
2	7	3	9	4	6	8	1	5
6	3	9	1	7	4	2	5	8
5	2	4	8	9	3	6	7	1
7	1	8	6	5	2	9	3	4
4	6	7	5	8	1	3	2	9
8	9	1	2	3	7	5	4	6
3	5	2	4	6	9	1	8	7

शब्दजाल - 7319

यु	क	दो	अ	ल्जी	रि	या	तू	ग	झ	क
ज	पा	ल	प	ह	भा	पू	ना	ट	र्की	को
अं	इ	कि	म	सं	र	ल	श	र	ला	ल
क	कु	दा	स्ता	धा	त	क	फ	लो	श	या
क	मो	श	न्न	न	क	ट	री	ग	रि	ता
द	र	ल	प	व	ज्पि	र्त	ऐ	जी	प	रु
ती	क्को	ल	श	इ	प	म	इ	कौ	ला	इ
क	इं	डो	ने	शि	या	ना	प्प	न	श	रा
क	स	बा	तें	व	न	ज	द	शा	जू	न
द	र	ल	प	व	जी	र्त	ऐ	बें	प	रु
बां	ग	ला	दे	श	नी	हो	जा	एं	प	क

शब्द जाल में उन 10 देशों के नाम हैं जहां मुस्लिम आबादी सर्वाधिक है. नाम उपर से नीचे एवं तिरछे भी हैं.

पाकिस्तान, भारत, बांग्लादेश, इंडोनेशिया, टर्की, इरान, नाईजीरिया, अल्जीरिया, मोरक्को, इज्पिट.

शब्दजाल - 7318 का हल

बं	ज	गा	र	ग	ब	ज	क	ब	ल	क
ब	वा	ब	लि	दा	न	का	मौ	स	ल	ड़
ई	ह	ब	बं	दा	न	वा	ज	जा	य	मा
का	ब	बं	र	दे	वी	ब	वा	ल	श	ब
म	इ	दि	म	सं	व	र	श	र	बू	ल
हा	ता	नी	ई	र	द	क	फ	बा	श	ज
रा	बं	दि	श	द	क	स	सी	ग	प	ब
जा	र	ब	बं	व	ज	र	ब	न	प	बं
क	ब	ल	ज	न	ना	री	ऐ	ज	प	जा
क	मी	ल	प	ब	या	स	मा	ब	प	र
का	न	बं	ध	न	क	ना	री	ग	प	न

Jagrutidaur.com, Bangalore

अष्टयोग - 6272

2		3		4		5
1	22	7	34	6	43	
	4		5		6	
	30	5	26	1	30	2
6	5	2		7		1
	36		36	3	29	4
	1		6		2	

प्रस्तुत खेल सुडोकू व जोड़ की पद्धति का मिश्रण है. खड़ी व आड़ी पंक्तियों में 1से 7 तक के अंक लिखने अनिवार्य हैं. गहरे काले वर्ग में लिखी संख्या चारों और के 8 वर्गों की संख्या का कुल योग होगी. सीधी अथवा आड़ी पंक्तियों में 1 से 7 तक के अंक होना अनिवार्य है.

अष्टयोग 6271 का हल

3	6	1	4	7	2	5
6	35	5	31	2	27	1
5	2	7	4	1	6	3
1	33	6	32	4	31	2
2	6	4	1	5	3	7
4	33	3	30	6	35	6
7	5	2	6	3	1	4

Jagrutidaur.com, Bangalore

रेवाड़ी की बेटी एशियन गेम्स में दम दिखाएगी : हाई जंप में रूबिना के माता-पिता और फैंस को गोल्ड की आस; कर्नाटक में की ट्रेनिंग

रेवाड़ी।
हरियाणा के रेवाड़ी जिले की रहने वाली रूबिना एशियन गेम्स में अपना दमखम दिखाएगी। गांव जाहिदपुर की रहने वाली रूबिना यादव चीन के शहर हांगझोऊ में चल रहे एशियन गेम्स में महिला वर्ग ऊंची कूद में भाग लेकर नया कीर्तिमान हासिल करने को आतुर है।

रूबिना के कोच अनिल यादव ने बताया कि वह केवल पहली परफॉर्मेंस से अच्छा कर ले, पदक उसका पक्का है। उनको रूबिना के इस हौसले से पदक की पूरी आस है। उन्होंने रूबिना होने वाले मैच के लिए अपना आशीर्वाद और बधाई संदेश भेजा है।

रुबिना से गोल्ड मेडल की आस

रुबिना के माता-पिता को बेटी के पदक जीतने का भरोसा है। रुबिना यादव की मां मिथिलेश देवी और पिता राकेश यादव ने बताया कि उनकी बेटी ने इस प्रतियोगिता के लिए बहुत मेहनत की है। दो महीने से ज्यादा वक्त से घर से दूर कर्नाटक में रहकर अभ्यास करते हुए अपना शत प्रतिशत परिणाम देने का कार्य किया है।

पिता व माता गेम्स ने कहा कि रुबिना एशियन जीतकर देश के साथ अपने गांव का नाम भी रोशन करेगी। रुबिना के प्रशिक्षक डॉ. अनिल यादव ने भी भरोसा जताया है कि वह एशियन गेम्स में गोल्ड मेडल हासिल करेगी।

रूबिना के नाम दर्जनों उपलब्धियां

रूबिना ने रेवाड़ी के राव तुलाराम स्टेडियम में वर्ष 2014 से 2018 तक ऊंची कूद की बारीकियां अपने एथलेटिक ट्रेनर डॉ. अनिल कुमार के मार्गदर्शन में सीखीं। अब वह राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय स्तर तक पहुंचते हुए गुरु के साथ जिला और देश का नाम रोशन कर रही हैं। वर्तमान में रूबिना यादव रेवाड़ी के रेलवे जंक्शन में यात्रा टिकट परीक्षक (टीटीई) के पद पर कार्यरत है। रूबिना ने राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय स्तर पर दर्जनों उपलब्धियां हासिल की हैं।

इसी वर्ष एथलेटिक्स फेडरेशन ऑफ इंडिया की ओर से 15 से 18 मई को बिरसा मुंडा स्टेडियम मोरावादी रांची में करवाई गई 26वीं नेशनल फेडरेशन कम सीनियर एथलेटिक्स चैंपियनशिप में वह 1.80 मीटर की ऊंची कूद लगाकर एशियन गेम्स के लिए चयनित हुई थीं। पिछले वर्ष 13 जून को तमिलनाडु में आयोजित 61वीं नेशनल इंटर स्टेट सीनियर एथलेटिक्स चैंपियनशिप में रूबिना यादव ने 1.78 मीटर ऊंची छलांग लगाकर रजत पदक जीता था। रूबिना के नाम 1.81 मीटर ऊंची कूद लगाने का रिकॉर्ड है।

न्यूज ब्रीफ

अफगानिस्तान ने वर्ल्ड कप के लिए अजय जडेजा को मेंटर बनायाः टीम का पहला मुकाबला 7 अक्टूबर को बांग्लादेश से होगा

काबुल। पूर्व भारतीय कप्तान और मिडिल ऑर्डर बैटर अजय जडेजा वर्ल्ड कप के लिए अफगानिस्तान की टीम के मेंटर बनाए गए हैं। अफगानिस्तान क्रिकेट बोर्ड ने इसका ऐलान किया। अफगान टीम 7 अक्टूबर को धर्मशाला में बांग्लादेश के खिलाफ इस वर्ल्ड कप में अपना पहला मैच खेलेगी। अफगान टीम ने पहला वर्ल्ड कप 2015 में खेला था। 2019 में अफगान टीम किसी भी मैच में जीत हासिल करने में नाकाम रही थी। ऐसे में जडेजा को मेंटर बनाया जाना, इस टीम को फायदा पहुंचा सकता है। टीम के कई प्लेयर्स को भारत में खेलने का काफी अनुभव है। इनमें राशिद खान और मोहम्मद नबी के नाम फेहरिस्त में सबसे ऊपर हैं। ये दोनों लगातार आईपीएल खेलते आए हैं। अफगानिस्तान को जडेजा के अनुभव का फायदा होगा 5 अक्टूबर से शुरू हो रहे वर्ल्ड कप में हशमतुल्लाह शहीदी की कप्तानी वाली अफगानिस्तानी टीम को अजय जडेजा के अनुभव का फायदा मिलेगा, क्योंकि अजय जडेजा ने भारत में 60 वनडे मैच खेले हैं। वो राजस्थान टीम के कप्तान और असिस्टेंट कोच भी रहे हैं। जडेजा ने 2015-16 सीजन में दिल्ली टीम के हेड कोच के रूप में भी काम किया। अजय जडेजा ने भारतीय क्रिकेट टीम की ओर से 1992 से 2000 के बीच 15 टेस्ट मैच खेले। उन्होंने चार अर्धशतकों की मदद से 576 रन बनाए। जडेजा ने टीम इंडिया के लिए खेले 196 वनडे मैचों में 5359 रन बनाए हैं। इनमें 6 शतक और 30 अर्धशतक शामिल हैं। अफगानिस्तान का पहला अभ्यास मैच तिरुवनंतपुरम में दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ बारिश के कारण रद्द हो गया था। अब टीम को श्रीलंका के खिलाफ गुवाहाटी में श्रीलंका के खिलाफ दूसरा अभ्यास मैच खेलना है। अजय जडेजा पर साल 2000 में मैच फिक्सिंग के आरोप लगे थे। इसके बाद बीसीसीआई ने जडेजा पर 5 साल का प्रतिबंध भी लगा दिया था। इस प्रतिबंध के खिलाफ जडेजा ने दिल्ली हाईकोर्ट पर याचिका दायर की थी। बाद में कोर्ट ने आरोप खारिज कर दिए। इसके बाद जडेजा ने डोमेस्टिक क्रिकेट में वापसी भी की, हालांकि दूसरी पारी खास नहीं रही और वो टीम इंडिया में दोबारा जगह नहीं बना सके।

विश्वकप में ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ अश्विन का खेलना लगभग तय

चेन्नई । भारतीय टीम को विश्वकप में अपना पहला मुकाबला 8 अक्टूबर को चेन्नई में ऑस्ट्रेलिया से खेलना है। यहां के एमए चिदंबरम स्टेडियम में होने वाले इस मुकाबले के लिए भारतीय टीम की अंतिम ग्यारह तय है पर केवल दो खिलाड़ियों को लेकर ही संशय बना हुआ है। विश्वकप के ठीक पहले अक्षर पटेल की जगह पर अनुभवी स्पिनर आर अश्विन को रखा गया है, ऐसे में एक स्पिनर के तौर पर उनकी जगह तय है। अक्षर फिट नहीं होने के कारण विश्वकप से बाहर हो गये हैं। अश्विन ने विश्व कप से ठीक पहले ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ वनडे सीरीज में शानदार गेंदबाजी भी की जिसके कारण ही . उन्हें टीम में जगह मिली है। वैसी भी चेन्नई अश्विन का घरेलू मैदान है और यहां कैसे खेलना है वह जानते हैं। अश्विन के खिलने के कारण कुलदीप यादव और रवींद्र जडेजा में से किसी एक को ही जगह मिलेगी। जडेजा गेंदबाजी के साथ ही बल्लेबाजी भी करते हैं, ऐसे में कुलदीप को बाहर बैठना पड़ सकता है। अभी तक टीम इंडिया के पास कोई ऑफ स्पिनर नहीं था पर अश्विन के आने के बाद भारत को ऑफ स्पिनर मिल गया है। वो उन टीमों के खिलाफ कारगर हो सकते हैं, जिनके टॉप ऑर्डर में बाएं हाथ के बल्लेबाज ज्यादा हैं। ऑस्ट्रेलिया के शीर्ष दो बल्लेबाज डेविड वॉर्नर और एलेक्स कैरी बाएं हाथ के बल्लेबाज हैं, ऐसे में अश्विन प्रभावी हो सकते हैं। भारत के पास एक विकल्प ये भी है कि टीम इंडिया चेन्नई में दो के बजाए तीन स्पिनर के साथ खेले। ऐसी स्थिति में कुलदीप, जडेजा और अश्विन तीनों खेल सकते हैं और दो तेज गेंदबाज के रूप में जसप्रीत बुमराह और मोहम्मद सिराज खेल सकते हैं। वहीं तीसरे तेज गेंदबाज की जिम्मेदारी हार्दिक पंड्या के पास रहेगी।

भारत ने नेपाल को 23 रन से हराया

यशस्वी का शानदार शतक, साई किशोर ने डेब्यू मैच में बनाया रिकॉर्ड

हांगझोऊ ।
एशियाई खेल 2023 में भारतीय क्रिकेट जीत ने विजयी आगाज किया है। अपने पहले मैच में भारत ने नेपाल को 23 रन से हराया है। शीर्ष वरीयता वाली टीम होने के कारण भारत को सीधे क्वार्टर फाइनल में खेलने का मौका मिला और टीम इंडिया ने नेपाल को हराकर सेमीफाइनल में जगह बना ली। भारत ने टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी करते हुए चार विकेट पर 202 रन बनाए। इसके जवाब में नेपाल की टीम नौ विकेट खोकर 179 रन ही बना सकी। भारत के लिए बल्ले से यशस्वी जायसवाल ने शतक लगाया और 49 गेंद में 100 रन की शानदार पारी खेली। गेंद के साथ रवि बिश्नोई और आवेश खान ने तीन-तीन विकेट लिए। वहीं, भारत के लिए पहला मैच खेल रहे रवि साई किशोर ने फील्डिंग में रिकॉर्ड बनाया। भारत ने टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी करते हुए चार विकेट पर 202 रन बनाए। यशस्वी जायसवाल ने सबसे ज्यादा 100 रन का योगदान दिया। रिंकू सिंह ने 37, ऋतुराज और शिवम दुबे ने 25-25 रन बनाए। नेपाल के लिए दीपेंद्र सिंह ने दो विकेट लिए। सोमपाल कामी और लामिछाने को एक विकेट मिला। इसके जवाब में नेपाल की टीम नौ विकेट खोकर 179 रन ही बना पाई। सबसे ज्यादा 32 रन दीपेंद्र सिंह ने बनाए। संदीप जोरा और कुशल मल्ला ने 29, कुशल भुर्तेल ने 28 और करण ने 18 रन का योगदान दिया। इस वजह से नेपाल की टीम भारत को टक्कर देने में सफल रही। भारत के लिए रवि बिश्नोई और आवेश खान ने तीन-तीन विकेट लिए। अर्शदीप को दो और आर साई किशोर को एक विकेट मिला।

पहली पारी में क्या हुआ - टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी करते हुए भारत ने शानदार शुरुआत की। यशस्वी और ऋतुराज की जोड़ी ने पावरप्ले में 63 रन जोड़ लिए। यशस्वी तेजी से रन बना रहे थे और 22 गेंद में अपना अर्धशतक पूरा किया। वहीं, ऋतुराज अच्छी लय में नहीं थे। वह 23 गेंद में 25 रन बनाकर आउट हुए। दीपेंद्र सिहं ऐरी ने उन्हें रोहित के हाथों कैच कराया। तीसरे नंबर पर आए तिलक वर्मा 10 गेंद में दो रन बनाकर आउट हो गए। जितेश शर्मा भी पांच रन बनाकर चलते बने। शिवम दुबे ने यशस्वी जायसवाल के साथ मिलकर भारत का स्कोर 150 रन तक पहुंचाया। यशस्वी ने 48 गेंद में आठ चौके और सात छक्कों की मदद से अपना शतक पूरा किया। हालांकि, इसके बाद ही वह आउट हो गए। अंत में रिंकू सिंह और शिवम दुबे ने 22 गेंद में 52 रन की नाबाद साझेदारी कर टीम का स्कोर चार विकेट पर 202 रन तक पहुंचाया। रिंकू सिंह 15 गेंद में चार छक्के और दो चौकों की मदद से 37 रन बनाकर नाबाद रहे। वहीं, शिवम दुबे ने 19 गेंद में नाबाद 25 रन बनाए। नेपाल के लिए दीपेंद्र सिंह ने दो और सोमपाल, संदीप ने एक-एक विकेट लिया।

अंत में बिखरी नेपाल की टीम - 203 रन के विशाल लक्ष्य का पीछा करते हुए नेपाल ने अच्छी शुरुआत की। 29 रन के स्कोर पर टीम को पहला झटका लगा। आवेश खान ने आशिफ शेख को 10 रन के निजी स्कोर पर आउट कर दिया। हालांकि, नेपाल के बल्लेबाज बड़े शॉट खेलते रहे और पावरप्ले खत्म होने के बाद नेपाल का स्कोर एक विकेट पर 46 रन था। कुशल माला और कुशल भुर्तेल ने तेजी से रन बनाए। अपना पहला मैच खेल रहे आर साई किशोर ने कुशल भुर्तेल को 28 रन के स्कोर पर आउट कर भारत को दूसरी सफलता दिलाई। इसके बाद कुशल माला भी 29 रन बनाकर रवि बिश्नोई का शिकार बने। इसी ओवर में बिश्नोई ने नेपाल के कप्तान रोहित को आउट कर नेपाल का स्कोर 11 ओवर में 77/4 कर दिया। दीपेंद्र सिंह ऐरी और संदीप जोरा ने आक्रामक बल्लेबाजी कर मैच में नेपाल को बनाए रखा। ऐरी 15 गेंद में 32 रन बनाकर बिश्नोई का तीसरा शिकार बने। वहीं, जोरा को अर्शदीप ने यशस्वी के हाथों कैच कराया। सोमपाल कामी और गुलशन झा कुछ खास नहीं कर सके। करण ने 18 रन बनाए और अंत में रन बनाने की कोशिश की, लेकिन ज्यादा सफल नहीं हुए। अंत में भारतीय गेंदबाज नेपाल को 179 रन पर रोकने में सफल रहे और मैच अपने नाम किया। भारत के लिए आवेश खान और रवि बिश्नोई ने तीन-तीन विकेट लिए। यही दोनों भारत के सबसे सफल गेंदबाज रहे। अर्शदीप को दो विकेट जरूर मिले, लेकिन उनकी गेंदबाजी बेहद साधारण थी। उन्होंने 10 से ज्यादा के इकोनॉमी रेट से रन बनाए। वाशिंगटन सुंदर और शिवम दुबे भी काफी महंगे साबित हुए।

साई किशोर ने बनाया रिकॉर्ड - भारत के लिए आर साई किशोर ने इस मुकाबले में डेब्यू किया। बाएं हाथ के स्पिन ने गेंदबाज ने इस मैच में तीन कैच पकड़े और खास रिकॉर्ड अपने नाम किया। वह डेब्यू मैच में तीन कैच पकड़ने वाले पहले भारतीय हैं। साई किशोर को बल्लेबाजी का मौका नहीं मिला, लेकिन अपने चार ओवरों में उन्होंने काफी प्रभावित किया। साई किशोर ने चार ओवर में 25 रन देकर एक विकेट लिया। भारत के लिए अपना पहला मैच खेल रहे साई किशोर राष्ट्रगान के समय भावुक हो गए थे और उनकी आंखों में आंसू आ गए थे, लेकिन मैच के दौरान उन्होंने अपनी भावनाओं को काबू में रखते हुए अच्छा प्रदर्शन किया और टीम की जीत में योगदान दिया।

भारतीय तीरंदाज सभी छह टीम स्पर्धाओं के क्वार्टर फाइनल में; अतानु-अंकिता और ओजस-ज्योति का कमाल

हांगझोऊ ।
भारतीय तीरंदाजों ने बेहतरीन प्रदर्शन करते हुए एशियाई खेलों में सभी टीम स्पर्धाओं में क्वार्टर फाइनल में प्रवेश कर लिया। भारत ने पांच टीम एलिमिनेशन दौर खेले और सिर्फ एक सेट गंवाया। वहीं महिला कंपाउंड टीम को क्वालिफिकेशन में शीर्ष रहने के कारण क्वार्टर फाइनल तक बाय मिला था।

पांचवीं वरीयता प्राप्त अतानु दास और अंकिता भकत ने मलयेशिया के स्याकिरा बिंटी एम और मुहम्मद जरीफ स्याहिर बिन जोकेपेली को 39-38, 37-36, 39-33 से हराया। मलयेशिया की जोड़ी ने पहले सेट में तीन 10 स्कोर करके 2-0 की बढ़त बना ली थी, लेकिन भारत की अनुभवी जोड़ी ने दो 10 स्कोर करके वापसी की। मलयेशियाई टीम ने दूसरा सेट एक अंक के अंतर से गंवा दिया। वहीं तीसरे सेट में दास और अंकिता ने शानदार प्रदर्शन करते हुए तीन परफेक्ट 10 लगाए और क्वार्टर फाइनल में जगह बना ली जहां उनका सामना चौथी वरीयता प्राप्त इंडोनेशिया से होगा। इंडोनेशिया को हराने पर उनकी टक्कर शीर्ष रैंकिंग वाली दक्षिण कोरिया से हो सकती है।

एशियाई खेलों में छह कोटा स्थान उपलब्ध है जो रिकर्व मिश्रित टीम विजेता और व्यक्तिगत वर्ग में शीर्ष दो तीरंदाजों को मिलेंगे। कंपाउंड मिश्रित वर्ग में शीर्ष वरीयता प्राप्त ओजस देवताले और ज्योति सुरेखा वेन्नम ने सिर्फ एक अंक गंवाया और संयुक्त अरब अमीरात के मोहम्मद बिनामरो और आमना अलावाधी को 159-151 से मात दी। अब उनका सामना मलयेशिया से होगा। कंपाउंड टीम वर्ग में दूसरी वरीयता प्राप्त ओजस, अभिषेक वर्मा और प्रथमेश जावकर ने 15वीं वरीयता प्राप्त सिंगापुर (वून तेंग एंग, ली चुंग ही एलेन और जुन हुइ गोह) को 235-219 से हराया । अब उनका सामना निचली रैंकिंग वाली भूटान टीम से होगा। शीर्ष वरीयता प्राप्त महिला कंपाउंड टीम (ज्योति, अदिति स्वामी और परनीत कौर) क्वार्टर फाइनल में नौवीं वरीयता प्राप्त हांगकांग से खेलेगी जिसने बांग्लादेश को 225-218 से हराया। दास, धीरज और तुषार शेल्के की पुरुष रिकर्व टीम ने हांगकांग के क्वोक यिन चाइ, लॉ क्वुन पोक लूसियेन और चुन किट को 58-47, 57- 49, 57-55 से हराया।

वेस्टइंडीज ने चेज किया विमेंस टी-20 का सबसे बड़ा टारगेटः ऑस्ट्रेलिया को 7 विकेट से हराया, हेली मैथ्यूज ने 132 रन बनाए; 7 रिकॉर्ड टूटे

सिडनी।
वेस्टइंडीज ने विमेंस टी-20 का सबसे बड़ा टारगेट चेज किया है। टी-20 सीरीज के दूसरे मुकाबले में टीम ने 212 का टारगेट चेज कर ऑस्ट्रेलिया को 7 विकेट से हराया। विंडीज की जीत से 3 मैचों की सीरीज 1-1 की बराबरी पर आ गई है। नॉर्थ सिडनी के मैदान पर ऑस्ट्रेलिया ने पहले बैटिंग करते हुए 20 ओवर में 6 विकेट पर 212 रन बनाए। जवाब में वेस्टइंडीज ने 19.5 ओवर में 3 विकेट पर टारगेट चेज कर दिया। कप्तान हेली मैथ्यूज ने 64 बॉल पर 132 रन की पारी खेली। उन्होंने 3 विकेट भी चटकाए।

विमेंस टी-20 के सबसे बड़े रन चेज - वेस्टइंडीज ने विमेंस टी-20 का सबसे बड़ा रन चेज किया है। इससे पहले यह रिकॉर्ड इंग्लैंड के नाम था। इंग्लिश टीम ने 2018 में 199 रन का टारगेट चेज किया था।

आलिया एलेने ने सबसे ज्यादा रन लुटाए - वेस्टइंडीज की गेंदबाज आलिया एलेने विमेंस टी-20 मैच की एक पारी में सबसे ज्यादा रन गंवाने वाली गेंदबाज बनीं। उन्होंने ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ 53 रन लुटाए। पहले यह रिकॉर्ड विंडीज की चेडीन नेशन (44 रन) के नाम था।

ऑस्ट्रेलिया से 7वें विकेट की सबसे बड़ी पार्टनरशिप - जॉर्जिआ वेयरहैम फोएबे लिचफील्ड की जोड़ी ने ऑस्ट्रेलिया की ओर से 7वें विकेट के लिए सबसे बड़ी पार्टनरशिप की। दोनों ने 7वें विकेट के लिए नाबाद 66 रन बनाए। इस जोड़ी ने एजे ब्लैकवेल और लिजा स्थालकर का रिकॉर्ड तोड़ा। इन दोनों ने न्यूजीलैंड के खिलाफ 48 रन जोड़े थे।

ऑस्ट्रेलिया-वेस्टइंडीज टी-20 में सबसे ज्यादा रन बने - ऑस्ट्रेलिया-वेस्टइंडीज टी-20 मैच में सबसे ज्यादा रन भी इसी मैच में बने। दोनों टीमों को मिलाकर कुल 425 रन बने। इसके पहले, नवंबर 2014 में दोनो टीमों ने 299 रन बनाए थे।

हेली मैथ्यूज विंडीज की हाईएस्ट स्कोरर, डोटेन को पीछे छोड़ा - हेली मैथ्यूज ने वेस्टइंडीज की तरफ से टी-20 में सबसे बड़ा इंडीविजुअल स्कोर बनाया। उन्होने 206 के स्ट्राइक रेट से 132 रनों की पारी खेली। मैथ्यूज ने डिएंड्रा डॉटिन (112 रन) का रिकॉर्ड तोड़ा।

मैथ्यूज ने सबसे ज्यादा 110 रन बाउंड्री से बनाए, डोटेन का रिकॉर्ड तोड़ा - मैथ्यूज एक पारी में बाउंड्री से सबसे ज्यादा रन बनाने वाली खिलाड़ी भी बनी। उन्होने अपनी पारी के 132 में से 110 रन बाउंड्री से बनाए जो अबतक सबसे ज्यादा हैं। इसके पहले यह रिकॉर्ड वेस्टइंडीज की ही डिएंड्रा डॉटिन के नाम था।

भारतीय महिला हॉकी टीम का विजय रथ जारी आखिरी ग्रुप मैच में हॉन्गकॉन्ग को 13-0 से हराया

हांगझोऊ ।
एशियाई खेल 2023 में भारतीय महिला हॉकी टीम का विजय रथ जारी है। ग्रुप स्टेज में अजेय रहते हुए भारत ने सेमीफाइनल में जगह बना ली है। अपने आखिरी ग्रुप मैच में भारत ने हॉन्गकॉन्ग को 13-0 के विशाल अंतर से हराया। भारतीय महिला हॉकी टीम से एशियाई खेलों में स्वर्ण की उम्मीद है। हॉन्गकॉन्ग के खिलाफ मुकाबले में भारतीय स्ट्राइकर वंदना कटारिया, उप-कप्तान दीप ग्रेस एक्का और दीपिका ने हैट्रिक बनाई, जिससे भारत ने एशियाई खेलों में महिला हॉकी प्रतियोगिता में हांगकांग पर 13-0 से जीत हासिल की। अपने आखिरी पूल मैच में इस जीत ने टीम को सेमीफाइनल में पहुंचा दिया।

वंदना मैदान पर शानदार लय में थीं, उन्होंने दूसरे, 16वें और 48वें मिनट में गोल किए। इसी तरह, दीप ग्रेस ने 11वें, 34वें और 42वें मिनट में पेनल्टी कॉर्नर को गोल में तब्दील किया और दीपिका ने भी इसके बाद चौथे, 54वें और 58वें मिनट में गोल किए। संगीता कुमारी, मोनिका और नवनीत कौर ने भी गोल कर भारत की जीत में योगदान दिया। भारत के लिए, यह मैच पूल ए में उनका चौथा मैच था, जिसमें टीम इंडिया बेहतर गोल अंतर से जीत हासिल की और 10 अंकों के साथ अपने ग्रुप में शीर्ष स्थान पर कब्जा किया। दक्षिण कोरिया इस ग्रुप में दूसरे स्थान पर है, जिसके पास सात अंक हैं। टूर्नामेंट के नियमों के अनुसार, प्रत्येक पूल से दो टीमें सेमीफाइनल के लिए क्वालिफाई करती हैं। हांगकांग के खिलाफ पूरे मैच के दौरान, भारतीय खिलाड़ियों ने मैदान पर पूरा दबदबा दिखाया, पहले दो क्वार्टर में छह गोल किए और हाफ टाइम के बाद सात और गोल किए। मैच की शुरुआत धमाकेदार रही और वंदना ने नवनीत कौर के पास की बदौलत सिर्फ दो मिनट के भीतर भारत को आगे कर दिया। शुरुआती गेम में पेनल्टी कॉर्नर पर कुछ असफल प्रयासों के बावजूद, भारत ने मैदान पर अपना कौशल दिखाना जारी रखा और दीपिका के गोल की मदद से अपनी बढ़त दोगुनी कर ली। पहले क्वार्टर के अंत तक मोनिका और दीप ग्रेस के अतिरिक्त दो गोलों ने भारत को अच्छी बढ़त दिला दी। दूसरा हाफ भी अलग नहीं था, क्योंकि भारत ने सात और गोल करके अपनी गति का फायदा उठाया, जिसमें डीप ग्रेस द्वारा बदले गए दो पेनल्टी कॉर्नर भी शामिल थे। इस विस्तारित बढ़त ने खेल पर भारत की पकड़ को और मजबूत कर दिया, जिससे एक आसान जीत हासिल हुई।

क्रिकेट विश्व कप में इस बार दक्षिण अफ्रीका भी है प्रबल दावेदार

मुम्बई ।
एकदिवसीय विश्वकप क्रिकेट में इस बार दक्षिण अफ्रीका ने खिताब जीतने अपनी सबसे मजबूत संभावित अंतिम ग्यारह उतारी है। दक्षिण अफ्रीका अच्छे प्रदर्शन के बाद भी अब तक एक बार भी विश्वकप नहीं जीत पायी है। 1992 में अंतरराष्ट्रीय स्तर पर वापसी के बाद से अफ्रीकी टीम एकदिवसीय क्रिकेट में सर्वश्रेष्ठ टीमों में शामिल रही है इसके बाद भी वह आईसीसी टूर्नामेंटों में विफल् हो जाती है।

वह नॉकआउट मुकाबले से आगे नहीं बढ़ पायी है। दक्षिण अफ्रीका ने 1992, 1999, 2007 और 2015 में सेमीफाइनल में जगह बनाई पर वह एक बार भी खिताबी मुकाबले में नहीं पहुंच पायी। इस बार टीम एक बार फिर नये जोश से उतरी है। उसने सीरीज के पहले दो एकदिवसीय हारने के बाद भी ऑस्ट्रेलिया को 3-2 से पराजित किया। ऐसे में इस बार उसे भी खिताब का प्रबल दावेदार माना जा रहा है। इन खिलाड़ियों पर रहेगा जीत का दारोमदार

टेम्बा बावुमा (कप्तान) : बावुमा ने 30 एकदिवसीय मैचों में 5 शतक और 4 अर्द्धशतक के साथ 1367 रन बनाये हैं, उनका स्ट्राइक रेट 91.07 रहा है। उनपर बड़ी पारी खेलने की जिम्मेदारी होगी।

वैन डेर डुसेन : डुसेन ने 49 एकदिवसीय मैचों में 4 शतक और 12 अर्धशतक के साथ 1874 रन बनाये हैं। उनका सबसे अधिक स्कोर 134 रन और औसत 54.78 है।

एडेन मार्कराम (उप-कप्तान) : मार्कराम ने अबतक 55 एकदिवसीय मैचों में 2 शतक और 7 अर्द्धशतक लगाने के साथ ही 1665 रन बनाये हैं। उनका सबसे अधिक स्कोर 175 और स्ट्राइक रेट 96.35 रन है।

हेनरिक क्लासेन : क्लासेन ने 41 एकदिवसीय मैचों में 1323 रन बनाये हैं। उनके नाम 3 शतक और 5 अर्धशतक है। उनका औसत 41.34 और स्ट्राइक रेट 111.64 रन है।

क्विंटन डी कॉक : विकेटकीपर बल्लेबाज डी कॉक ने अब तक 145 एकदिवसीय मैचों में

17 शतकों के साथ ही 6176 रन बनाये हैं। उनका सर्वश्रेष्ठ स्कोर 178 रन रहा है। उनका औसत 44.75 और स्ट्राइक रेट 95.75 का है। उनके नाम विश्व कप के 17 मैचों में 4 अर्द्धशतक के साथ 450 रन हैं। ये डी कॉक का अंतिम विश्वकप है ऐसे में वह अपनी टीम के लिए जीत दर्ज करना चाहेंगे।

डेविड मिलर : मिलर अपना तीसरा विश्व कप खेलेंगे। उनके नाम 160 एकदिवसीय मैचों में 5 शतक और 23 अर्द्धशतक हैं। उन्होंने अब तक 42.60 के औसत और 103.33 के स्ट्राइक रेट से 4090 रन बनाये हैं।

कगिसो रबाडा : तेज गेंदबाजी रबाडा ने अब तक 92 एकदिवसीय मैचों में कुल 144 विकेट लिए हैं। वह टीम के मुख्य तेज गेंदबाज हैं। उन्होंने 5.06 के इकॉनमी रेट के साथ ही 16 रन देकर 6 विकेट लिए हैं।

लुंगी एनगिडी : एनगिडी ने 48 एकदिवसीय मैच में 78 विकेट लिए हैं। उनका सबसे बेहतर प्रदर्शन 58 रन देकर 6 रहा है। उनका इकॉनमी रेट 5.72 रहा है।

तबरेज शम्सी : शम्सी ने 46 एकदिवसीय मैचों में 5.50 के इकॉनमी रेट से कुल 63 विकेट

लिए हैं। उनका सबसे बेहतर प्रदर्शन 49 रन देकर 5 विकेट रहा है।

केशव महाराज : केशन ने 31 एकदिवसीय मैचों में कुल 37 विकेट

लिए हैं। उनका सर्वश्रेष्ठ आंकड़ा 33 रन देकर 4 रहा है। वहीं उनका इकॉनमी रेट 4.69 रहा है।

एंडिले फेहलुकवायो : फेहलुकवायो ने अबतक 76 एकदिवसीय मैचों में 781 रन और 89 विकेट लिए हैं। उनके नाम 2 अर्धशतक हैं। गेंदबाजी की बात करें तो उनका सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन 22 देकर चार विकेट रहा है।

नींद नहीं आती तो दूध का सेवन करें

जिन लोगों को नींद नहीं आती, उन्हें सोने से पूर्व एक गिलास दूध पीना चाहिए। यह बात वैज्ञानिक रूप से सिद्ध हो चुकी है कि नींद लाने में दूध मुख्य भूमिका निभाता है। दूध जब पेट में जाता है तो अतिरिक्त एसिड को शरीर में से खत्म कर नींद लाने में सक्षम होता है। दूध में एमीनो-एसिड लेबपटोफान होता है जो नींद लाने में सहायक है। नींद के लिए गोलियों का प्रयोग हानिकारक है।

फायदेमंद है केले का सेवन

केला स्वास्थ्य के लिए बहुत लाभदायक है। रोज एक केला खाना तन-मन को तंदुरुस्त रखता है। केला शुगर और फाइबर का बेहतरीन स्रोत होता है। केले में थाइमिन, नियासिन और फॉलिक एसिड के रूप में विटामिन ए और बी पर्याप्त मात्रा में मौजूद होता है। साथ ही इसमें पानी की मात्रा 64.3 प्रतिशत, प्रोटीन 1.3 प्रतिशत, कार्बोहाईड्रेट 24.7 प्रतिशत तथा चिकनाई 8.3 प्रतिशत होती है।

पिस्ते से कम करें शरीर की सूजन

पिस्ता खाने में स्वादिष्ट होने के साथ-साथ सेहत के लिए भी बहुत फायदेमंद है। इसका इस्तेमाल कई व्यंजन बनाने में किया जाता है। इसमें विटामिन, मिनरल्स, वसा, फाइबर पाया जाता है। इसका सेवन करने से हम कई बीमारियों से बच सकते हैं। रोजाना पिस्ते का सेवन करने से आंखों की रोशनी बढ़ती है। अगर पैरों या हाथों में सूजन रहती है तो पिस्ते का सेवन करें। इसमें मौजूद विटामिन-ए सूजन को कम करते है।

जलने पर न करें गलतियां...

त्वचा का कोई भाग अगर जल गया है, तो आप उसके लिए किए जाने वाले कुछ घरेलू उपाय जरूर जानते होंगे। लेकिन क्या आप यह जानते हैं, कि जल जाने पर ऐसी कौन सी सावधानियां रखी जाए, जिससे आपको और परेशानी नहीं उठानी पड़े और घाव बढ़ न जाए।

बर्फ के प्रयोग से बचें

त्वचा के जल जाने पर कई लोग जलन से बचने के लिए बर्फ का सहारा लेते हैं। यह बात सही है कि बर्फ की सिकाई से जलन खत्म हो जाएगी, लेकिन बर्फ उस स्थान पर खून को जमा सकती है, जिससे आपका रक्त संचार प्रभावित हो सकता है। इसलिए बर्फ का प्रयोग करने से बचें। बर्फ की सिकाई करने पर फफोले पड़ने की आशंका कम नहीं होती बल्कि इससे परेशानी बाद में बढ़ सकती है। इसलिए सावधानी जरूर बरतें।

रूई का इस्तेमाल न करें

कभी भी जले हुए स्थान पर रूई का प्रयोग भूल कर भी न करें। यह त्वचा पर चिपक सकती है, जिससे अधिक जलन होगी। इसके अलावा बैक्टीरिया पनपने की आशंका भी होगी। जले हुए स्थान पर मक्खन या मलहम को तुरंत लगाने से बचें और फफोले पड़ने पर उन्हें फोड़ने की गलती बिल्कुल न करें। इससे संक्रमण फैल सकता है और तकलीफ बढ़ सकती है।

घर पर न करें उपचार

अत्यधिक जल जाने पर घर पर उपचार आजमाने के बजाए तुरंत पीड़ित को अस्पताल लेकर जाएं। जले हुए स्थान पर अगर कोई कपड़ा चिपका हुआ हो तो उसे उतारें नहीं, इससे त्वचा के निकलने के का खतरा होता है। अत्यधिक जले हुए मरीज को पानी मत दीजिए, बल्कि ओआरएस का घोल पिलाइए। क्योंकि जलने के बाद आदमी की आंत काम करना बंद कर देती है और पानी सांस नली में फंस सकता है जो कि जानलेवा हो सकता है।

क्या ताजी दिख रहीं सब्जियां सच में ताजा हैं...?

क्या हमारे द्वारा रोजाना खाई जाने वाली सब्जियां वास्तव में ताजा होती है? यह बताना जरा मुश्किल है लेकिन यह बात सच है कि सब्जियों में ताजगी हो या नहीं, लेकिन आज के समय में इन्हें तरोताजा दिखाने के लिए केमिकल का इस्तेमाल होता है। जी हां हरी सब्जियों को लंबे समय तक संरक्षित और ताजगी को बरकरार रखने के लिए उन्हें केमिकल में रखा जाता है वहीं दूसरी तरफ लौकी जैसी सब्जियों का आकार बढ़ाने के लिए ऑक्सीटोन के इंजेक्शन लगाए जाते हैं जो सेहत के लिए नुकसानदायक होते है। इससे कई प्रकार की बीमारियां हो सकती हैं।

इन बातों का रखें ख्याल

आहार विशेषज्ञों को कहना है कि हालांकि लोगों को अपने आहार में ताजा सब्जियों का इस्तेमाल करना चाहिए। क्योंकि ये स्वादिष्ट और पौष्टिक होने के साथ विटामिन, कार्बोहाइड्रेट और प्रोटीन जैसी पोषक तत्वों से भरपूर होती हैं। लेकिन इस बात का ध्यान रखना चाहिए कि सब्जियां बहुत दिनों से संरक्षित न रखी गई हो। सब्जियों को ताजा बनाएं रखने के लिए इंजेक्शन न लगाया गया हो।

चमकदार सब्जी न खरीदें

हमें ज्यादा चमकने वाली सब्जी ताजा लगती है, लेकिन सब्जी खरीदते समय इस बात का विशेष ध्यान रखें कि आप जो सब्जी ले रहे हैं, वह अतिरिक्त रंग और चमक लिए हुए न हो। क्योंकि केमिकल के कारण सब्जियां अतिरिक्त चमक और चटख रंग लिए हुए होती हैं। ऐसी सब्जियां खाने से पेट की समस्याएं जैसे अल्सर, एसिडिटी और गैस हो सकती है।

पोषक तत्वों का नष्ट होना

अधिक समय तक संरक्षित कर रखी हुई सब्जियों का प्रयोग बिल्कुल न करें। इन सब्जियों के पोषक तत्व नष्ट हो जाते हैं और सेहत को इनका कोई फायदा नहीं मिलता बल्कि आपकी सेहत को नुकसान हो जाता है। सब्जी को बनाने के बाद कुछ घंटों में ही उसका इस्तेमाल करना बेहतर होगा, अन्यथा यह सेहत के लिए हानिकारक भी हो सकती हैं। एक बार सब्जी को बनाने के बाद उसे बार-बार गर्म करके लंबे समय तक इस्तेमाल करना स्वास्थ्य के लिए हानिकारक होता है। ऐसा करने पर उसके पोषक तत्व नष्ट होंगे, स्वाद में भी परिवर्तन होगा और आपको कोई फायदे भी नहीं मिल पाएंगे।

फ्रिज में रखी सब्जी का सेवन

ज्यादातर लोग सब्जी को बनाकर फ्रिज में रख देते हैं और कई घंटों बाद इसका इस्तेमाल करते हैं। सब्जी को फ्रिज में रख देने का मतलब यह नहीं है कि वह जरा भी खराब नहीं होगी। फ्रिज में रखी सब्जी को भी छह-सात घंटे के भीतर इस्तेमाल कर लेना चाहिए। इसके बाद उसके पोषक तत्व खत्म होने लगते हैं। इससे हमें उस सब्जी से वह पोषक तत्व प्राप्त नहीं होते जो वास्तव में हमें चाहिए होते हैं।

हमेशा ठीक नहीं एंटीसेप्टिक साबुन...

आजकल लगभग हर कोई हाथ धोने के लिए एंटीसेप्टिक साबुन या जैल का प्रयोग करता है। हम सब इसे संक्रमण से बचाव का बेहतर तरीका मानते हैं, लेकिन सच्चाई इसके उलट है। हाल ही में एफडीए यानी अमरीकन फूड एंड ड्रग एडमिनिस्ट्रेशन ने 17 से अधिक एंटीसेप्टिक साबुनों को प्रतिबंधित किया है कि इससे कोई लाभ नहीं है और यह सुरक्षित प्रतीत नहीं होते। स्टडी के दौरान ऐसा कोई साक्ष्य नहीं मिला, जो साबित कर सके कि एंटीसेप्टिक साबुन, सामान्य साबुन और पानी से बेहतर है।

बैक्टीरिया की क्षमता

रिसर्च में यह साबित हो चुका है कि एंटीबॉयोटिक्स के लगातार संपर्क में आने से बैक्टीरिया में प्रतिरोधी क्षमता विकसित हो जाती है जो कि बेहद खतरनाक है। एफडीए ने यह कहते हुए चेतावनी जारी की थी कि अत्यधिक एंटीबायोटिक के प्रयोग से मानव हार्मोन्स के प्रभावित होने और बैक्टीरिया में प्रतिरोधी क्षमता बनने का खतरा है।

खतरनाक रसायन

एफडीए ने एंटीसेप्टिक साबुन उत्पादक कंपनियों से इस विषय पर स्टडी करने को भी कहा था, लेकिन किसी ने ऐसा नहीं किया। प्रतिबंधित हुए एंटीसेप्टिक रसायनों में ट्राईक्लोजन और ट्राइक्लोकार्बन जैसे एंटीसेप्टिक रसायन भी शामिल हैं। ट्राईक्लोजन 93% एंटीसेप्टिक साबुनों में प्रयोग किया जाता है। अध्ययन में साफ हुआ है, ट्राईक्लोजन मानव और पशुओं के स्वास्थ्य पर नकारात्मक प्रभाव डालता है। स्टडी के मुताबिक ट्राईक्लोजन ने मानव आंतों में पाए जाने वाले माइक्रोबियम का ढांचा बदल दिया है। यह मानव भ्रूण के लिए भी नुकसानदायक है।

बच्चे को गिफ्ट देने में रखें सावधानी...

बच्चों के लिए बाजार में बहुत तरह के खिलौने मौजूद होते हैं, लेकिन कुछ खिलौने उनके लिए खतरनाक हो सकते हैं। छोटे बच्चे इन खिलौने को मुंह में डालते हैं। ऐसे में रंग वाले खिलौने को भूलकर भी न खरीदें। जब भी आप छोटे बच्चों के लिए गिफ्ट खरीदते हैं, तो पहले यह तय कर लें कि उसका कोई बुरा असर बच्चे पर न हो। बच्चों के लिए हमेशा ऐसे खिलौने खरीदने चाहिए, जिनसे उन्हें कोई खतरा नहीं हो। छोटे बच्चों की आदत होती है कि वे कोई भी चीज सबसे पहले मुंह में ही डालते हैं। ऐसे में कोशिश करें कि आप उन्हें जो भी गिफ्ट दें वह नुकीला न हो। बच्चों को लोकल और सस्ते खिलौने नहीं दें, क्योंकि यह अच्छी क्वालिटी के नहीं होते हैं। ऐसे में इन खिलौने का पेंट अच्छा नहीं होता है और कुछ समय बाद ही छूटने लगता है। इससे बच्चे की सेहत पर बुरा असर भी पड़ सकता है। सबसे पहली बात यह है कि यदि आप बच्चे के लिए जूते या सैंडिल लेकर जाते हैं, तो जरूरी नहीं कि वह उनको फिट आए। ऐसे में बच्चे के साइज को लेकर प्रॉब्लम हो सकती है। ज्यादातर पेरेंट्स अपने बच्चों को अपने पसंद के फुट-वीयर पहनाना पसंद करते हैं। बच्चों को टॉफी बहुत पसंद होती है। आपको बता दें बहुत अधिक मीठा बच्चों के लिए खतरनाक हो सकता है। ऐसे में कई पैरेंट्स अपने बच्चों को बहुत ज्यादा मीठा देने से बचते हैं। मीठे से बच्चों के दांतों में सड़न और कैविटी होने का खतरा रहता है।

वैक्सिंग के दौरान बचें इन्फेक्शन से...

महिलाएं शरीर की खूबसूरती को बनाए रखने के लिए कई तरीके अपनाती हैं। इसमें से एक है वैक्सिंग। शरीर से बालों को हटाने के इस तरीके में बहुत दर्द का सामना करना पड़ता है। अंडर आर्म्स और हेयर रिमूविंग पर महिलाएंखास ध्यान देती हैं। इसके लिए आजकल बिकनी वैक्स का ट्रेंड जोरों पर है। शोध कहते हैं कि इससे संक्रमण होने का डर रहता है। एक शोध में यह बात सामने आई है कि वैक्स कराने के दौरान वायरस या बैक्टीरिया शरीर के अंदर चले जाते हैं। यानी एसटीडी के बढ़ने के कारणों में प्यूबिक हेयर रिमूविंग भी एक है। दरअसल, वैक्सिंग से त्वचा को नुकसान पहुंचता है। स्टडी में पाया गया कि खराब वैक्सिंग टूल के प्रयोग से बैक्टीरिया ट्रांसफर होते हैं। साथ ही सामने आया है कि प्यूबिक हेयर वैक्सिंग करने से स्किन जलने का खतरा रहता है। बैक्टीरियल इन्फेक्शन से बचने के लिए वैक्सिंग में इस्तेमाल किया जाने वाले औजार साफ होने चाहिए। वैक्सिंग के बाद टाइट कपड़े पहनेंगी तो जलन-सूजन जैसी परेशानी भी हो सकती है। कॉटन के इनरवेयर या फिर ढीले-ढाले कपड़े पहनें। ध्यान रखें कि आप जिस पार्लर में जाती हैं वह साफ-सुथरा हो और वैक्सिंग करने वाली ब्यूटी एक्सपर्ट के हाथ साफ हों। वैक्स का तापमान सही होना चाहिए वरना यह स्किन को जला सकता है।

नजरिया हो प्रोफेशनल...

एंट्रेंस एग्जाम और इंटरव्यू में सफल होकर आपने मनपसंद नौकरी हासिल कर ली। अब अपने हुनर और कौशल को प्रदर्शित करने की बारी है। दरअसल पहली नौकरी एक ऐसा आधार है, जो करियर की नींव रखती है।

साथ ही यह जीवन का एक नया फेज है, जिसमें आप छात्र जीवन से निकल कर पेशेवर दुनिया में कदम रखते हैं। इस बदलाव के समय में जरूरी है कि आप सजग, सहज और सबल रहें। आइए जानते हैं नौकरी मिल जाने के बाद ऑफिस में किन बातों का ख्याल रखना चाहिए।

समय की पाबंदी जरूरी

सबसे अहम है समय की पाबंदी। इस बात का खास ध्यान रखें कि आप ऑफिस कभी देरी से न पहुंचें। नौकरी ज्वाइन करने के बाद नए कर्मचारियों पर एचआर और बॉस की विशेष नजर रहती है, इसलिए इस बात का ध्यान रहे कि ऑफिस पहुंचने में देर न हो। भले ही तय समय से कुछ पहले ऑफिस पहुंच जाएं। कॉलेज में पहला पीरियड निकल जाने के बाद पहुंचना चल जाता था, लेकिन ऑफिस में यह रवैया नहीं चल सकता।

माहौल के हिसाब से रहें

हर ऑफिस का अपना अलग अंदाज और माहौल होता है, अलग संस्कृति होती है। नौकरी मिलने के बाद सबसे पहले आप अपने ऑफिस के तौर-तरीके सीखें। वहां के माहौल का अध्ययन करें और उसके अनुसार ही अपना व्यवहार रखें। दूसरों के काम में ताक-झांक न करें और अपने काम से मतलब रखें।

खुद सीखना होगा

आपको इस बात का अंदाजा होगा कि करियर में सफलता के लिए प्रोफेशनल नजरिया रखना कितना जरूरी है। लेकिन प्रोफेशनलिज्म का मतलब होता क्या है? शायद ही कोई शिक्षण संस्थान प्रोफेशनलिज्म सिखाता है। यह आपको खुद सीखना होगा। दूसरों को देख कर, उनके संपर्कमें आकर। प्रोफेशनल नजरिया रखने के लिए सबसे ज्यादा जरूरी है कि आप अपनी संस्था के सांस्कृतिक मापदंडों को समझें और उनका अनुसरण करें। अपने सहकर्मियों के साथ विनम्रता से पेश आएं। जिन्हें नहीं पसंद करते, उनके साथ भी विनम्र रहें। आपके साथ अच्छा व्यवहार न करने वाले लोगों के साथ भी विनम्रता से ही पेश आएं। इससे आप कहीं ज्यादा पेशेवर दिखेंगे।

जिम्मेदारी से करें काम

आप अपना काम जिम्मेदारी के साथ और प्रोफेशनली करें, इसके लिए जरूरी है कि आपको अपने काम की समझ हो। कई बार उत्साह में फ्रेशर्स कुछ का कुछ कर बैठते हैं, इसलिए पहले अपने बॉस के साथ बैठ कर अपना काम अच्छी तरह समझ लें। कहीं शंका हो तो उसे भी दूर करें। यदि कुछ नया करना चाहते हैं तो अपने आइडियाज बॉस के साथ शेयर करें।

ज्यादा छुट्टियां न लें

कॉलेज में आपने खूब क्लास बंक की होंगी, पर अब आपको अपनी यह आदत बदलनी होगी। बॉस और एचआर ऐसे कर्मियों को बिल्कुल पसंद नहीं करते, जो बार-बार छुट्टियां लेते हैं। इस तरह आप उनकी गुड-बुक में भी शामिल नहीं हो पाएंगे। इसलिए जब तक जरूरी न हो, अतिरिक्त छुट्टियां न लें।

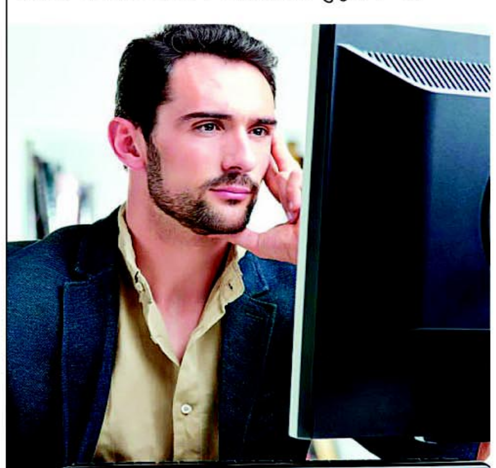

इन बातों का रखें ध्यान

- दफ्तर में ऊंची आवाज में बात न करें।
- अहंकार न पालें, इससे ऑफिस का माहौल नकारात्मक होता है।
- दफ्तर के समय में फोन पर कम से कम निजी बातें करें। फोन की आवाज भी धीमी रखें। फोन साइलेंट मोड पर भी रख सकते हैं।
- आपके व्यवहार में भी ऐसी खूबियां दिखनी चाहिए, जो कंपनी की ग्रोथ में मददगार हों।
- आपके हाव-भाव में यह दिखना चाहिए कि आप अच्छे श्रोता हैं।
- बॉस की बातें सुन कर उनके विचारों को अमल में लाने की कोशिश करें।
- कंपनी की बेहतरी के लिए कुछ योजनाएं हों तो वे भी शेयर करें।
- ऑफिस में काम करने वाले सभी कर्मियों का सम्मान करें, खासकर महिलाओं के साथ अपना आचरण मर्यादित रखें।
- अपने पद की गरिमा बनाए रखें।

मेहनती होने का परिचय दें

फर्स्ट इम्प्रेशन इज द लास्ट इम्प्रेशन ये कहावत तो आपने सुनी होगी। यह बात सौ फीसदी सच है। नौकरी के शुरुआती दिनों में आपकी जैसी छवि बनती है, उसी के आधार पर लोग आपके काम का आकलन करते हैं। हालांकि अपनी छवि को बदला भी जा सकता है, लेकिन तब इसके लिए काफी मेहनत करनी पड़ती है। इसलिए आप हर तरह से अच्छे और मेहनती होने का परिचय दें। आपके हाव-भाव और पहनावे से एक पेशेवर की झलक आनी चाहिए।

रेसिपी

शाही आलू

सामग्री

14 -16 उबले और छिले हुए छोटे आलू, 3 स्पून तेल, 1 कप बारीक कटे हुए टमाटर, 3 स्पून दही, 1 स्पून लाल मिर्च पाउडर, 6 काजू, 1 स्पून किशमिश, 2 स्पून बारीक कटा हुआ हरा धनिया, 1/2 स्पून शक्कर, नमक सवादअनुसार, पेस्ट बनाने के लिए: दालचीनी का टुकड़ा, 2 इलायची, लौंग, 6 काली मिर्च, 1 स्पून खड़ा धनिया, 1/2 स्पून ज़ीरा, 1 स्पून खस-खस, 1/2 अदरक का टुकड़ा, 3 लहसुन की कलियां, 1/2 स्पून लाल मिर्च पाउडर, **सजाने के लिए:** 2 स्पून बारीक कटा हुआ हरा धनिया

विधि

कढ़ाई में तेल गरम करें, तैयार पेस्ट डालकर मध्यम आंच पर 1-2 मिनट तक भूनें। टमाटर डालकर अच्छी तरह मिलायें और बीच में एक बार हिलाते हुए और टमाटर कप चम्मच के पिछले भाग से मसलते हुए, मध्यम आंच पर 2-3 मिनट तक पका लें। दही और लाल मिर्च पाउडर डालकर अच्छी तरह मिलाएं और लगातार हिलाते हुए, मध्यम आंच पर 1 मिनट तक पकाएं। काजू, किशमिश, धनिया, शक्कर, नमक और 1/4 कप पानी डालकर अच्छी तरह मिलाएं और लगातार हिलाते हुए, मध्यम आंच पर 2-3 मिनट तक पकाएं। आलू डालकर अच्छी तरह मिलाएं और बीच-बीच में हिलाते हुए, मध्यम आंच पर 2 मिनट तक पकाएं। गरमा गरम परोसें।

पनीर फ्रिटर्स

सामग्री

1 कप चूरा किया हुआ पनीर, नमक स्वादअनुसार, 1 टेबल-स्पून कसा हुआ लहसुन, 1 टी-स्पून लाल मिर्च पाउडर, 2 टी-स्पून टमॅटो कैचप, 5 टेबल-स्पून मैदा, 3/4 कप क्रश्ड पापड़, **तलने के लिए:** तेल , **परोसने के लिए:** टमेटो कैचप

विधि

पनीर को प्लेट में रखकर अच्छी तरह गूंथ लें। नमक, लहसुन, लाल मिर्च पाउडर, टमेटो कैचप डालकर अच्छी तरह मिलाएं। मिश्रण को 9 बराबर भाग में बांटकर, प्रत्येक भाग को 50 मिमी (2) आकार के लंबे सिलंडर जैसे रोल बना लें। एक तरफ रखें। मैदा और 1/2 कप पानी को बाउल में अच्छी तरह मिला लें। प्रत्येक रोल को मैदा-पानी के घोल में डुबोकर पापड़ में अच्छी तरह लपेट लें और गरम तेल में सभी तरफ से सुनहरा होने तक तल लें। तेल सोखने वाले कागज़ पर निकालकर। टमेटो कैचप के साथ तुरंत परोसें।

मुद्रक एवं प्रकाशक राकेश शर्मा द्वारा अजय त्यागी के लिए ईको प्रिंटिंग प्रेस, पोस्ट एवं पीएस : गड़चुक, कटाबाड़ी मस्जिद के पास, कामरूप (मेट्रो), गुवाहाटी-35 से मुद्रित एवं **गुड लक पब्लिकेशंस, हाउस नं. 30, डी. नेउग पथ, डोना प्लैनेट के नजदीक, एबीसी, जीएस रोड गुवाहाटी-5 से प्रकाशित।**
संपादक : राकेश शर्मा, मोबाइल : 94350-14771, 97070-14771 • **कार्यकारी संपादक : डॉ. आसमां बेगम • फोन : 0361-2960054 (संपादकीय)** e-mail : viksitbharatsamacharghy@gmail.com, **(सभी विवाद सिर्फ गुवाहाटी न्याय क्षेत्र के अधीन)**